नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 162 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

छत्तीसगढ़ के कांकेर में 21 नक्सलियों ने किया सरेंडर

संक्षिप्त समाचार

उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी की मौत

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के राजा केंदुआ गांव में 2018 के एक सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे शीटन भुइयां की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक का शव लेकर पहुंची पुलिस को गांव वालों के विरोध का सामना करना पड़ा। गांव की महिलाओं ने शव लेने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि गांव में अंतिम संस्कार करने के लिए कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं है।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह चौधरी मुहल्ला में नवविवाहिता ने सुसाइड कर ली। मृतका का नाम सुलेखा कुमारी है। जानकारी के मुताबिक सुलेखा की शादी पटना निवासी प्रल्हाद तिवारी से करीब एक माह पहले कोर्ट मैरिज के जरिए हुई थी। दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। परिजनों की रजामंदी से विवाह हुआ था। विवाह के बाद से सुलेखा अपनी मां मुन्नी देवी के साथ सिहोडीह स्थित मकान में रह रही थी।

उत्तर कोयल नहर में डूबे किशोर का शव बरामद

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में उत्तरी कोयल नहर में डूबे 15 वर्षीय किशोर नैतिक कुमार का शव घटना के 36 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। नैतिक छठ पर्व पर अपने ननिहाल आया था। उसका शव बुधवार सुबह 9 बजे घटनास्थल के समीप से मिला।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में रांची-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-20) पर दर्दनाक सड़क हादसे में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा पार्वती क्लिनिक के पास हुआ जब वृद्ध व्यक्ति सड़क पार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय इलाके में तेज बारिश हो रही थी और दृश्यता बहुत कम थी। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई।

आंगनबाड़ी सेविका बर्खास्त तीन शिक्षक निलंबित

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशासन निष्पक्षता बनाए रखने के लिए किसी भी तरह की राजनीतिक सक्रियता को लेकर सख्त है। दानापुर में फ़ेसबुक पर राजद प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने वाली एक आंगनबाड़ी सेविका को जिला प्रशासन ने सेवा से मुक्त कर दिया वहीं सारण जिले में सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर प्रचार में शामिल तीन शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। दोनों जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकारी या अर्धसरकारी कर्मियों की राजनीतिक संलिप्तता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

घाटशिला उपचुनाव : नवंबर के पहले सप्ताह में स्टार प्रचारकों से सजेगा मैदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के रण में झामुमो एवं भाजपा के स्टार प्रचारकों से नवंबर के पहले सप्ताह में चुनाव मैदान सजेगा। दो से पांच नवंबर के बीच भाजपा एवं झामुमो के स्टार प्रचारक वहां चुनाव मोड में नजर आएंगे। प्रदेश भाजपा की ओर से राष्ट्रीय नेता एवं गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जी. कृष्णण रेडी एवं ओडीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के चुनावी कार्यक्रम का प्रस्ताव बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। अप्रुवल मिलते ही ये नेता नवंबर में घाटशिला में चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे। इसके अलावा अन्य स्टार प्राचरकों का भी शेड्यूल तय किया जा रहा है। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, दो से पांच नंवबर तक राष्ट्रीय नेताओं का चुनावी अभियान शुरू हो जाएगा। दूसरी ओर झामुमो के दो प्रमुख स्टार प्रचारक पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दो नवंबर के बाद ये दोनों भी घाटशिला के रण में नजर आएंगे। फिलहाल घाटशिला का मोर्चा स्थानीय नेता संभाले हुए हैं। झामुमो की ओर मंत्री दीपक बिरुआ समेत कोल्हान क्षेत्र के स्थानीय विधायक प्रखंड से लेकर बूथ स्तर तक अपने काम में जुटे हैं। हर दिन प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं से रिपोर्टिंग ली जा रही है। झामुमो प्रत्याशी चंद्र सोमेश सोरेन एवं उनका परिवार हर दिन सुबह से लेकर देर शाम तक व्यक्तिगत तौर पर लोगों से मिल रहे हैं। मतदाताओं से रूबरू होकर उनका आशीर्वाद मांग रहे हैं। इधर 28 हजार कुड़मी वोटरों को अपने-अपने पक्ष में करने के लिए आजसू प्रमुख सुदेश महतो और जेएलकेएम अध्यक्ष जयराम महतो, दोनों एड़ी-चोटी का जोड़ लगाए हुए हैं। सुदेश कुड़मी वोटों को एनडीए के खाते में करने में लगे हुए हैं। वहीं जयराम महतो चार नवंबर के बाद चुनावी समर में उतरेंगे। फिलहाल देवेंद्र नाथ महतो को घाटशिला में प्रचार की कमान सौंपी हुई है, जो कि अपनी टीम के साथ कुड़मी बहुल क्षेत्रों में पसीना बहा रहे हैं। भाजपा की ओर से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन खुद ही चुनावी अभियान की कमान संभाले हुए हैं। चुनावी रण में भले ही उनके पुत्र बाबूलाल सोरेन मैदान में हैं मगर यह चुनाव चंपाई के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। उनका मुकाबला सीएम हेमंत सोरेन और पूरे झामुमो परिवार से है। चंपाई को नेता प्रतिपक्ष एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का पूरा साथ मिल रहा है। आजसू प्रमुख सुदेश महतो भी समय-समय पर घाटशिला में कैंप कर रहे हैं।

झारखंड में नगर निकाय चुनाव शीघ्र, तैयारी में जुटी सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव की घोषणा जल्द होने की संभावना है। झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद हेमंत सरकार ने नगर निकाय चुनाव को लेकर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द ही इसे कराने का निर्णय लिया है। ऐसी संभावना है कि इस मामले में आगामी 10 नवंबर को होनेवाली सुनवाई से पूर्व सरकार कैबिनेट की मंजूरी लेकर राज्य निर्वाचन आयोग को इसकी हरी झंडी दे देगी। पिछले कैबिनेट की बैठक में हुए निर्णय के अनुसार जिला स्तर पर इन दिनों शहरी निकायों के वार्ड एवं पदों के आरक्षण के निर्धारण को अंतिम रुप दिया जा रहा है। जिला स्तर से आरक्षण का निर्धारण होने के पश्चात राज्य निर्वाचन को भेजा जाएगा। बता दें कि राज्य में 48 शहरी निकाय क्षेत्र हैं जहां ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट के बाद पहली बार बीसी-1 और बीसी-2 के लिए सीटें निर्धारित होंगी। पिछड़ा वर्ग आयोग के अनुशंसा पर शहरी निकाय क्षेत्र में अधिकतम आरक्षण 50% होगा जिसमें एससी, एसटी और बीसी-1, बीसी-2 के लिए सीटें निर्धारित होगी। मेयर,वार्ड पार्षद जैसे पदों का आरक्षण चक्रीय होगा। बता दें कि लगभग तीन वर्षों से निकाय चुनाव नहीं होने की वजह से राज्य में शहरी निकाय का कामकाज अधिकारियों पर है। शहरी नगर निकाय क्षेत्र में होनेवाले चुनाव में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से राजनीतिक दलों ने ताकत झोंकने की तैयारी कर ली है। भाजपा नेता दीनदयाल वर्णवाल का मानना है कि पार्टी इस चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाईकोर्ट के फटकार के बाद सरकार इस चुनाव को मजबूर हुई है मगर इतने दिनों तक नगर निकाय जनप्रतिनिधि विहीन रहा जिससे हुए नुकसान के लिए जवाब देना होगा। शहर की साफ सफाई से लेकर स्ट्रीट लाइट और पानी जैसी बुनियादी सुविधा भगवान भरोसे है और जनता बेबस है कि इसके लिए जाए तो कहां जाएं। इधर सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शहर की सरकार को लेकल सरकार के सकारात्मक रुख का दावा करते हुए जल्द ही चुनाव होने का दावा किया है। पार्टी के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति और ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद राज्य में शहरी क्षेत्र में निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। राजनीतिक दल होने के नाते पार्टी ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। बहरहाल शहर की सरकार बनाने को लेकर सरकार पर लगातार दवाब बन रहा है।

कानारोवां रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, रेल यातायात बाधित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। सिमडेगा के कानारोवां हटिया-राउरकेला रेलखंड में कानारोवां और कटाईन के बीच पोल संख्या 524/34 और 524/35 के मध्य घाटी में राउरकेला से रांची की तरफ जा रही मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसकी वजह से अप और डाउन दोनों ही लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रत हो गई है। मालगाड़ी की कुल 10 बोगी हुई बेपटरी होकर पलट गई है जिससे राउरकेला-हटिया रेल लाइन पूरी तरह बाधित हो गई है। रांची रेल मंडल के डीआरएम करुणा निधि सिंह ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि एक मालगाड़ी की कुछ बोगियां पटरी से उतर गई हैं। हालांकि इसकी वजह से किसी तरह की जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल इस लाइन पर यातायात को सामान्य करने की कवायद चल रही है। अभी तक की सूचना के मुताबिक हटिया-राउरकेला रेलखंड पर यातायात बाधित होने की वजह से ट्रेन संख्या 18451 हटिया- पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस का हटिया स्टेशन के स्थान पर राउरकेला स्टेशन से आंशिक प्रारंभ होगी। रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम शुचि सिंह ने बताया कि घटना के कारण लगभग 11 ट्रेनों का परिचालन प्रभावित है। लेकिन यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है। डीआरएम स्वयं मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। मालगाड़ी दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। प्रभावित ट्रेनों को या तो शॉर्ट टर्मिनेट किया जा रहा है या वैकल्पिक मार्गों से परिचालन किया जा रहा है। साथ ही बसों की व्यवस्था की गई है ताकि यात्रियों की यात्रा सुगम बनी रहे।

गोलीकांड मामले में पत्थर व्यवसायी, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष व अन्य पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिले में पत्थर खदान के मुंशी कासिम अंसारी पर फायरिंग मामले में पत्थर व्यवसायी, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत अन्य के खिलाफ नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि इस घटना में किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। फायरिंग में घायल कासिम अंसारी ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि वह लूतफुल हक के क्रशर खदान में बतौर मुंशी का काम करता है और कुछ दिन पहले ही माइंस को लेकर पत्थर व्यवसायी जियाउल पगला से नोक-झोंक हुई थी और उस वक्त जियाउल ने जान मारने की धमकी दी थी। बयान के मुताबिक बीते 27 की रात सोलागढ़िया स्थित वह अपना मकान पहुंचा था तभी दो अज्ञात आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिससे उनके शरीर में दो गोली लग गई। बयान के मुताबिक घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। कासिम अंसारी के बयान के मुताबिक पत्थर व्यवसायी जियाउल पगला, बेलाल शेख और मोरफुल शेख ने साजिश रचकर जान से मारने की नियत से दो अज्ञात अपराधी को मेरे पास भेजा था और वह गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए थे। पुलिस ने नगर थाने में कांड संख्या 275/25 व भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (1), 61 (2) एवं 27/35 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

कोल्हान बंद का दिखा व्यापक असर, जनजीवन प्रभावित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा/जमशेदपुर/सरायकेला। पश्चिमी सिंहभूम जिले में बुधवार को बीजेपी द्वारा बुलाए गए कोल्हान बंद का व्यापक असर देखने को मिला। सुबह से ही बीजेपी कार्यकर्ता और स्थानीय सामाजिक संगठन सड़कों पर उतरकर दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद कराने की अपील करते दिखे। बंद के चलते चाईबासा शहर की अधिकतर दुकानें और बाजार बंद रहे। वहीं टाटा-रांची, किरीबुरू और दूसरे ग्रामीण इलाकों के लिए बसों का परिचालन पूरी तरह ठप रहा। जिसका असर आम लोगों की आवाजाही पर सीधे तौर पर देखा गया। इधर, बंद समर्थकों ने चक्रधरपुर, जगन्नाथपुर, सोनुआ आदि जगहों पर सड़कों के बीचों बीच टायर जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। दुकानें भी पूरी तरह बंद रही, सड़कों पर परिचालन पूरी तरह ठप्प रहा। दरअसल यह बंद सोमवार रात हुई घटना के विरोध की प्रतिक्रिया के रूप में बुलाया गया। उस दिन मंत्री दीपक बिरुआ के आवास का घेराव करने पहुंचे आदिवासी युवकों पर पुलिस ने देर रात लाठीचार्ज किया था जिसके बाद भगदड़ की स्थिति मच गई थी। इस दौरान 17 युवक लापता हो गए और चार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इन्हीं युवकों की सकुशल बरामदगी और गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग को लेकर भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ मिलकर बुधवार को बंद का आह्वान किया था। बंद के चलते पूरे चाईबासा में जनजीवन प्रभावित रहा। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों की उपस्थिति बेहद कम रही और यात्री वाहन नहीं चलने से लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ी। पुलिस प्रशासन ने बंद को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। चाईबासा में ग्रामीणों पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में कोल्हान बंद का असर खरसवां में पड़ा है। बंद समर्थकों ने सड़क पर टायर जलाकर बाजार बंद कराया है। वही बीजेपी नेत्री मीरा मुंडा, बंद समर्थकों के साथ सड़क पर उतरी है।

एसीबी जांच के दायरे में भाजपा विधायक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। वन भूमि घोटाले मामले में एसीबी की जांच के दायरे में बीजेपी सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी आ गए हैं। उन पर 2010 में विवादित वन भूमि की रजिस्ट्री में पहचान बनने का आरोप है। मामला एक शोरूम की भूमि से जुड़ा हुआ है। वहीं इस मामले में विधायक प्रदीप प्रसाद ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी गलत कृत्य का समर्थक न कभी रहा हूं और ना ही कभी रहूंगा। रही बात आरोप लगने की तो यह जांच का विषय है। एजेंसी जांच करेगी। मुझे एजेंसी और सरकार पर भरोसा है। समय आने दीजिए, सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हजारीबाग में इन दिनों एसीबी सरकारी जमीन की खरीद फरोख्त के मामले की जांच कर रही है। इस जांच में हजारीबाग के तत्कालीन उपायुक्त विनय कुमार चौबे, तत्कालीन सदर अंचल अधिकारी शैलेश कुमार, जमीन व्यवसायी और एक बड़े शोरूम के मालिक विनय सिंह को एसीबी ने मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें लोकनायक जयप्रकाश नारायण को हजारीबाग सेंट्रल जेल में भेजा जा चुका है, लेकिन अब इस मामले में धीरे-धीरे नये- नये लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, जिन्होंने जमीन की खरीदारी की है। एसीबी के अनुसार हजारीबाग स्थित डेमोटांड़ स्थित शोरूम की जमीन की रजिस्ट्री के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद बतौर पहचान बने थे। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि विधायक प्रदीप प्रसाद ने जमीन रजिस्ट्री में पहचान के साथ वन भूमि की खरीद बिक्री में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भूमिका भी निभाई थी। सरकारी जमीन की रजिस्ट्री मामले में शोरूम के मालिक विनय सिंह फिलहाल जेल में है। इधर, तत्कालीन सदर सीओ वर्तमान डीआरडीए निदेशक चतरा अलका कुमारी से भी इस मामले में एसीबी ने पूछताछ की गई थी।

नीतीश कुमार ही होंगे मुख्यमंत्री : अमित शाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के सीएम फ़ेस को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान किया है। दरभंगा के अलीगनर में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री और लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का सपना देख रहे हैं लेकिन मैं बता दूं कि पटना और दिल्ली में फिलहाल कोई सीट खाली नहीं है। गृह मंत्री के इस एलान से यह साफ हो गया कि चुनाव के नतीजे आने के बाद अगर एनडीए सरकार बनाने की स्थिति में आती है तो बीजेपी नीतीश कुमार के नाम का ही समर्थन करेगी। अमित शाह के एस ऐलान के बाद से एनडीए और खासकर जनता दल यूनाइटेड के समर्थकों ने राहत की सांस ली है। क्योंकि महागठबंधन के नेता लगातार यह बात अपनी सभाओं में कह रहे थे कि चुनाव जीतने के बाद बीजेपी नीतीश कुमार को पद से हटाकर अपने नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी। इस बात को साबित करने के लिए विपक्ष के नेता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का उदाहरण देते रहे हैं। दरअसल, 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव लड़ा था लेकिन चुनाव के बाद पार्टी ने डॉ मोहन यादव को नया मुख्यमंत्री चुना था। अमित शाह ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में दरभंगा की 10 में से 9 सीटें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खाते में गई थी और इस बार वे सभी 10 सीटें राजग को दिलाएं। इससे बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जा सके।

जल जीवन मिशन के संवेदकों का जल बंद आंदोलन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में जल जीवन मिशन के संवेदकों ने जल बंद आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। दावा है कि काम करने के बावजूद पिछले 20 माह से राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। मार्च 2024 से भुगतान बंद है। इसकी वजह से तमाम छोटे संवेदक दिवालिया होने की कगार पर हैं। बैंक से डिफॉल्टर हो रहे हैं। अब बकाया राशि के लिए आंदोलन के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं दिख रहा है। इसी वजह से संवेदकों ने राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। झारखंड संवेदक संघ ने घोषणा की है कि 30 दिनों के भीतर भुगतान को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ तो सामूहिक धरना, मुख्यालय घेराव का काम शुरू किया जाएगा। दावा किया गया है कि राज्य के छोटे ठेकेदार अपना खर्चे से गांवों में जलापूर्ति को चालू रखे हुए हैं। लिहाजा छोटे ठेकेदारों का भुगतान पहले होना चाहिए। आरोप है कि मिशन के तहत चल रहे बहु ग्राम और एकल ग्राम योजना के नाम पर भी भेदभाव

किया जा रहा है। राज्य सरकार से भुगतान का टाइमलाइन जारी करने की मांग की गई है। इस मसले पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि संवेदकों की चिंता से राज्य सरकार वाकिफ है और चिंतित भी है। राज्य सरकार भुगतान करना चाहती है लेकिन केंद्र सरकार अपना केंद्रांश नहीं दे रही है। इसको लेकर कई बार केंद्रीय जल शक्ति से मुलाकात कर चुके हैं सिर्फ आश्वासन मिलता है। अब मजबूर होकर स्टेट फंड से संवेदकों को पैसे देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्यांश मात्र 2500 करोड़ है लेकिन देनदारी 6500 करोड़ है। यह नाकाफी है। फिर भी वित्त मंत्रालय को फाइल सहमति के लिए मूव की गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दूसरी योजनाओं के अलावा रॉयल्टी से जुड़ा केंद्रांश देने में ही केंद्र सरकार दोहरा व्यवहार कर रही है। इसका खामियाजा राज्य को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल झारखंड में इसकी शुरुआत 15 अगस्त 2019 को हुई थी। मकसद था सभी ग्रामीण घरों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में दिसंबर 2024 तक नल से जल पहुंचाना। हालांकि, झारखंड समेत कई राज्यों में काम पूरा नहीं होने पर केंद्र सरकार ने योजना का विस्तार 2028 तक के लिए कर दिया है। झारखंड में 62.54 लाख ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य है। इनमें से 34.43 लाख घरों तक नल से जल पहुंचाया जा चुका है। शेष 28.11 लाख घरों में पानी पहुंचाना बाकी है। झारखंड में कुल 29,398 गांव हैं। इनमें से 6,963 गांवों को नल के जल से जोड़ दिया गया है। दिसंबर 2028 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा करना है। झारखंड में इससे जुड़ी 97,535 योजनाएं ली गई हैं। इनमें से 56,332 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा 24,781 योजनाएं ग्राम समिति को हैंडओवर की गई है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह 30 अक्टूबर को लखीसराय पहुंचेंगे: एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में करेंगे सभा

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय के जिलाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह ने सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की है। उन्होंने अमित शाह के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और सुरक्षा टीमों को तैनात करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 अक्टूबर को लखीसराय पहुंचेंगे। वे आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जनसभा सुबह 10 बजे केआरके मैदान में आयोजित की जाएगी एनडीए गठबंधन ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। शाह की यह जनसभा इसी रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में माहौल बनाना है। केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और एनडीए कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर अधिकारियों की लगातार बैठकें हो रही हैं।

प्रशांत किशोर ने कदवा में जन सुराज के लिए मांगे वोट

कटिहार, एजेंसी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को कटिहार के कदवा विधानसभा क्षेत्र के चांदपुर चौक में रोड शो किया। उन्होंने जन सुराज प्रत्याशी मोहम्मद शहरयार के पक्ष में लोगों से स्कूल की बस्ता छाप पर मतदान करने की अपील की। प्रशांत किशोर के चांदपुर पहुंचने से पहले ही सैकड़ों समर्थक मोटरसाइकिल पर जन सुराज के झंडे लेकर जय जय बिहार के नारे लगा रहे थे। उनके स्वागत के लिए एक जेसीबी लाई गई थी, जो गेंदे के फूलों से भरी थी। प्रशांत किशोर के पहुंचने पर समर्थकों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया और जेसीबी से फूलों की वर्षा की। प्रशांत किशोर ने मतदाताओं से कहा कि, यदि वे अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं और छठ पूजा के बाद उन्हें प्रदेश से बाहर काम करने के लिए नहीं भेजना चाहते, तो स्कूल का बस्ता छाप पर ही वोट करें। कदवा विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबला एनडीए के जदयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी और कांग्रेस के डॉ. शकील अहमद खान के बीच माना जा रहा है। जन सुराज भी इस मुकाबले में एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभरा है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने लखीसराय में किया जनसंवाद

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय जिले में 6 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बड़हिया पहुंचकर जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने एनडीए सरकार को मजबूत करने और बिहार के विकास में एनडीए की भूमिका पर जोर दिया। सिन्हा ने कहा कि एनडीए सरकार में बिहार का विकास हुआ है। उन्होंने पूर्व की राबड़ी और लालू सरकार के 20 साल के कार्यकाल से तुलना करते हुए बताया कि उस समय अपराध का ग्राफ बढ़ा था, जबकि एनडीए सरकार में अपराध खत्म हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अब लोग रात में भी सुरक्षित घर पहुंच जाते हैं, जबकि पहले लूटपाट की घटनाएं आम थीं। उपमुख्यमंत्री ने लखीसराय में सड़कों के निर्माण, शिक्षा में सुधार और लोगों के भयमुक्त होने का भी जिक्र किया। उन्होंने इन उपलब्धियों को देखते हुए लोगों से एनडीए सरकार को मजबूत बनाने के लिए मतदान करने का आग्रह किया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के साथ भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी मौजूद थे।

बांका में पेड़ से टकराई बाइक, चालक की मौत, साढु-साली घायल

बांका, एजेंसी। बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उसके साढु और साली गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान भागलपुर जिले के सजौर थाना क्षेत्र के चकनारायणपुर गांव निवासी 40 वर्षीय हीरालाल दास के रूप में हुई है। वे सभी एक ही बाइक पर सवार थे।हीरालाल दास अपने साढु टिंकू दास और साली खुशबू देवी के साथ शंभूगंज के बेलारी गांव स्थित रिश्तेदार के घर छठ का प्रसाद लेकर जा रहे थे। अमरपुर–भरको–काशपुर संपर्क पथ पर गोरगम्मा मोड़ के पास अचानक बाइक बेकाबू होकर सड़क हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और लगभग आधे घंटे तक सड़क किनारे पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को ऑटो से अमरपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. दिवाकर सिंह ने हीरालाल दास को मृत घोषित कर दिया। टिंकू दास और खुशबू देवी का प्राथमिक उपचार किया गया।घटना की सूचना मिलते ही अमरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक की पत्नी राखी देवी सहित परिजन अस्पताल पहुंचे।

एनडीए और महागठबंधन ने केवल 53 महिला उम्मीदवारों को दिया टिकट

पटना, एजेंसी। वर्ष 2023 में संविधान संशोधन (106वां) कर राजनीति में एक-तिहाई महिला आरक्षण का प्रविधान किया गया। तब प्रतिष्ठित राजनीतिक पार्टियों ने आधी आबादी की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने का खूब बढ़-चढ़कर वादा किया था। मगर बिहार के विधानसभा चुनाव में जब महिलाओं को टिकट देने की बारी आई, तो पार्टियों ने अपने वादों को भुला दिया।

टिकट देने के मामले में पार्टियों ने महिलाओं के प्रति अपना रवैया नहीं बदला। रोचक यह कि सरकारी नौकरियों और पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का कोटा लागू हैं। मगर जब राजनीतिक भागीदारी की बात आती है, तो पार्टियों के हाथ-पांव फूल जाते हैं। तभी तो 33 प्रतिशत की राजनीतिक हिस्सेदारी देने की बात पार्टियों के लिए सिर्फ वादा ही साबित हुई है। इस तरह विधानसभा चुनाव लड़ने का सपना देखने वाली आधी आबादी हाशिए पर रह गई। यह हाल उस आधी आबादी की है, जो पुरुषों के मुकाबले विभिन्न चुनावों में मतदान करने में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाती रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) हो या महागठबंधन (आईएनडीआईए)। इनके उम्मीदवारों की सूची देखें, तो महिलाओं पर भरोसा जताने और उन्हें टिकट देने में घोर कंजूसी बरती है। दोनों गठबंधनों ने कुल 53 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

एनडीए के बीच सीट बंटवारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के हिस्से 101-101 सीटें आई हैं। भाजपा और जदयू ने 13-13 महिलाओं (13 प्रतिशत) पर भरोसा जताकर चुनाव मैदान में उतारा है।

वहीं, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली है और उसने छह सीटों पर महिला उम्मीदवार को सिंबल देकर चुनाव में उतारा है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को छह सीटें मिली हैं। दो सीटों पर महिला उम्मीदवार जरूर दिया, लेकिन मांझी ने पार्टी की किसी महिला कार्यकर्ता पर भरोसा न जताकर अपनी समधन ज्योति देवी और बहू दीपा मांझी को चुनाव में उतारा है।

इसी तरह पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें मिलीं और एक सीट पर महिला उम्मीदवार को उतारा है। मगर कुशवाहा ने भी पार्टी की किसी महिला कार्यकर्ता पर भरोसा नहीं जताकर अपनी पत्नी स्नेहलता को उम्मीदवार बनाया। वैसे देखा जाए तो एनडीए ने विधानसभा की सभी 243 सीटों के विरुद्ध 35 महिला उम्मीदवार को टिकट दिया है।

वहीं, दूसरी ओर महागठबंधन ने मात्र 18 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। इनमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 11 महिलाओं पर भरोसा दिखाया और चुनाव मैदान में उतारा। कांग्रेस ने भी पांच महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेलिनवादी) ने एक-एक महिला उम्मीदवार पर भरोसा जताया है। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी यानी माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने एक भी महिला उम्मीदवार नहीं दिया है।

2010 से हर चुनाव में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक 2010 के विधानसभा चुनाव में जहां पुरुषों का मतदान प्रतिशत 50.70 रहा वहीं 54.85 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले।

समस्तीपुर में जूट मिल कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शिवनंदनपुर गांव में सोमवार शाम महापर्व छठ का अर्घ्य देकर लौटे जूट मील कर्मी की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, घटनास्थल पर मौजूद भीड़ ने वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे बदमाश को खदेड़ कर पकड़ लिया और ईंट पत्थर से उसे भी लहूलुहान कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची दोनों को घटनास्थल से उठाकर सदर अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने गोली से जख्मी मंटून सहनी को मृत घोषित कर दिया। जबकि पिटाई से घायल आरोपी राम जन्म सहनी को प्राथमिक उपचार के बाद डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया है। मृतक और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले बताए गए हैं।

घटना के संबंध में ग्रामीणों का बताना है कि मंटून सहनी डूबते सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के बाद घर लौटा था और अपने चचेरे भाई की दुकान के सामने बैठा हुआ था। इसी दौरान इसी गांव का राम जन्म साहनी मौके पर पहुंचा और मंटून पर ताबड़तोड़ गोली चलानी शुरू कर दी। मंटून सहनी को चार गोली लगी। गोली मारकर जब राम जन्म सनी भाग रहा था, तब मौके पर मौजूद लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। आरोपी ने मंटून की हत्या क्यों की है, इस संबंध में फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं हो पाया है।

इस बात पूछे जाने पर सदर डीएसपी 2 संजय कुमार ने कहा कि आपसी विवाद में गोलीबारी की घटना हुई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। आरोपी की भी लोगों ने पकड़ कर पिटाई की है, जिसे बेहतर इलाज के लिए दरभंगा डीएमसीएच रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

किशनगंज में स्टूडेंट का शव फंदे से लटका मिला, लाइट कटने के बाद कमरे में चला गया, चीखने की आवाज पर दौड़े परिजन

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में बंद कमरे से फंदे से स्टूडेंट का शव लटका मिला है। मृतक सुरजीत कुमार रॉय (18) घर में ही लोगों के साथ बैठा बात कर रहा था इस दौरान अचानक बिजली चली गई। जिसके बाद वो कमरे में चला गया। मंगलवार रात 7:30 बजे चीखने की आवाज पर परिजनों ने खिड़की से झांकर देखा तो छत के कुंडे से फंदे के सहारे लटका दिखा।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसे नीचे उतारा और आनन फानन मे छत्तरगाछ रेफरल अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर और एम्बुलेंस उपस्थित नहीं होने से परिजनों मे आक्रोश दिखा। छात्र की स्थिति गंभीर होने पर परिजनों ने प्राइवेट गाड़ी के द्वारा लड़के को किशनगंज सदर अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।किशनगंज में पोठिया प्रखंड क्षेत्र के कोल्था पंचायत स्थित सब्जी मार्केट हरिजन बस्ती में घटना हुई है। युवक के भाई ने ग्रामीणों की मदद से सुरजीत को छतरगाछ रेफरल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल में कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं थे और कोई एम्बुलेंस भी नहीं था परिजनों ने प्राइवेट गाड़ी द्वारा मरीज को छतरगाछ से 30 किलोमीटर दूर किशनगंज ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर बेटे की स्थिति देख पिता अचेत होकर गिर पड़ा, जिसको ग्रामीणों के सहयोग से छतरगाछ अस्पताल लाया गया परन्तु डॉक्टर गायब रहने के कारण उन्हें भी किशनगंज सदर अस्पताल इलाज हेतु भेजा गया है।

डॉक्टर के मृत घोषित करने के बाद परिजनों और स्थानीय युवकों ने अस्पताल डॉक्टर और स्टाफ पर इलाज में देरी और लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और गायब डॉक्टर और कर्मी पर कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। छतरगाछ कैंप प्रभारी राम बहादुर शर्मा और पहाड़कट्टा थाना अध्यक्ष फुलेंद्र कुमार ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि इस संबंध में कोई प्रार्थना पत्र मिलता है, तो आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद परिवार और मोहल्ले में शोक का माहौल है। छतरगाछ अस्पताल मे डॉक्टर और स्टाफ की लापरवाही न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक स्तर पर भी चिंता का विषय है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिला पदाधिकारी और स्वास्थ्य विभाग को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है आज अगर अस्पताल मे डॉक्टर मौजूद होते तो युवक की जान बचाई जा सकती थी। फिलहाल मृतक के पिता देवनारायण इलाजरत है। मृतक बच्चे की मौसी सीमा ने बताया कि 2 से 3 घंटा हो गया लेकिन अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं है।

मधुबनी में 5 मतदाता जागरूकता रथ रवाना:डीएम-एसपी ने विधानसभा चुनाव हेतु हरी झंडी दिखाई

मधुबनी, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के तहत मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मधुबनी में पहल की गई है। सोमवार शाम चार बजे मधुबनी समाहरणालय परिसर से जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आनंद शर्मा और पुलिस अधीक्षक ने पाँच मतदाता जागरूकता प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह कार्यक्रम स्वीप गतिविधि के अंतर्गत आयोजित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक मतदाता को जागरूक कर ÷शत-प्रतिशत मतदान÷ के लक्ष्य को प्राप्त करना है।ये प्रचार रथ जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे। ऑडियो-वीडियो सामग्री के माध्यम से आम मतदाताओं को आगामी 11 नवम्बर को मतदान में भाग लेने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

जिला प्रशासन की इस पहल का लक्ष्य लोगों को लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।प्रचार रथ छठ पर्व के अवसर पर विभिन्न घाटों पर जाकर श्रद्धालुओं को मतदान का महत्व बताएंगे और उन्हें मतदान के दिन मतदान केंद्रों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही, ये रथ उन क्षेत्रों में विशेष रूप से जाएंगे जहाँ पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा था, ताकि इस बार अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि प्रत्येक मतदाता की भागीदारी ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है। उन्होंने जोर दिया कि मतदान न केवल अधिकार है बल्कि यह हमारा कर्तव्य भी है, अतः सभी मतदाता 11 नवम्बर को मतदान अवश्य करें।

पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने सभी मतदाताओं से निर्भीक होकर 11 नवंबर को मतदान करने की अपील की। मौके पर उपस्थित स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी परिमल कुमार ने जानकारी दी कि इन प्रचार रथों में मतदाता से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ-साथ जिला पदाधिकारी का संदेश, जिला स्वीप आइकॉन की अपील एवं अन्य संदेशों को भी शामिल किया गया है। यह प्रचार वाहन जिले के मतदाताओं को सशक्त और सचेत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ताड़ी को शराबबंदी कानून से छूट दी जाएगी, सारण में चुनावी सभा के दौरान तेजस्वी यादव का एलान

छपरा, एजेंसी। राजद के वरिष्ठ नेता और महागठबंधन के स्टार प्रचारक तेजस्वी यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून तो लागू है, लेकिन शराब की होम डिलीवरी तक हो रही है। सरकार दावा करती है कि शराबबंदी सख्ती से लागू है, जबकि सच्चाई यह है कि सरकार की नाक के नीचे शराब हर जगह उपलब्ध है।

तेजस्वी यादव ने यह बातें सारण जिले के परसा विधानसभा क्षेत्र के मस्तीचक खेल मैदान में आयोजित एक महती जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। वे यहां राजद प्रत्याशी डॉ. करिश्मा राय के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे थे। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में पिछले 20 साल से एनडीए की सरकार है और अब मुख्यमंत्री को आराम की जरूरत÷ है। उन्होंने जनता से अपील की कि गरीबी, महंगाई और पलायन जैसी समस्याओं से मुक्ति के लिए राज्य में महागठबंधन की सरकार बनाना जरूरी है।

तेजस्वी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि ये दोनों नेता बाहर से आकर बिहार पर कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन बिहार की जनता उनकी मंशा पर पानी फेर देगी। बिहार पर शासन सिर्फ बिहार के लाल का होगा। उन्होंने कहा कि अगर नौकरी चाहिए तो लालटेन को जिताना होगा। अगर एनडीए की सरकार फिर से आई, तो पहले से भी अधिक भ्रष्टाचार बढ़ेगा। इसलिए 6 नवंबर को लालटेन छाप पर बटन दबाकर भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाने में सहयोग करें।

तेजस्वी यादव ने कहा कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तो 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच एक भी भ्रष्टाचारी बाहर नहीं दिखेगा। सभी को जेल भेजने का काम होगा। अगर मेरी परछाई भी गलत करेगी, तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बनने के बाद 30 दिन के भीतर सर्वे कर हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी देने का काम किया जाएगा। मेरी उम्र भले कच्ची हो, लेकिन जुबान पक्की है। नीतीश कुमार कहते हैं कि तेजस्वी नौकरी कहां से देंगे, लेकिन मैंने 17 महीने में नौकरी दी। जो काम सरकार 20 साल में नहीं कर सकी, वो तेजस्वी यादव 20 महीने में करके दिखाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो ताड़ी को शराबबंदी कानून से छूट दी जाएगी।

औरंगाबाद में फर्जी आईपीएस बनकर एसपी को किया कॉल

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में देव सूर्य मंदिर के समीप से आज यानी मंगलवार को फर्जी आईपीएस बनकर धौंस दिखाना एक युवक को महंगा पड़ गया। उसकी स्थिति संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया फर्जी आईपीएस आशीष कुमार भोजपुर का रहने वाला है। नगर थाने से मिली जानकारी के अनुसार देव मेला में एक युवक मंदिर में सूर्य दर्शन करना चाह रहा था। लेकिन वहां अत्यधिक भीड़ होने के कारण वह दर्शन करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

जानकारी के बाद, आरोपी ने औरंगाबाद एसपी को फोन लगाया और खुद को आईपीएस बताकर मंदिर में दर्शन की व्यवस्था कराने का आग्रह किया। उसके आग्रह पर एसपी ने इसकी जिम्मेवारी नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह को सौंप दी। एसपी के आदेश पर नगर थानाध्यक्ष ने उक्त व्यक्ति को दर्शन कराया। लेकिन इस दौरान उक्त व्यक्ति की गतिविधियां कुछ संदिग्ध लगी। उसके बाद थानाध्यक्ष ने अपने स्तर से इंक्वायरी शुरू की। जब वे पूरी तरह से आश्वस्त हो गए कि खुद को आईपीएस बताने वाला व्यक्ति फर्जी है, तो उन्होंने उसे हिरासत में लेते हुए थाना लाया और पूछताछ शुरू कर दी।

उन्होंने इसकी सूचना एसपी को भी दी। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ वन संजय कुमार पांडेय रात्रि आठ बजे नगर थाना पहुंचे और उक्त फर्जी आईपीएस से पूछताछ शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार आशीष सोमवार को ही औरंगाबाद पहुंचा था और पुलिस कर्मियों को आईपीएस होने का दोस्त दिख रहा था।फर्जी आईपीएस ने खुद को कुंवारा बताकर कई महिला पुलिसकर्मियों को शादी का प्रलोभन भी दिया था।

औरंगाबाद में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया। अज्ञात चोरों ने शहर के जीटी रोड स्थित फार्म के समीप से एक बंद घर को निशाना बनाया तथा हजारों रुपए नगदी और लाखों का सामान गायब कर दिया। जिस घर में चोरों के द्वारा चोरी की गई है उस घर का पूरा परिवार देव में छठ पर्व करने गया था। इसके साथ ही चोरों ने किरायदारों के भी फ्लैट में चोरी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि चोरी कब हुई इसकी भनक किसी को नहीं लगी। लेकिन जब छठ पर्व संपन्न होने के बाद गृह स्वामी तथा किराएदार मंगलवार की दोपहर अपने घर पहुंचे तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए।

घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। मामले को लेकर जीटी रोड स्थित फॉर्म निवासी सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता के पुत्र शशिकांत गुप्ता ने नगर थाना में आवेदन दिया है। उसने पुलिस को बताया है कि 26 अक्टूबर को वह अपने पूरे परिवार वालों के साथ देव में छठ पर्व करने गया था। छठ पर्व समाप्त होने के बाद 28 अक्टूबर यानी मंगलवार की दोपहर देव से घर लौटा तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है और घर के सारे सामान बिखरे पड़े थे।

कमरे में रखें अलमीरा भी टूटा हुआ है। और उसमें से चांदी एवं सोने के आभूषण गायब हैं। कहा कि अलमीरा में बच्चों के आभूषण और 7 हजार रुपए कैश था यानी कुल मिलाकर चोरों से 60 हजार रुपए की चोरी की गई है।

सहरसा के कोपड़िया गांव में नशे के खिलाफ जनआंदोलन

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के सलखुआ प्रखंड स्थित कोपड़िया गांव के ग्रामीणों ने नशे के खिलाफ एकजुट होकर अभियान शुरू किया है। मंगलवार को उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोपड़िया के प्रांगण में हुई एक बैठक में सैकड़ों ग्रामीणों ने गांव को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। तय किया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति गांव में शराब, गांजा, चरस, कोरेक्स या किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का व्यापार या सेवन करता पाया जाता है, तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी पंचायत प्रतिनिधि या जनप्रतिनिधि नशे से जुड़े व्यक्तियों का पक्ष नहीं लेगा।

20 युवाओं की निगरानी टीम गठित: इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 20 युवाओं की एक विशेष निगरानी टीम का गठन किया गया है, जिसे ÷नशा मुक्त दस्ता÷ नाम दिया गया है। इस टीम का मुख्य उद्देश्य गांव में नशे से संबंधित हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखना और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत प्रशासन को देना होगा। ÷नशा मुक्त दस्ता÷ के सदस्यों में शशि भूषण कुमार, रविन कुमार, आशुतोष कुमार, संजय कुमार, राजेश कुमार, श्रीलाल यादव, अजय कुमार, पांडव कुमार, बबलू कुमार, सारजन कुमार, अर्जुन कुमार, अमर कुमार, राजाराम, कपलेश कुमार, अशोक राम, रौशन कुमार, सत्यम कुमार, विकास कुमार, हरि मोहन राम और नीतीश कुमार शामिल हैं। इन सभी युवाओं ने ग्रामीणों के सामने शपथ ली कि वे बिना किसी जातीय, धार्मिक या सामाजिक भेदभाव के, निष्पक्षता और ईमानदारी से गांव को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने की दिशा में कार्य करेंगे।

गांव में नहीं होगा नशे का कारोबार: ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि अब गांव में किसी भी प्रकार का नशे का कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नशे के व्यापारी या सप्लायर के रूप में किसी व्यक्ति की पहचान होते ही उसे तुरंत प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि नशे ने कई घरों और परिवारों को बर्बाद कर दिया है, जिसके कारण यह कदम उठाया गया है। बैठक में वासुदेव यादव, राजधर यादव, अरुण यादव, शत्रुघ्न यादव, राजाराम राय, हरि नारायण यादव, नारायण यादव, अमर आनंद, राजेश कुमार, आशुतोष कुमार, पिंटू यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में कहा कि नशा मुक्त अभियान केवल एक मुहिम नहीं, बल्कि समाज सुधार की दिशा में जन आंदोलन बनेगा।

बच्चों को नशे की बर्बादी से बचाने की अपील : ग्रामीण राजधर यादव ने कहा÷अब वक्त आ गया है कि हम अपने बच्चों को नशे की बर्बादी से बचाएं। सरकार से पहले हमें खुद जिम्मेदारी निभानी होगी।÷वहीं युवा शशि भूषण कुमार ने कहा÷हमारी टीम हर समय गांव में सक्रिय रहेगी। किसी को भी नशा करने या बेचने की इजाजत नहीं दी जाएगी।ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से भी इस मुहिम में सहयोग की अपेक्षा जताई है। उन्होंने मांग की कि नशा मुक्त दस्ता को कानूनी सहयोग और मार्गदर्शन मिले, ताकि कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की बाधा न आए। कोपड़िया गांव का यह कदम पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। अगर समाज खुद जागरूक हो जाए, तो नशे जैसी बुराई को खत्म करना कठिन नहीं।

संक्षिप्त समाचार

पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार, पर्यावरण संरक्षण जरूरी - रमैया

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल में विशेष अभियान 5.0 के तहत कंपनी मुख्यालय कोयला भवन में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पहल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पौधा वितरण कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को हरित आवरण में वृद्धि एवं स्वच्छ, स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। उन्होंने बीसीएमयू के पदाधिकारी आरके तिवारी को पौधे देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात कोयला भवन में के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच 400 पौधे बांटे गये। इस दौरान निदेशक श्री रमैया ने उपस्थित कर्मियों से अपने कार्यस्थलों और आवासीय परिसरों में पौधरोपण की अपील की। उन्होंने कहा -पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार है। पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अनिवार्य है। स्वच्छ और हरित वातावरण न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करता है। मौके पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (श्रमशक्ति नियोजन) अपूर्व कुमार मित्रा, महाप्रबंधक (सीटीपी एवं सुरक्षा) हफीजुल कुरैशी समेत मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एसएनएमएमसीएच में आयुष्मान योजना से पहली बार हुआ मैंडिबल फ्रैक्चर का ऑपरेशन

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के दंत चिकित्सा विभाग के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। 27 अक्टूबर, सोमवार को विभाग में आयुष्मान भारत योजना के तहत पहली बार मैंडिबल (जबड़े की हड्डी) फ्रैक्चर का ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ। यह सर्जरी तारों की मदद से क्लोज्ड रिडक्शन तकनीक के जरिए की गयी। मरीज जदुलाल महतो को यह उपचार आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क मिला। सर्जरी का नेतृत्व दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनिमेष ने किया। यह एसएनएमएमसीएच के दंत विभाग में किया गया पहला ऑपरेशन है। दंत विभाग के चिकित्सकों ने बताया कि अबतक जबड़े की हड्डी से जुड़ी गंभीर चोटों के मरीजों को इलाज के लिए बाहर रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब विभाग में उपलब्ध नई सुविधाओं व प्रशिक्षित विशेषज्ञों के कारण ऐसे जटिल ऑपरेशन भी यहीं संभव हो सकेंगे। विभाग ने इस उपलब्धि का श्रेय अस्पताल के अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया को दिया। उनके सहयोग व मार्गदर्शन से यह प्रयास सफल हुआ। अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया ने इस उपलब्धि पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा कि यह एसएनएमएमसीएच के लिए एक नया अध्याय है। उन्होंने दंत विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि अस्पताल जल्द ही मरीजों को और बेहतर व आधुनिक दंत चिकित्सा सेवाएं देने की दिशा में कदम बढ़ायेगा। डॉ अनिमेष ने बताया कि विभाग का लक्ष्य आयुष्मान भारत योजना के तहत और भी अधिक जरूरतमंद मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है।

रेकी व फायरिंग के लिए दशरथ शुक्ला ने गोपाल को दिये थे दो हजार रुपये

जमशेदपुर, एजेंसी। गोली लगने से घायल गोलमुरी गाढ़ाबासा निवासी गोपाल महानंद से पुलिस ने पूछताछ की। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि हरेराम सिंह के घर पर हुए फायरिंग में वह शामिल था। 10 अक्तूबर की सुबह उसके साथ राजेश और कोंदू भी हरेराम सिंह के घर गये थे। सुबह करीब 4-45 बजे वे लोग हरेराम सिंह के घर के पास पहुंचे थे, जिसके बाद राजेश ने हवाई फायरिंग की थी। फायरिंग कर हमलोग घर लौट गये। फायरिंग की वारदात से दो दिन पहले आठ अक्तूबर को वह कार से हरेराम सिंह के घर की रेकी करने गया था। पूछताछ में उसने बताया कि दशरथ ने पहले उसे एक हथियार रखने के लिए दिया था। 9 अक्तूबर को दशरथ ने राजेश, कोंदू और मुझे एक-एक हथियार दिये थे। फायरिंग करने के बाद दशरथ ने तीनों हथियार रख लिया था। दशरथ शुक्ला ने उसे दो हजार रुपये भी दिये थे। इसके अलावा मोटरसाइकिल खरीदने का भरोसा दिया था। गोली चलाने के बाद वह दशरथ द्वारा पूर्व में दिये गये पिस्तौल व गोली को साथ लेकर राउरकेला में अपने एक रिश्तेदार के घर चला गया था। जहां दो दिन रहने के बाद वह वापस जुगसलाई अपने एक दोस्त के घर लौटा। पिछले करीब 10 दिन से वह जुगसलाई में रह रहा था। इस दौरान उसने ठेकेदारी में काम करना शुरू कर दिया था। रविवार को वह सिदगोड़ा में दोस्त के साथ टेंपो से छठ घाट गया था। लौटने के बाद उसने शराब की बोतल व चखना लिया और रात में क्वार्टर में दोनों ने शराब पी। शराब पीने के बाद दोस्त वहां से चला गया। गोपाल ने पुलिस को बताया कि उक्त दोस्त से घाघीडीह जेल में उसकी जान पहचान हुई थी। इधर, पुलिस उक्त दोस्त की तलाश में जुटी है।

प्रदेश में खुलेंगे 4 नए मेडिकल कॉलेज, एमबीबीएस की 350 सीटें बढ़ेंगी, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

रांची, एजेंसी। चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे झारखंड में 4 नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। ये मेडिकल कॉलेज खूंटी, जामताड़ा, धनबाद तथा गिरिडीह में खुलेंगे, जो पीपीपी मोड पर संचालित होंगे। मंगलवार को नई दिल्ली में वित्तीय मामलों के विभाग की हुई बैठक में राज्य सरकार के प्रस्ताव पर मंजूरी मिली। यह स्वीकृति भारत सरकार की पीपीपी मोड में मेडिकल कालेज स्थापना योजना के तहत दी गई, जिसका उद्देश्य देशभर में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है।

वित्तीय मामलों के विभाग की हुई बैठक में झारखंड सरकार की ओर से स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति के बाद केंद्र ने प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की। यह योजना केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा संचालित वाइबलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) की उप योजना-1 एवं उप योजना-2 के अंतर्गत कार्यान्वित की जाएगी। इसके तहत धनबाद में उप योजना-1 तथा अन्य जिलों में उप योजना-2 के तहत मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

खूंटी, जामताड़ा तथा गिरिडीह में मेडिकल कॉलेज के लिए उप योजना-2 के तहत भारत सरकार 40 प्रतिशत पूंजीगत व्यय सहायता तथा 25 प्रतिशत परिचालन व्यय सहायता प्रदान करेगी, जबकि राज्य सरकार 25 से 40 प्रतिशत तक पूंजीगत व्यय तथा 15 से 25 प्रतिशत तक परिचालन व्यय के रूप में योगदान देगी।

धनबाद में मेडिकल कॉलेज के लिए उप योजना-1 के तहत पूंजी व्यय सहायता के तहत 30 प्रतिशत तथा राज्य सरकार भी इतनी ही राशि का वहन करेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस साझेदारी से न केवल चिकित्सा शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। विभाग के अपर मुख्य सचिव चार नए मेडिकल कालेज खुलने से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही चिकित्सा शिक्षा की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

इन चारों जिलों में मेडिकल कालेज की स्थापना से एमबीबीएस में 350 सीटों की वृद्धि हो जाएगी। खूंटी में 50 तथा अन्य जिलों में 100-100 सीटों पर पर नामांकन हो सकेगा।

उपायुक्त ने किया ब्लड बैंक का निरीक्षण, कहा : खराब मशीनें तत्काल बदलें

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को एसएनएमएमसीएच के ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां लगी सभी मशीनों की जांच की। इस दौरान कई मशीनें खराब मिलीं। उन्होंने तत्काल ऐसी मशीनों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। वहीं जिन मशीनों की मरम्मत नहीं हो सकती, उन्हें तत्काल बदलकर नया लगाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को खराब मशीनों की सूची 24 घंटे के अंदर देने का निर्देश दिया है, जिसके अनुसार जिला प्रशासन के सहयोग से मशीनों की खरीदारी होगी।

मीडिया से बात करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि यह निरीक्षण राज्य स्तर पर चल रही निगरानी (मॉनिटरिंग) की एक कड़ी है। मेडिकल कॉलेज के ब्लड स्टोरेज मशीनें उत्कृष्ट गुणवत्ता की हैं, हालांकि वर्षों से लगातार उपयोग में होने के कारण कुछ में छोटी-मोटी तकनीकी खराबी आ गयी हैं। मौके पर एसडीओ राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक सह प्रभारी प्राचार्य डॉ डीके गिंदौरिया, ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ बीके पांडेय, वरीय अस्पताल प्रबंधक डॉ चंद्रशेखर सुमन, गायनी विभाग की एचओडी डॉ राजलक्ष्मी तुबीद, रेडक्रॉस के कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेंद्र सिंह आदि थे।

उपायुक्त ने ब्लड स्टोरेज व रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया में सुरक्षा व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये। कहा कि जिले में सभी ब्लड यूनिटों का व्यापक आकलन कर कमियों को ठीक किया जायेगा। वहीं निर्देश दिया कि रक्तदान से पहले काउंसलिंग से लेकर सैंपलों की जांच प्रक्रिया तक, हर चरण में सावधानी बरतें। उन्होंने ब्लड बैंक में काउंसेलर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। रक्त को स्टोरेज के लिए रखने से पहले उसमें संक्रामक बीमारी की जांच अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि धनबाद में जल्द ही उपकरणों व सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड डोनेशन वैन की व्यवस्था की जायेगी। इसके अंदर ही रक्तदान करने की पूरी सुविधा होगी। कहा कि ब्लड डोनेशन कैंपों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग द्वारा करना अति आवश्यक है। उन्होंने निजी अस्पतालों को भी नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप लगाने के निर्देश दिया गया।

सदर अस्पताल चाईबासा में बच्चों को संक्रमित रक्त चढ़ाने के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी जिलों के ब्लड बैंक का ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। इसे लेकर बुधवार को राज्यस्तरीय टीम एसएनएमएमसीएच पहुंचकर ब्लड बैंक का निरीक्षण करेगी। इसके बाद टीम में शामिल अधिकारी उपायुक्त के साथ बैठक करेंगे। इसमें जिला स्वास्थ्य विभाग व एसएनएमएमसीएच के अधिकारी भी शामिल होंगे।

कोडरमा में चेन स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस की गिरफ्त में आई ओडिया बोलने वाली आठ महिलाएं

कोडरमा, एजेंसी। छठ पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने चेन स्नैचिंग गिरोह को पकड़ा है। गिरोह में 8 महिलाएं हैं, जो ओडिया भाषा बोलती हैं। इससे पहले टोटो से भाग रही गिरोह की सभी महिलाओं को रांची- पटना मुख्य मार्ग से पकड़ा गया हैं, ये चेन स्नैचिंग गिरोह कोडरमा के महतो अहरा स्थित छठव्रती महिलाओं के गले से सोने की चेन छीनकर भाग रही थीं।

फिलहाल, गिरोह की सभी महिलाओं और टोटो चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया हैं, जहां पुलिस इन महिलाओं से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब चेन स्नैचिंग की घटना घटी तो कौतूहल मच गया। जिसके बाद स्नैचर की पहचान होने लगी। इसी दौरान कुछ महिलाएं घटनास्थल से टोटो से भागने लगी, जिसके बाद पीछा कर महिलाओं को पकड़ा गया।

स्थानीय गुड्डू सिंह ने बताया कि पकड़ी गई सभी महिलाएं ओडिया बोलती हैं और स्थानीय नहीं हैं। इन महिलाओं के ग्रुप से सोने की चेन कटिंग करने वाला कटर और छठ घाटों से महिला की चुराई गई चेन को बरामद किया गया है। फिलहाल हिरासत में ली गई महिलाओं से पुलिस यह जानने में जुटी है कि इससे पहले हुई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में इनकी क्या संलिप्ता रही हैं?बता दें कि इससे पहले कोडरमा के भीड़भाड़ वाले इलाके झुमरी तिलैया के झंडा चौक पर इंदरवा बस्ती निवासी बिंदु देवी के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हुई थी, जब वह छठ की खरीदारी के लिए भीड़ वाली जगह पर थी, उनके गले की सोने की चेन पर पकड़े गए गिरोह की महिलाओं ने हाथ साफ किया था।

बुरी तरह फंस गए हजारीबाग के बीजेपी विधायक, प्रतिबंधित वन भूमि की जमीन लेने का आरोप

रांची, एजेंसी। हजारीबाग के बहुचर्चित वन भूमि घोटाले में वहां के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद को भी एसीबी ने अभियुक्त बनाया है। विधायक पर आरोप है कि उन्होंने प्रतिबंधित वन भूमि खरीदी थी। वन भूमि से संबंधित कुछ जमीन का पावर भी उन्होंने गलत तरीके से ले रखा था। इस मामले में पहले से नेक्सजेन आटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह व उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के अलावा हजारीबाग के तत्कालीन उपायुक्त विनय कुमार चौबे आरोपित हैं।

निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे व उनके करीबी नेक्सजेन के संचालक विनय सिंह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। अब भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद के विरुद्ध भी एसीबी कार्रवाई की

तैयारी में है। विधायक पर आरोप है कि वे कारोबारी विनय सिंह के रजिस्ट्री में गवाह भी बने थे। एसीबी ने बाद में हजारीबाग के तत्कालीन अंचलाधिकारी शैलेश कुमार व जमीन दलाल विजय सिंह को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था।

एसीबी ने विधायक के माध्यम से खरीदी गई जमीन का ब्यौरा भी खंगाला है। अभी जांच जारी है। बताया जा रहा है कि पूर्व में वे जमीन रहे हैं। एसीबी उन सभी जमीन का ब्यौरा खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में एसीबी को वन भूमि की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में उनके विरुद्ध साक्ष्य मिले हैं।

हजारीबाग के तत्कालीन अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग कर जमीन घोटाला किया है। एसीबी ने एसीबी थाना हजारीबाग में दर्ज कांड संख्या 11/2025 में निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे, नेक्सजेन आटोमोबाइल के मालिक विनय सिंह व उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह सहित अन्य को आरोपित बनाया है।

विनय सिंह ने वर्ष 2010 में वन भूमि की रजिस्ट्री करवा ली थी। इसमें हजारीबाग के सदर अंचल के बभनवे मौजा में खाता नंबर 95 के तीन प्लाट पर 28 डिसमिल व खाता नंबर 73 के एक प्लाट पर 72 डिसमिल वन भूमि की जमीन की रजिस्ट्री हुई थी।

पहले मिली शिकायत के बाद एसीबी ने प्रारंभिक जांच (पीई) की थी। पीई में ही यह स्पष्ट हो गया था कि हजारीबाग में बड़ा वन भूमि घोटाला हुआ है। इसके बाद एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मंत्रिमंडल निगरानी एवं सचिवालय विभाग से अनुमति ली और फिर नियमित केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू की है।

एसीबी द्वारा वन भूमि खरीदने संबंधी आरोपों पर हजारीबाग के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा है कि सच्चाई कभी छिपती नहीं है। एसीबी पूरे मामले की जांच कर ले।

रोटी के लिए निकला था नवाब, परिजनों को मिली जनाजा उठने की खबर, पलामू में दुकानदार की चाकू से हत्या

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ब्लॉक के समीप वेल्डिंग वर्कशॉप चलाने वाले एक दुकानदार की अज्ञात अपराधियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस दर्दनाक वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान 42 वर्षीय जसमुद्दीन अंसारी उर्फ नवाब, पिता वहाब अंसारी, निवासी सतगावां गांव के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, सोमवार की शाम कुछ अज्ञात लोगों ने फोन कर ब्लॉक के पीछे स्थित कर्बला के पास गेट-ग्रिल का काम देने के बहाने जसमुद्दीन को बुलाया था। जैसे ही वे मौके पर पहुंचे, पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए औरंगाबाद रेफर कर दिया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जसमुद्दीन अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत की खबर जैसे ही घर पहुंची, पत्नी कस्तूरी खातून, बेटा अदन और बेटी आयुषी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में मातम पसरा है, वहीं ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। यही कारण है कि वारदात के बाद आक्रोशित लोगों ने थाना के समीप सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने हत्या की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक सह बसपा प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने ग्रामीणों से शांत रहने की अपील की। प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई और अपराधियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम समाप्त कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी थाना प्रभारी संतोष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। अपराधियों की पहचान के लिए विशेष टीम गठित की गई है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

कुछ तो शर्म करो! पूर्व सीएम ने हेमंत सरकार को घेरा, कहा- 2 लाख मुआवजा इंसानियत का मजाक

सरायकेला, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन चाईबासा के सदर अस्पताल में बच्ची को एचआईवी पॉजिटिव बल्ड चढ़ाने के मामले में हेमंत सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने सरकार पर इस केस की लीपा पोती करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि चाईबासा में हुई दुखद घटना ने झकझोर कर रख दिया।

जब भी हम लोग किसी डॉक्टर के पास या अस्पताल जाते हैं, तो स्वस्थ होने के साथ साथ जिंदगी के रक्षा की उम्मीद लगाते हैं। लेकिन चाईबासा की इस घटना ने भरोसे और विश्वास को तोड़ कर रख दिया। यह लापरवाही नहीं, बल्कि अपराध है, जिसके दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करवाया जाना चाहिए। उन्होंने अफसोस जातते हुए आगे लिखा कि राज्य सरकार कुछ लोगों को निलंबित कर के पूरे मामले की लीपापोती करने का प्रयास कर रही है।

चंपाई सोरेन ने आगे लिखा कि राज्य सरकार ने इन मासूम बच्चों की जिंदगी की कीमत 2-2 लाख रुपये लगाकर अपनी असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। यह न्याय की मूल अवधारणा का मजाक है। सरकार को एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा किए गए इस अपराध की जिम्मेदारी लेकर हर परिवार को कम से कम 1-1 करोड़ रुपए

मुआवजा देना चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवार की मर्जी के अस्पतालों में आजीवन मुफ्त इलाज की सुविधा देनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आगे कहा कि इतने गंभीर मामले में भी जिस प्रकार हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से पहले मामले को दबाने की पुरजोर कोशिश हुई, उसके बाद स्वास्थ्य मंत्री को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन विडंबना ये है कि सीएम और स्वास्थ्य मंत्री पीड़ितों को मुआवजा देकर सोशल मीडिया पर ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे वे उन पर कोई ऐहसान कर रहे हों। उन्होंने अंत में लिखा कि अरे, कुछ तो शर्म करो !

सीजीएल पेपर लीक मामले में वित्त विभाग का एसओ संतोष कुमार मस्ताना गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल पेपर लीक मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग ने वित्त विभाग के सेक्शन अफिसर (एसओ) संतोष कुमार मस्ताना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीआईडी ने उसके पास से मोबाइल व अन्य कागजात की जब्ती की है।

अब सीआईडी मस्ताना के मोबाइल की जांच कराएगी और उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। सेक्शन अधिकारी संतोष कुमार मस्ताना ने जानकारी दी है कि उसके पास भी किसी ने प्रश्न पत्र लीक होने की सूचना भेजी थी। सीआईडी को अब तक की जांच में पता चला है कि राज्य में सीजीएल पेपर लीक हुआ ही नहीं था। अफवाह फैलाकर पूरे मामले को तूल दिया गया है। हालांकि, अभी जांच पूरी नहीं हो सकी है, इसलिए इस बिंदु पर अधिकारी अधिकृत बयान देने से परहेज कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीजीएल का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ था, बल्कि पेपर लीक के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी की गई थी। हालांकि, सीआईडी की इस जांच से अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं हैं और वे इस मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग कर रहे हैं। सीजीएल प्रश्न पत्र लीक मामले में हाई कोर्ट में 29 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। यह सुनवाई परीक्षा के अंतिम परिणाम के प्रकाशन पर रोक हटाने वाली याचिका पर होनी है। सीजीएल परीक्षा 21 व 22 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी। तब आरोप लगा था कि परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गए थे। अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर भी रटवाए गए थे और उसके एवज में राशि की वसूली हुई थी।

गिरिडीह में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह चौधरी मुहल्ला में नवविवाहिता ने सुसाइड कर ली। उसका नाम सुलेखा कुमारी है। जानकारी के मुताबिक, सुलेखा की शादी पटना निवासी प्रल्हाद तिवारी से करीब एक माह पहले कोर्ट मैरिज के जरिए हुई थी। दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। परिजनों की रजामंदी से विवाह हुआ था। विवाह के बाद से सुलेखा अपनी मां मुन्नी देवी के साथ सिहोडीह स्थित मकान में रह रही थी।

फोन पर विवाद के बाद उठाया कदम: घटना के वक्त सुलेखा अपनी मां के साथ घर में सो रही थी। देर रात उसके पति प्रल्हाद तिवारी का फोन आया और दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ देर बाद सुलेखा ने अपनी मां से कहा कि दो मिनट में आती हूं और कमरे से बाहर चली गई। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटी, तो मां को चिंता हुई।

इसी बीच उसके पति ने घर में रह रहे एक किरायेदार को फोन कर बताया कि सुलेखा फांसी लगा रही है, जल्दी देखिए। जब दरवाजा अंदर से बंद मिला, तो दुछत्ती के रास्ते कमरे में प्रवेश किया गया। अंदर का दृश्य देखकर

सबके होश उड़ गए। सुलेखा फंदे से झूल रही थी। परिजन और पड़ोसी तुरंत उसे गिरिडीह सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

निजी अस्पताल में नर्स थी सुलेखा : परिजनों ने बताया कि सुलेखा के पिता का निधन लगभग दस वर्ष पूर्व हो चुका था। पिता की मौत के बाद घर की आर्थिक जिम्मेदारी उसने खुद संभाली थी। वह गिरिडीह के एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी। मेहनती और जिम्मेदार स्वभाव की सुलेखा अपने परिवार की रीढ़ मानी जाती थी। परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से वह खुश दिखती थी, लेकिन बीती रात पति से हुए विवाद के बाद उसने यह चरम कदम उठा लिया।

मां और भाई का रो-रोकर बुरा हाल : घटना के बाद पूरे मुहल्ले में मातम का माहौल है। मां मुन्नी देवी और छोटे भाई का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसी भी परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। उधर, सूचना मिलने पर मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है और पति प्रह्लाद तिवारी से पूछताछ की जा रही है।

चुनाव नजदीक, जनसंपर्क हुआ तेज- हर दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं प्रत्याशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। सदर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें नजदीक आ रही हैं, सभी दल और निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है।

शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, हर गली-मोहल्ले में उम्मीदवारों की भाग-दौड़ साफ देखी जा सकती है।?प्रत्याशी और उनके समर्थक दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। डोर-टू-डोर घूमकर वे सीधे मतदाताओं से मिल रहे हैं, अपने पक्ष में वोट देने की अपील कर रहे हैं और पिछले पाँच वर्षों में किए गए कार्य व आगे किए जाने वाले कार्यों का ब्योरा दे रहे हैं। जबकि प्रतिद्वंदी अपने एजेंडे तथा वर्तमान की पॉच वर्ष के कार्यकाल का हवाला देकर मतदाताओ को रिझाने का प्रयास किया जा रहा है। शहरी मतदाताओं और ग्रामीण मतदाताओं दोनों पर फोकस किया जा रहा है। सुबह की

शुरूआत से देर रात तक, उम्मीदवारों के काफिले लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं। ?कटिहार सदर सीट पर मुख्य मुकाबला एनडीए समर्थित उम्मीदवार तारकिशोर प्रसाद और महागठबंधन सर्मथित प्रत्याशी सौरभ अग्रवाल मे देखने को मिल रहा है। जबकि महागठबंधन से टिकट नहीं मिलने पर बागी तेवर अपनाते हुए डॉ रामप्रकाश महतो की एंट्री से चुनावी समीकरण जटिल हो चुका है। ऐसे में हर एक वोट निर्णायक साबित हो सकता है। ?विधानसभा का चुनावी माहौल केवल रैलियों और सभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चौक-चौराहों और चाय की टपरियों पर भी जीवंत हो उठा है। यहाँ स्थानीय लोग खुलकर राजनीति पर चर्चा कर रहे हैं। किस प्रत्याशी की लहर है, कौन सा मुद्दा हावी रहेगा और कौन कितने मतों से आगे है इन सभी बातों पर गरमागरम बहसें हो रही हैं। सुबह-शाम चाय की टपरियों पर लगने वाली इन बैठकों में लोग अपने-अपने तर्क और आंकड़े पेश करते हैं। यहाँ चुनावी गणित लगातार सजती और बिगड़ती रहती है। एक उम्मीदवार की नई रणनीति या दूसरे का कोई बयान पल भर में लोगों की राय बदल देता है।वही जनसुराज और बागी उम्मीदवारों की मौजूदगी ने पारंपरिक समीकरणों में और गुत्थी जोड़ दी है।?सभी उम्मीदवार अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। अब देखना यह है कि मतदाताओं का मन किसके पक्ष में है और इस कड़ी मेहनत का फल किस प्रत्याशी को मिलता है।

लायंस फोर्स के द्वारा छठ व्रतियों बीच फल वितरण किया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज गिरिडीह के आरगाघाट पर "गिरिडीह लायंस फोर्स" के द्वारा छठ व्रतियों बीच फल वितरण किया गया, जिसमें सभी छठ व्रतियों को केला, सेव देकर उन सभी छठ व्रतियों का आशीर्वाद लिए, गिरिडीह लायंस फोर्स के अध्यक्ष ने बताए कि हमारे समिति के द्वारा फल वितरण करके हम सभी लोग आनंदित महसूस कर रहे, और सभी को अच्छा लग रहा है, इस फल वितरण के मौके पर जीतू यादव, कुणाल यादव, चिंटू स्वर्णकार, कुणाल रवि, पीकू यादव, सनी सिंह, अमरेश वर्मा, राहुल कुशवाहा, रांधिक पांडेय, अमित रंजन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चेक क्लीयरेंस में 10 दिन की देरी से व्यावसायियों में नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ व्यापारी वर्ग ने निर्मला सीतारमण से हस्तक्षेप की मांग की

कटिहार नगर। भारतीय रिजर्व बैंक के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिले के विभिन्न बैंक शाखाओं में चेक क्लीयरेंस न होने के कारण स्थानीय व्यवसायी वर्ग को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में क्लोथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के सचिव दिलीप बंसल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।?पत्र में दिलीप बंसल ने लिखा है कि आरबीआई ने बैंकों को चेक जमा करने के दिन ग्राहकों के खाते में निर्धारित राशि क्रेडिट करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, लेकिन बैंक शाखाएं इन आदेशों का पालन नहीं कर रही हैं। जहां पहले चेक अधिकतम 48 घंटों के भीतर क्रेडिट हो जाता था। वहीं अब कई मामलों में यह अवधि 10 से 12 दिन तक पहुंच रही है।खासकर व्यापारी वर्ग को इस अनावश्यक देरी से गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिससे उनकी व्यावसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। पत्र में कहा गया है कि बैंक पदाधिकारियों से बात करने पर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिससे ग्राहकों की नाराजगी बढ़ती जा रही है।?एसोसिएशन ने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को दिए गए चेक संबंधी निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े आदेश जारी करने का कष्ट करें। वही पत्र की एक प्रतिलिपि कार्रवाई के लिए गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली को भी भेजी गई है।

अर्घ्य के समय कुछ चोरों ने तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन उड़ा ली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। छठ महापर्व के दौरान मंगलवार को गिरिडीह के अरगाघाट छठ नदी पर अर्घ्य के समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इसी भीड़ का फायदा उठाते हुए कुछ चोरों ने तीन महिलाओं के गले से सोने की चैन उड़ा ली।

तीसरी महिला से चैन छीनने के दौरान एक महिला चेन स्नैचर को श्रद्धालुओं ने मौके पर पकड़ लिया और उसे नगर थाना पुलिस के हवाले कर दिया घटना के बाद तीनों पीड़ित महिलाओं ने नगर थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई और अपनी चोरी हुई चैन वापस

दिलाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पकड़ी गई महिला से पूछताछ कर उसके साथियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति पर भाजपा नेता ने जताया पीएम का आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाजपा गिरिडीह के कोषाध्यक्ष मुकेश जालान ने गिरिडीह में नया मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा और कोडरमा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि यह मेडिकल कॉलेज गिरिडीह के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है, जिससे भविष्य में जिले के मरीजों को इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस निर्णय से डॉक्टरों की कमी पूरी होगी और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। यह कदम प्रधानमंत्री मोदी के ह्रसर्वजन स्वास्थ्य, सबका विकासह्व के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

भारतीय कृषि सेक्टर को शक्ति प्रदान कर रहा बोकारो स्टील प्लांट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। भारत के कृषि और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई, बोकारो स्टील प्लांट ने एक विशेष ग्रेड मैंगनीज-बोरॉन स्टील विकसित कर एक बड़ी सफलता हासिल की है जो सेल में अपनी तरह का पहला नवाचार - विशेष रूप से कृषि मशीनरी के अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है।

बोकारो स्टील प्लांट (BSL) लंबे समय से रेल, रक्षा, जहाज निर्माण और वाइट गुड्स सेक्टर के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्टील का उत्पादन करने के लिए जाना जाता रहा है. इस श्रृंखला में बीएसएल ने अब घरेलु कृषि क्षेत्र को सशक्त एवं

आत्मनिर्भर बनाने की और अपनी कदम बढ़ाई है। बीएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि "यह नवप्रवर्तन सिर्फ स्टील उत्पादन के बारे में नहीं है - यह ग्रामीण भारत की रीढ़ को मजबूत करने के बारे में है।" "हमारा नया एमएन-बी स्टील कृषि उपकरणों को मजबूत, अधिक टिकाऊ और मेक इन इंडिया का एक सफल उदाहरण है।

नव विकसित ग्रेड स्टील उच्च शक्ति, कठोरता और प्रतिरोध का एक शक्तिशाली संयोजन प्रदान करता है, जो कृषि कार्यों में उच्चतम मानकों का प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। मध्यम कार्बन, मैंगनीज, बोरान और क्रोमियम के अपने अद्वितीय धातुकर्म संतुलन के साथ, यह प्लॉशर, कल्टीवेटर ब्लेड, डिस्क हैरो, फावड़े और खुदाई करने वाले पंजे जैसे उपकरण जो निरंतर तनाव और प्रतिरोध प्रभाव का सामना करते हैं उनके उत्पादन के लिए आदर्श स्टील है। बीएसएल अभी तक नव विकसित ग्रेड स्टील का 60,000 टन से अधिक की आपूर्ति कर चुका है, जिसका उत्पादन प्रति वर्ष 80,000 टन तक पहुंचने का अनुमान है. नवाचार ने कृषि और पृथ्वी-चालित उपकरण निर्माण में नए बाजार के अवसर खोले हैं, आयातित सामग्रियों पर निर्भरता कम की है और बेहतर, घरेलू समाधानों के साथ भारतीय किसानों को सशक्त बनाया है।यह विकास बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो में एक नया आयाम जोड़ता है, जो युद्धपोत-ग्रेड स्टील (डीएमआर-249ए) , सौर अनुप्रयोगों के स्टील से लेकर खाद्यान्न साइलो तक के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय क्षेत्रों में सेवा प्रदान करता है.

ऐसे प्रत्येक नवाचार के साथ, बोकारो स्टील प्लांट प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और राष्ट्र-निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से भारत की औद्योगिक और कृषि आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाते हुए, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मूर्त रूप दे रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2025 के अन्तर्गत ली गई शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कांफ्रेंस हॉल में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अन्तर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 29 अक्टूबर को अधिशासी निदेशक (संकार्य) के कांफ्रेंस हॉल में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन के साथ मुख्य महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरीय अधिशासी तथा मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा उपस्थित थे।

मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी तथा प्रसंस्करण की विसंगतियों, प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, तकनीकी मूल्यांकन, निष्पादन, तथा रिश्वत विरोधी प्रबंधन प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

अर्घ्य के दौरान तालाब के गहरे पानी में डूबने से एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। धीरोसिंगा गांव में संध्या अर्ध के दौरान तालाब में डूबने से एक की मौत हीरोडीह थाना क्षेत्र के धीरोसिंगा गांव में संध्या अर्ध देने के दौरान तालाब के गहरे पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई बताया जा रहा है कि धीरोसिंगा निवासी 48 वर्षीय दिलीप राय छठ महापर्व को लेकर गांव के तारा पोखर में संध्या अर्ध देने के लिए स्नान के लिए उतरे और अर्घ्य अर्पित करना था इसी बीच डूबकर मौत हुई डूबते वक्त तालाब समीप किसी का नजर नहीं गई मृतक घर के स्वजन भी छठ व्रत के डाला लेकर तालाब पहुंचे थे। उस तालाब में गांव के कई लोगों का अर्घ्य अर्पित होता है सभी लोगों के डाला घर पहुंची जब दिलीप अपने घर सात बजे शाम तक नहीं पहुंचे तो घर वालों ने खोजबीन किए नहीं मिलने पर स्वजन अर्घ्य घाट पहुंचे तो देखा कि तालाब के मेड पर मृतक का कपड़ा रखा हुआ है तो उसे तालाब में डूबने की आशंका हुई इसी बीच पहुंचे हुए

स्थानीय लोगों ने जमुआ बीडीओ अमल कुमार तथा स्थानीय थाना प्रभारी महेश चंद्रा को सूचित किया सूचना मिलते ही अधिकारी पहुंचे और तालाब में डूबने के संदेह पर खोजबीन शुरू किए इसपर जन प्रतिनिधियों के कहने पर गांव के युवक गोपी वर्मा ,सुधीर वर्मा ने साहस का परिचय देते हुए टीव के सहारे तालाब में कूद गया और झगड़ से तालाब में डूबे मृतक का शव टटोल कर बाहर निकाल लिया मौत के बाद स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है वह घर का एक मात्र कमाऊ सदस्य था पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए इधर मौत के खबर पर पहुंचे पूर्व मुखिया प्रतिनिधि मुस्लिम अंसारी , मुखिया प्रतिनिधि अजीत वर्मा , पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव वर्मा , लातेहार डीटीओ उमेश मंडल शैलेश वर्मा आदि ने मृतक स्वजनों को सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग की है।

सलूजा गोल्ड द्वारा छठवर्तियों के बीच निःशुल्क फलों से भरा बैग वितरण किया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। हर साल की भांति इस साल भी सलूजा स्टील एंड पावर लिमिटेड की इकाई सलूजा गोल्ड द्वारा गिरिडीह शहर के मेट्रोस गली स्थित छठ घाट पर तमाम छठवर्तियों के बीच सोमवार को संध्या बेला अर्घ्य के पूर्व निशुल्क फलों से भरा बैग वितरण किया गया। इस मौके पर सलूजा गोल्ड की तरफ से छठ घाट पर स्नान उपरांत वस्त्र बदलने के लिए टेंपरेरी चेंजिंग रूम का भी निर्माण करवाया गया था ताकि छठवृत्तियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो ।गौर तलब है कि

सलूजा गोल्ड द्वारा हर वर्ष छठ पूजा के पावन मौके पर यह तमाम तरह की सेवाएं निशुल्क निशुल्क प्रदान की जाती रही है किसी कड़ी में इस बार भी कंपनी के जीएम शशि सिंहा तथा उनकी पत्नी रागिनी सिंहा तथा उनके दोनों पुत्र क्षितिज सिंह और कुणाल सिंह के द्वारा अन्य गणमान्य लोगों के सहयोग से फलों से भरा बैग वितरण किया गया ।इस मौके पर सलूजा गोल्ड के जीएम शशि सिंहा ने बताया कि इस बार भी फलों से भरा हुआ 200 बैग का वितरण किया जा रहा है।

एफजेसीसीआई के सदस्यों ने वित मंत्री से किया अनुरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पीएमओ इंडिया मीणी एमएसएमइ द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए कई योजनाओं की शुरूआत की गई है, जो सराहनीय है। परंतु अधिकांश सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी और व्यवसाय स्वामित्वधारी अथवा भागीदारी फर्म में अपना व्यवसाय करते हैं और फाइनमीन इंडिया द्वारा स्वामित्व धारी अथवा भागीदारी के व्यापार को प्रोत्साहन देने के बदले 30% आयकर लगाया गया है जो कि भारत में सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन से अनुरोध है कि इस पर संज्ञान लेकर सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ महापर्व छठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के अनुष्ठान के चौथे और अंतिम दिन मंगलवार सुबह को छठवृत्तियों द्वारा उदयीमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने और पारण के साथ ही विधिवत रूप से संपन्न हो गया। इसे लेकर महा छठ पूजा अनुष्ठान के चौथे और अंतिम दिन मंगलवार प्रातः अहले सुबह गिरिडीह शहर और आसपास के क्षेत्र के तमाम छठ घाटों पर छात्रवृत्तियों ने पहुंचकर स्नान कर विधिवत एवं परंपरागत रूप से पूजा अर्चना की तथा उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया ।इस मौके पर छठवृत्तियों के अलावा बड़ी संख्या में उनके रिश्तेदार, सगे संबंधियों सहित तमाम श्रद्धालुओं ने भी छठ घाट पर पहुंचकर उदयीमान सूर्य को

अर्घ्य प्रदान किया। वंही इस मौके पर तमाम छठ घाटों को काफी आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा रंग-बिरंगे लाइटिंग लगाई गई थी जो की काफी दर्शनीय और आकर्षक का केंद्र बनी रही। वही इस मौके पर कई संस्थाओं द्वारा अर्घ्य देने के लिए निशुल्क दूध की सेवा भी की गई थी ।वही एक बार फिर यह महापर्व तमाम लोगों को आपसी भाईचारे ,स्वच्छता ,साफ सफाई, सादगी का संदेश देकर संपन्न हुआ। जबकि इस पूरे विशाल पूजा अनुष्ठान को सफल बनाने में गिरिडीह जिला प्रशासन ,पुलिस प्रशासन,तमाम छठ समिति के पदाधिकारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

छठ घाट बेहतर सजाने पर किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। औद्योगिक प्रांगण क्षेत्र विजय बाबू के पोखर पर लोक आस्था का महान छठ पर्व के समापन समारोह पर बेहतर घाटों के सजावट के लिए प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी विजय स्पोर्टिंग क्लब के उपाध्यक्ष निगम पार्षद असद इकबाल के तरफ से बेहतर घाटों के सजावट के लिए नगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह के हाथों शील्ड दिया गया। घाट नंबर 137, 38 ,39 के संतोष कुमार उर्फ एसके को प्रथम पुरस्कार, घाट नंबर 51 ए के बीके सिंह को द्वितीय पुरस्कार एवं घाट मलिक 70 ऐ 70 भी के अजय कुमार गुप्ता एवं राहुल कुमार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विजय बाबू के पोखर पर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए क्लब के उपाध्यक्ष रमाकांत कुशवाहा के तरफ से छठवर्तियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन नगर, थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह को, कनीय अभियंता राजकुमार को बिजली विभाग एवं नगर निगम के सहायक अभियंता को बेहतर व्यवस्था के लिए शील्ड से सम्मानित किया गया। नगर थाना अध्यक्ष सुमन

कुमार सिंह ने बताया कि शहर के विजय बाबू के पोखर पर लोक आस्था का महापर्व छठ बहुत ही खूबसूरत और आकर्षक होता है। क्लब के एक-एक सदस्य दिन-रात मेहनत करके छठवर्तियों एवं श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई नहीं होने देते हैं। निशुल्क सारी सुविधा उपलब्ध कराते हैं बेहतर घाटों के सजावट के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी बधाई के पात्र हैं और क्लब के अध्यक्ष विकास सिंह सहित पूरे टीम को हम हृदय से धन्यवाद देते हैं ,इसी तरह छठवर्तियों और श्रद्धालुओं के लिए हर वर्ष बेहतर से बेहतर सुविधा प्रदान करते रहे क्लब के अध्यक्ष विकास सिंह ने बेहतर घाटों के सजावट के लिए एवं बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अजना मेरेज भवन के प्रोपराइटर असद इकबाल को एवं क्लब के उपाध्यक्ष रमाकांत कुशवाहा को हृदय से धन्यवाद दिया।

अभाविप ने छठ महापर्व के शुभ अवसर पर निःशुल्क दूध वितरण किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह के द्वारा छठ महापर्व के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भाती इस वर्ष भी निम्न छठ घाटों पर निशुल्क दूध वितरण किया गया झरियागादी छठ घाट

पंडित दीनदयाल उपाध्याय छठ घाट शिव शक्ति / चिड़िया छठ घाट अरगाघाट छठ घाट मेट्रोस गली छठ घाट प्रोफेसर कॉलोनी छठ घाट शास्त्री नगर छठ घाट पाचंबा बुढ़वा तालाब छठ घाट बजरंग छठ घाट डांडीडीह पूरना नगर छठ घाट अभाविप गिरिडीह जिला संयोजक मंटू मुर्मू ने कहा कि अभाविप प्रत्येक वर्ष निशुल्क दूध वितरण करते आयी है और भविष्य में भी परिषद ऐसा ही सामाजिक ,धार्मिक पर्व त्यौहार में बाढ़ चाढ कर कार्य करते रहेगी । निशुल्क दूध वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश शोध संयोजक कृष्ण त्रिवेदी का अहम योगदान रहा है साथ ही गिरिडीह नगर सह मंत्री अनीश राय सभी 10 छठ घाटों में कार्यकताओं के बीच में संबंध स्थापित करने का कार्य किया जिसके फल स्वरूप इतना अच्छा सेवा कार्य सफल हुआ निःशुल्क दूध वितरण को सफल बनाने में आकाश श्रीवास्तव , नगर सह मंत्री शुभम

तांती, रोहित बर्नवाल ,राहुल पासवान, रोशन चंद्रवंशी , सुजीत देव, बिट्टू मोदी, करण यादव, दीपा सेठ , डिंपी सेठ , अर्पिता कुमारी , बबिता कुमारी , साहुल कुमार , प्रभात कुमार , अंकित पांडे, मुन्ना पंडित , ऋषभ ओझा , प्रसिद्ध कुमार , दिव्यांश कुमार , शीतल यादव, अविनाश कुमार, प्रदुमन यादव , रंजन विश्वकर्मा , विशाल कुमार आदि कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

भाजपा का कोल्हान बंदः चाईबासा की सड़कों पर सन्नाटा, जनजीवन ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाइबासा/जमशेदपुर/सरायकेला। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुलाए गए कोल्हान बंद का पश्चिमी सिंहभूम जिले में व्यापक असर देखा गया। सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय सामाजिक संगठनों के सदस्य सड़कों पर उतर आए और बाजार, प्रतिष्ठान तथा परिवहन सेवाओं को बंद कराने की अपील करते रहे। बंद का प्रभाव इतना गहरा था कि चाईबासा शहर का अधिकांश बाजार पूरी तरह बंद रहा, जबकि टाटा–रांची, किरीबुरू तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बसों का परिचालन पूरी तरह ठप पड़ गया। आमजन की आवाजाही सीधे तौर पर प्रभावित हुई।

सड़कों पर टायर जलाकर विरोध, बाजार रहे बंद : चक्रधरपुर, जगन्नाथपुर, सोनुआ समेत कई इलाकों में बंद समर्थकों ने सड़कों के बीचोंबीच टायर जलाकर प्रदर्शन किया। अधिकांश दुकानें बंद रहीं और वाहनों का परिचालन दिनभर बाधित रहा।

आदिवासी युवकों पर लाठीचार्ज के विरोध में उठा कोल्हान

यह बंद सोमवार रात हुई उस घटना के विरोध में बुलाया गया, जब मंत्री दीपक बिरुआ के आवास का घेराव करने पहुंचे आदिवासी युवकों पर देर रात पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था। इससे भगदड़ मच गई थी। घटना के बाद 17 युवक लापता हो गए जबकि चार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इन्हीं युवकों की सकुशल बरामदगी और गिरफ्तार युवकों की रिहाई की मांग को लेकर भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ मिलकर बंद का आह्वान किया था।

बीजेपी का सरकार पर आरोप— **'आदिवासी युवाओं की आवाज दबाई जा रही'**

मंगलवार को ही भाजपा नेताओं ने चाईबासा पोस्ट ऑफिस चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा और पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर सरकार पर आदिवासी युवाओं की आवाज दबाने और पुलिसिया दमन का आरोप लगाया।

पूरे कोल्हान में असर, स्कूलों में उपस्थिति कम—सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

बंद के चलते चाईबासा सहित पूरे कोल्हान में जनजीवन प्रभावित रहा। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों की उपस्थिति बेहद कम रही, जबकि यात्री वाहन नहीं चलने से लोगों को आवागमन में दिक्कत आई। पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई है।

खरसावां में भी दिखा बंद का प्रभाव सरायकेला जिले के खरसावां में भी बंद का असर स्पष्ट दिखा। भाजपा नेत्री मीरा मुंडा समर्थकों के साथ सड़क पर उतरीं और टायर जलाकर बाजार बंद कराने में हिस्सा लिया। खरसावां से होकर गुजरने वाली बस सेवाएं पूरी तरह बाधित रहीं। हालांकि, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी रही।

चाईबासा बाईपास पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक की मांग

बंद समर्थकों ने एनएच-220 और चाईबासा बाईपास पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए जिले भर

जल्द होंगे नगर निकाय चुनाव, सरकार तैयार, राजनीतिक दलों ने भी कसी कमर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव की घोषणा जल्द होने वाली है। झारखंड हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद हेमंत सरकार ने सकारात्मक पहल करते हुए चुनाव को शीघ्र कराने का निर्णय लिया है। संभावना है कि 10 नवंबर की अगली सुनवाई से पहले ही सरकार कैबिनेट की मंजूरी लेकर राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव कराने की अनुमति दे देगी।

आरक्षण निर्धारण अंतिम चरण में

पिछली कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार इन दिनों जिला स्तर पर शहरी निकायों के वार्डों और पदों का आरक्षण निर्धारण अंतिम रूप में है। जिले से प्रस्ताव मिलते ही इसे राज्य निर्वाचन आयोग भेजा जाएगा। राज्य के 48 शहरी निकायों में इस बार ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर पहली बार बीसी-1 और बीसी-2 श्रेणी के लिए भी सीटें निर्धारित की जा रही हैं। पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के अनुसार शहरी निकाय क्षेत्रों में कुल आरक्षण सीमा 50% होगी, जिसमें एससी, एसटी, बीसी-1 और बीसी-2 शामिल रहेंगे। मेयर और वार्ड पार्षद जैसी सीटों का आरक्षण

चक्रीय प्रणाली के तहत तय होगा। करीब तीन वर्षों से निकाय चुनाव न होने के चलते शहरी निकायों का प्रशासनिक कामकाज फिलहाल अधिकारियों के हाथ में है।

चुनाव की सुगबुगाहट के बीच राजनीतिक दलों ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। भाजपा के दीनदयाल वर्णवाल ने कहा कि पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि हाईकोर्ट की फटकार के बाद मजबूरी में चुनाव कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक निकाय प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति से शहरों की सफाई, स्ट्रीट लाइट और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रभावित हुईं, और जनता असहाय रही।

उधर, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने सरकार के रुख को सकारात्मक बताते हुए जल्द चुनाव होने का विश्वास जताया। प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति और ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट की स्वीकृति के बाद निकाय चुनाव का रास्ता पूरी तरह साफ है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने भी अपनी चुनावी तैयारी पूरी कर ली है।

न्यायालय और जनता का दबाव बढ़ा

शहर की सरकार न बनने से न केवल शहरी विकास कार्य प्रभावित हुए हैं, बल्कि केंद्रीय फंड जारी होने में भी बाधा आ रही है। दूसरी ओर, न्यायालय से लेकर आम नागरिकों तक लगातार चुनाव कराने की मांग उठ रही है। नगर विकास विभाग अब सभी बाधाओं को दूर करते हुए जल्द नगर निकाय चुनाव कराने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

जहानाबाद की तीनों विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की लेखा पंजी जांच हेतु रोस्टर जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर जिला में निर्वाचन व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग गठित है। बुधवार को व्यय प्रेक्षक, 216- जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र, 217-घोसी विधानसभा क्षेत्र तथा 218-मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र गार्गी उमराव के अध्यक्षता मे जहानाबाद जिला अंतर्गत तीनो विधानसभा क्षेत्र के विधानसभावार सभी निर्वाचन अभ्यार्थियों को निर्वाचन व्यय लेखा की जांच संबंधी कार्यक्रम में भाग लेंने हेतु रोस्टर जारी कर दी गई है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 77 (1) के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी को निर्वाचन व्यय पंजी का निर्वाचन प्रचार अवधि के दौरान कम से कम तीन बार जांच कराया जाना अनिवार्य है। इसी के आलोक में जहानाबाद जिला अंतर्गत 216- जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र, 217-घोसी विधानसभा क्षेत्र तथा 218-मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय लेखा की जांच हेतु, प्रथम जांच के लिए 29 अक्टूबर, 2025 को किया गया तथा द्वितीय जांच के लिए 04 नवम्बर, 2025 एवं तृतीय जांच के लिए 9 नवम्बर, 2025 की तिथि निर्धारित की गई है। इन तिथियां को प्रातः 10:00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक ग्राम प्लेक्स भवन, समहरणालय परिसर, जहानाबाद में जहानाबाद जिला अंतर्गत 216- जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र, 217-घोसी विधानसभा क्षेत्र तथा 218-मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अभ्यर्थी निर्वाचन व्यय पंजी की जांच कराएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के नेतृत्व मे निर्वाचन आयोग जारी दिशा निर्देश के अनुसार, अभ्यर्थी स्वयं या प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से स्वयं से संबंधित दैनिक निर्वाचन व्यय लेखा पंजी, सभी साक्ष्यों /अभिश्रव तथा बैंक पासबुक विवरण के साथ निर्वाचन व्यय लेखा की जांच हेतु निर्धारित स्थल पर उपस्थित रहेंगे।

देवघर में खतरा बने बिजली पोल ! ग्रामीण विद्युतीकरण योजना की गुणवत्ता पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। ग्रामीण विद्युतीकरण को मजबूती देने और प्रत्येक घर तक बिजली पहुंचाने के लिए राज्य सरकार और बिजली विभाग बड़े पैमाने पर कार्य कर रहे हैं। इस क्रम में गांव-गांव पोल लगाए जा रहे हैं, लेकिन सारवां प्रखंड के कई गांवों में इस कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न उभर आए हैं। ग्रामीणों ने पोल स्थापना में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पहाड़िया, टिकोरायडीह, घसकों और दोनदिया गांव के निवासियों का कहना है कि ठेकेदारों ने डीटीआर, एलटी और एचटी फॉर्मेट के पोल बिना कंक्रीट मिक्स के ही खड़ा कर दिए। इससे पोल की स्थिरता पर सवाल खड़े हो गए हैं और ग्रामीण भयभीत हैं कि ये किसी भी समय गिरकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नियमों के विपरीत किए गए ऐसे कार्यों से सरकारी योजनाओं का मूल उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है। लुमिनो कंपनी के अधिकारी देवाशीष देव ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जहां-जहां पोल लगाए गए हैं, वहां की जांच कराई जाएगी। यदि लापरवाही की पुष्टि होती है तो दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी तथा कार्य को मानकों के अनुरूप दुरुस्त किया जाएगा।

बिजली विभाग ने मांगी रिपोर्ट

देवघर बिजली विभाग के पदाधिकारी केके सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के आरोपों को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। सिंह ने स्पष्ट कहा कि यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो विभागीय कार्रवाई तय है।

सरकारी योजना पर असर का डर

गौरतलब है कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये खर्च कर विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। ऐसे में ठेकेदारों की लापरवाही न केवल योजना की प्रगति को बाधित करती है, बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा पर भी सीधा खतरा पैदा कर रही है।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जिला प्रशासन व बिजली विभाग ग्रामीणों की शिकायतों पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करते हैं और क्या इन 'खतरनाक बिजली पोलों' को समय पर सुरक्षित बनाकर लोगों को राहत दी जाएगी।

फल्गु नदी में जल स्तर में संभावित वृद्धि को देखते लोगों को किया गया सतर्क

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। 31 अक्टूबर 2025 तक फल्गु नदी के कैचमेंट एरिया चतरा एवं हजारीबाग क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई गई है। इसी के आलोक में जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क करते हुए कहा है कि फल्गु नदी में तेजी से जलस्तर में वृद्धि की सम्भावना के मद्देनजर उदेरास्थान बराज का गेट खोला जा सकता है, जिससे डाउन स्ट्रीम क्षेत्र में जल प्रवाह बहुत अधिक हो सकता है। इसके कारण फल्गु, भुतही तथा लोकाईन नदी के किनारे बसने वाले क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस दौरान प्रशासन की ओर से निर्देश जारी किया गया है कि फल्गु नदी के किनारे या निचले इलाकों में रहने वाले सभी नागरिक सावधानी बरतें। साथ ही नदी के समीप अनावश्यक आवाजाही से बचें तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।

पूर्व रेलवे

निविदा सं. : एमसी-116-0-ओबीएचएस-टीकेपीआर-25, दिनांक: 28.10.2025, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कोचिंग एवं टी/सेट), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करता है: **निविदा सं.: एमसी-116-0-ओबीएचएस-टीकेपीआर-25; कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे के टिकियापारा कोचिंग डिपो में मुख्य रूप से अनुरक्षित नॉमिनेटेड मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में 3 साल की अवधि के लिए पोत पर हाउसकीपिंग सेवाएँ। **निविदा मूल्य:** रु. 42,29,32,808.50 ; **बयाना राशि:** रु. 22,64,700.00; **निविदा दस्तावेज़ लागत:** रु.10,000.00; **अनुबंध की अवधि :** कार्य शुरू होने की तारीख से 36 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 17.11.2025, 2 बजे तक। **बोली-पूर्व बैठक की तारीख और समय:** 30.10.2025, 4 बजे; **बोली-पूर्व बैठक का स्थान :** वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कोचिंग एवं टी/सेट), पूर्व रेलवे, हावड़ा । ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट विवरण: **www.ireps.gov.in**

(HWH-360/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

Government of India announces enhanced Minimum Support Price (MSP) for Jute

Government of India gives MSP Support to the farmers through 110 Purchase Centres & 14 Regional Offices of The Jute Corporation of India Limited (JCI) in Six Jute Growing States

JCI The Jute Corporation of India Limited (JCI) is the Central Nodal Agency for MSP in Raw Jute

MSP RATE : 2025-26

Minimum Support Prices fixed for different varieties and grades of raw Jute Mesta & Bimli all over India for the 2025-2026 Crop Season are as follows:

ALL OVER INDIA

Variety	Grade ⇨	TD-1/W1	TD-2/ W2	TD-3/ W3	TD-4/ W4	TD-5/ W5	
Tossa/White	₹ / Qtl.	6350	6150	5650	5125	4875	
Variety	Grade ⇨	M1 / O.TOP	M2 / S.MID	M3 / MID	M4 / BOT	M5 / B.BOT	M6 / X.BOT
Mesta / Bimli	₹ / Qtl.	4135	3985	3860	3760	3660	3560

The Jute Corporation of India Limited (JCI) supports the Jute Farmers since inception in 1971

- Enhancement of MSP by 135% in 10 years MSP - ₹ 2400/ Per Quintal in CY 2014-15 has been increased to ₹ 5650/ Per Quintal in CY 2025-26
- MSP Operation started in new States - Nagaland, Meghalaya, Jharkhand
- Disbursement of farmers' payments within 3 working days
- E-Supply Chain and E-Auction platforms based on Block Chain Technology are in planning of implementation to bring transparency, traceability, price discovery and inventory management on real time basis
- Digitalization of operations for faster procurement operations from small and marginal farmers
- JCI "as an Implementing Agency" has an ongoing Jute Agronomy Development Project I-CARE for 11 years
  - Distribution of subsidized (50%) High Yield Certified Seeds
  - Free Distribution of Modern Agronomic Tools to farmers
  - Free Distribution of Retting Accelerators
  - Free Demonstration and Awareness Programs
  - Benefiting 5.6 lakh farmers and covering 2.15 lakh hectare land from 2015

JCI has launched PAAT MITRO App providing:

- MSP rates & purchase centres information.
- Agronomic advisories.
- Weather updates.
- Quality parameters of jute.
- Payment status after procurement.

Government of India's MSP procurement comparison between last two decades (2005-2014 : 2015-2024)

2005-2014		2015-2024	
Quantity (in lakh Bales approx.)	Value (in Crore ₹)	Quantity (in lakh Bales approx.)	Value (in Crore ₹)
15	380	18	1345

JCI

দ্য জুট কর্পোরেশন অফ ইন্ডিয়া লিমিটেড
বস্ত্র মন্ত্রালয়ের অন্তর্গত ভারত সরকারের একটি সংস্থা
भारतीय पटसन निगम लिमिटेड
वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार की एक संस्था
The Jute Corporation of India Limited
A Government of India CPSE under Ministry of Textiles

Head Office: Patsan Bhavan, 3rd and 4th Floor, Block-CF, Action Area – 1 New Town, Kolkata – 700156, Phone: (033) 2252 1100 / 6720 / 6770 / 7107 / 7109 Fax : (033) 2252 1771. Email: jci@jcimail.in. www.jutecorp.in

West Bengal:
Regional Offices (RO): Kolkata RO, Krishnagar RO, Bethuadahari RO, Berhampore RO, Siliguri RO. Coochbehar RO, Malda RO
Purchase Centres (DPC) : Champadanga, Jirat, Kolaghat. Bangaon, Bagdah, Nahata, Charghat, Baduria, Benki, Basirhat, Pandua, Berachampa, Aranghata DPC, Bangaljhi DPC, Bara Andulia DPC, Chakdaha DPC, Gangnapur SC, Gazna DPC, Majdia DPC, Nagarukhra SC, Kalna DPC, Dainhat DPC, Katwa DPC, Sulantu DPC, Nabadwip DPC, Bethuadahari, Debagram, Kaliganj, Palashipara, Nazirpur, Karimpur, Rezinagar, Kalitala, Kazisaha, Trimohini, Amtala, Patikabari, Hariharpara, Cossimbazar, Jalangi, Shaktipur, Kaliganj, Kaladanga, Nazirpur, Lalbagh, Bhagirathpur, Dhuliyan, Jangipur, Domkal, Changrabandha, Bhotpatty, Talmahat, Dhupguri, Islampur, Panjipara, Mathabhanga, Dinhata, Bhetaguri, Kamakhyaguri, Tufanganj, Alipurduar, Bulbulchandi, Harirampur, Tulshihata, Samsi, Chandoil, Chanchal, Raiganj, Rampur Bolla

Assam:
RO: Guwahati RO, Gauripur RO, Nagaon RO
Purchase Centres (DPC): Guwagacha, Baharihat, Uparhali, Lakhipur(SC), Kharupetia, Bechimari, Goalpara, Gauripur, Abhayapuri, Patiladaha, Kaldoba, Bilasipara, Kaliabor, Juria, Dumdumia, Dhing, Moirabari, Lanka, Bhuragaon

Bihar:
RO: Forbesganj
Purchase Centres (DPC) Murliganj, Chhatapur, Jadia, Pratapganj, Triveniganj, Durgaganj, Gulabbagh, Katihar, Kishanganj, Bahadurganj, Thakurganj, Forbesgabj

Odisha:
RO: Bhadrak RO
Purchase Centres (DPC): Dhanmandal, Bhadrak, Kendupatna, Sailong, Danpur, Marshagai

Andhra Pradesh:
RO: Parvathipuram RO
Purchase Centres (DPC): Bobbili, Parvathipuram, Udaipur, TeliamoraUdaipur, Teliamora

Tripura:
RO: Udaipur RO
Purchase Centres (DPC) Udaipur, Teliamura

CBC 41122/15/0035/2526

संपादकीय

एसआईआर की दूसरी परीक्षा

रिवीजन यानी एसआईआर के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया है। इस बार राज्य ज्यादा हैं - 12, तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल असेंबली इलेक्शन है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। इस बार आयोग ने एसआईआर के लिए खुद को अधिक वक्त दिया है। बिहार में सबसे बड़ा सवाल जल्दबाजी को लेकर ही उठा था। राज्य में जून के आखिर में वोटर पुनरीक्षण अभियान की घोषणा की गई थी, जबकि पता था कि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हड़बड़ी का असर पूरी प्रक्रिया के दौरान दिखा, खासकर डॉक्युमेंट्स को लेकर जनता ही नहीं, चुनाव कर्मियों में भी गफलत की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में भीड़ उमड़ने से जैसी अफरातफरी देखने को मिली, वैसा नहीं होना चाहिए। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है। एसआईआर को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे।

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के मुताबिक, जहां ट्रंप ने आने वाली पहली बातचीत में फेंटेनाइल मुद्दा उठाने की बात कही है, वहीं शी जिनपिंग ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया। अगली मुलाकात आगामी 30 अक्टूबर को साउथ कोरिया के बुसान में होगी, जहां एपीईसी सम्मेलन भी आयोजित हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आसियान बैठक के बहाने हुई मुलाकात में मुख्यतः व्यापारिक तनाव को कम करने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर गम्भीरता पूर्वक चर्चा हुई। बताया जाता है कि दोनों देशों ने टैरिफ, निर्यात नियंत्रण, कृषि उत्पादों के व्यापार, और फेंटेनाइल तस्करी जैसे अहम मसलों पर बातचीत की। खास बात यह रही कि बातचीत के दौरान अमेरिका ने चीन पर फेंटेनाइल की तस्करी का आरोप लगाया, जिसे ट्रंप ने अपनी बातचीत का मुख्य मुद्दा बनाया।

जब डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की कटुता कम होगी तो भारत व अन्य देश भी लाभान्वित होंगे!

(कमलेश पांडे)

इसके अलावा, रूस से तेल खरीद, अमेरिकी किसानों से आयात, व्यापार असंतुलन जैसे विषय भी बैठक में उठाए गए। यही वजह है कि दोनों देशों ने व्यापार युद्ध को खत्म करने और वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए बुनियादी सहमति पर पहुंचने की कोशिश की है। गौरतलब है कि दोनों देशों ने ही मुलाकात की पुष्टि की है, और यह माना जा रहा है कि संबंधों में सुधार की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है।

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के मुताबिक, जहां ट्रंप ने आने वाली पहली बातचीत में फेंटेनाइल मुद्दा उठाने की बात कही है, वहीं शी जिनपिंग ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया। अगली मुलाकात आगामी 30 अक्टूबर को साउथ कोरिया के बुसान में होगी, जहां एपीईसी सम्मेलन भी आयोजित हो रहा है। इस बैठक में ताइवान और हांगकांग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है, जिसमें ट्रंप ने लोकतंत्र समर्थक नेता जिमी लाई की रिहाई का मुद्दा उठाने की बात कही है।

कुल मिलाकर, यह मुलाकात अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक और राजनीतिक तनाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं, ट्रंप और शी जिनपिंग की आसियान बैठक में हुए व्यापार समझौते के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं–

पहला, व्यापार युद्ध विराम विस्तार- दोनों देशों ने व्यापार युद्ध विराम समझौते को विस्तारित करने पर सहमति बनाई, जिससे व्यापारिक तनाव कम होगा।

दूसरा, टैरिफ वार टालना- अमेरिका ने 1 नवंबर से चीन पर 100त्न टैरिफ लगाने की धमकी की थी, जिसे समझौते के तहत टाला गया। चीन ने अमेरिकी टैरिफ और निर्यात प्रतिबंधों पर सौहार्दपूर्ण वार्ता की सहमति दी।

तीसरा, फेंटेनाइल नियंत्रण- व्यापार के अलावा, फेंटेनाइल तस्करी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, जिसे अमेरिकी पक्ष ने गंभीरता से उठाया।

चतुर्थ, निर्यात नियंत्रण- चीन के रेयर अर्थ मिनरल्स और अन्य प्रमुख विनिर्माण इनपुट पर निर्यात नियंत्रण पर बातचीत हुई, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला स्थिर रह सके।

पंचम, कृषि एवं तेल आयात- अमेरिकी किसानों से फसल खरीद और रूस से तेल खरीद को लेकर भी बहस हुई, जो दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को कम करने में मदद करेगी।

षष्ठम, वैश्विक आर्थिक स्थिरता- दोनों नेताओं ने वैश्विक बाजारों में स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

समझा जाता है कि इस समझौते से अमेरिका-चीन के व्यापारिक विवादों में कमी आने और वैश्विक आर्थिक दुष्प्रभावों को कम करने की उम्मीद है। इसप्रकार से यह बैठक रणनीतिक आर्थिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ट्रंप और शी जिनपिंग ने टैरिफ और निर्यात नियंत्रण पर महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिष्ठित टैरिफ लगाने की योजना को अब टाल दिया है, जिससे बड़े टैरिफ युद्ध की आशंका कम हो गई है। दोनों देशों ने चीन की दुर्लभ पृथ्वी मृदा पदार्थों के निर्यात नियंत्रण को कुछ समय के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है। इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों की बातचीत को 'रचनात्मक और गहन' बताया गया है।

वहीं, चीन ने भी यह खुलकर माना है कि निर्यात नियंत्रण को लेकर प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन में स्थिरता बनी रहे। इस कदम से व्यापार में संतुलन आएगा और दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा। इसके साथ ही, व्यापार युद्ध को खत्म कर आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

बता दें कि इस सबके पीछे प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा 1 नवंबर से नए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी थी, जिसे चर्चा के बाद टाला गया। दोनों नेताओं की मुलाकात में इन मुद्दों को लेकर गंभीर और सकारात्मक बातचीत हुई है, जिससे व्यापारिक संबंध बेहतर हो सकेंगे।

इसलिए, टैरिफ टालने और निर्यात नियंत्रण पर सहमति ने आगामी व्यापारीय विवादों को कम करने का मार्ग प्रशस्त किया है और एक संतुलित, स्थिर व्यापारिक वातावरण बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इन बातों से स्पष्ट है कि ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात के वैश्विक मायने बड़े और कई पक्षों से देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर यह बैठक अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रहे व्यापारिक तनाव, विशेषकर टैरिफ विवाद पर समाधान की उम्मीद जगाती है। बताया जाता है कि आगामी 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया में दोनों देश के नेता मिलेंगे और अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए 155 प्रतिशत से अधिक टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत करेंगे, जिससे वैश्विक व्यापार में स्थिरता आ सकती है।

इसके अलावा, इस मुलाकात में ताइवान की स्थिति, यूक्रेन युद्ध, और फेंटेनाइल की तस्करी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होगी। ट्रंप ने कहा है कि उनका उद्देश्य किसानों के हितों का संरक्षण करते हुए दोनों देशों के बीच व्यावहारिक और पूर्ण समझौता करना है। कहना न होगा कि यदि यह वार्ता सफल होती है, तो इससे न केवल अमेरिका और चीन के द्विपक्षीय संबंध सुधरेंगे, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी स्थिरता आएगी और ब्रिक्स देशों जैसे विकासशील देशों की स्थिति पर असर पड़ेगा। कुलमिलाकर यह मुलाकात एशिया-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संक्षेप में यदि कहा जाए तो, ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात विश्व के दो प्रमुख शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और क्षेत्रीय स्थिरता हेतु निर्णायक क्षण है, जिसका प्रभाव वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर गहरा होगा। ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात के संदर्भ में ताइवान नीति पर संभावित बदलावों के संकेत कुछ मुख्य बिंदुओं से समझे जा सकते हैं–

पहला, अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को लेकर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भाषा में बदलाव किए,

जिससे चीन नाराज हुआ। अमेरिका का कहना है कि वह ताइवान में शांति और स्थिरता का समर्थन करता है और किसी भी एकतरफा बदलाव का विरोध करता है, लेकिन चीन इसे अमेरिका की गलत नीति मानता है। यह संकेत देता है कि अमेरिका ताइवान के साथ अपने अनौपचारिक संबंधों को जारी रखेगा पर चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी रहेगी।

दूसरा, ट्रंप प्रशासन ने अपने सहयोगी देशों से पूछा है कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है तो उनका क्या रुख होगा। इसका मतलब यह है कि अमेरिका संभावित सैन्य संघर्ष की स्थिति के लिए बहुपक्षीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है, जो ताइवान के मुद्दे को और अधिक संवेदनशील बना सकता है।

तीसरा, ट्रंप की जिनपिंग से मुलाकात में ताइवान मुद्दे पर बातचीत होने की पुष्टि हुई है, जिसमें ट्रंप ने कहा कि वे ताइवान के लिए सम्मान रखते हैं और इस विषय पर चर्चा करेंगे। यह दर्शाता है कि अमेरिका ताइवान नीति में किसी बड़े बदलाव की संभावना पर विचार कर रहा है, खासकर चीन के साथ तनाव के बीच।

चतुर्थ, भारत ने भी ताइवान पर अपना रुख अभी तक नहीं बदला है। भारत का ताइवान के साथ संबंध मुख्य रूप से आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में है, और वह 'एक चीन नीति' के तहत इसका सम्मान करता है। भारत इस मामले में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए हुए है। इस प्रकार, ताइवान नीति पर संभावित बदलावों के संकेतों में अमेरिका की सशक्त और बहुपक्षीय रणनीति, चीन की सख्त प्रतिक्रिया, और ट्रंप-जिनपिंग वार्ता के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा प्रमुख हैं। यह स्थिति क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शक्ति संतुलन दोनों के लिए संवेदनशील बनी हुई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात और इसके परिणाम ब्रिक्स देशों और भारत पर कई मायनों में असर डाल सकते हैं। सर्वप्रथम, इस बैठक से व्यापारिक टैरिफ विवादों में राहत मिल सकती है, जिससे ब्रिक्स देशों के आपसी व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका की टैरिफ नीतियों ने ब्रिक्स देशों, खासकर भारत और ब्राजील को प्रभावित किया है, और इसलिए अगर इन टैरिफ विवादों का समाधान होगा तो ब्रिक्स देशों के आर्थिक सहयोग में मजबूती आएगी।

भारत और ब्राजील अब अमेरिकी व्यापारिक दबावों के खिलाफ नए बाजार खोजने और आपसी व्यापार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जो 'मेक इन इंडिया' सहित भारत की तकनीकी और औद्योगिक प्रगति में सहायक होगा। इसके अलावा, ब्रिक्स के नेताओं ने अमेरिकी टैरिफ युद्ध और संरक्षणवाद का विरोध किया है, जो विकासशील देशों के व्यापार और वित्तीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एकजुट हैं। भारत इस समूह में अपनी भागीदारी बढ़ाकर वैश्विक दक्षिण के प्रतिनिधित्व, बहुपक्षीयता, और वैश्विक शासन सुधार को आगे बढ़ा रहा है।

हालांकि, ट्रंप की ओर से ब्रिक्स को धमकी भी जारी है कि जो सदस्यता लेगा उस पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जिससे भारत सहित ब्रिक्स देशों को अमेरिकी टैरिफ नीतियों के चाल-चलन पर सतर्क रहना होगा। साथ ही, भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ दूरी आई है, लेकिन भारत ब्रिक्स में मजबूत साझेदारी के दायरे में अपने हितों की रक्षा कर रहा है।

संक्षेप में यदि कहा जाए तो ट्रंप-जिनपिंग बैठक से भारत और ब्रिक्स देशों को टैरिफ विवादों में सुधार, आपसी व्यापार बढ़ाने, आर्थिक और राजनीतिक एकजुटता मजबूत करने का मौका मिलेगा, जो वैश्विक आर्थिक व्यवस्था और भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान के लिए सकारात्मक रहेगा। हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीति और कूटनीतिक जटिलताओं के बीच सावधानी भी जरूरी है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि ट्रंप-जिनपिंग बैठक का भारत-चीन व्यापारिक संबंधों पर सकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। क्योंकि दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय में तनाव कम हुआ है और सीमा विवाद पर बातचीत ने भी माहौल सुधारा है। भारत व्यापार में चीन से अपने कच्चे माल और अन्य आवश्यक सामग्रियों पर काफी निर्भर है, इसलिए वह टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने पर विचार कर रहा है, जिससे व्यापार सुगम हो सकेगा।

हाल ही में भारत और चीन ने सीमा क्षेत्रों में व्यापार फिर से शुरू करने, सीधी उड़ान सेवाएं बहाल करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति दी है। इसके अलावा, भारत आर्थिक सुधारों के तहत चीन से आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क को कम करने और व्यापारिक बाधाओं को घटाने के कदम उठा रहा है। यह भारत की औद्योगिक विकास और निर्यात विस्तार के लिए फायदेमंद होगा।

वहीं, चीन ने भारत को रेयर अर्थ मिनरल्स जैसी महत्वपूर्ण सामग्रियां देने की सहमति दी है, जिससे भारत की तकनीकी और रक्षा क्षमताओं को बल मिलेगा, हालांकि कुछ शर्तों के साथ। दोनों देशों की सरकारें व्यापारिक संबंध सुधारने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए सक्रिय हैं। संक्षेप में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बैठक के बाद भारत-चीन व्यापारिक संबंधों में नरमी आएगी, व्यापार बढ़ेगा, सीमा व्यापार फिर से शुरू होगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?

(नीरज कुमार दुबे)

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे– तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है– जिसे लोग 'मुख्यमंत्रियों की धरती' कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं। दूसरी ओर है महुआ– जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ– जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है।

राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है– 'परिवर्तन की राजनीति'। रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, 'यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं'। राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था।

सतीश कुमार सवाल उठाते हैं– दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए? तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं।

दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती है– 'घी दाल में ही गिरता है।' मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में ज़िंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं– जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं।

तेज प्रताप का कहना है कि 'राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।' लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं– अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा। पर ज़मीनी हकीकत कुछ और है– मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाज़े बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज दिल और दिमाग के बीच झूल रहा है।

इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज़्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम।

इंसानों की लालची प्रवृत्ति का शिकार बन रहे हैं गजराज

देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। देश में बढ़ती महत्वकांक्षा और लालची प्रवृत्ति ने पर्यावरण के साथी और हिन्दुओं की पूजा के प्रतीक हाथियों को भी नहीं बख्शा है। अन्य वन्यजीवों और वनस्पतियों के तरह अब हाथियों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है। हाथी मेरे साथी के बजाए अब दुश्मन बनता जा रहा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की नई जनगणना के मुताबिक पिछले 8 साल के भीतर देश में हाथियों की संख्या करीब 25त्न तक घट गई है। देश में पहली बार डीएनए के आधार पर हाथियों की गणना में यह खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे तो हुए ही हैं, साथ ही जनगणना डराने वाली भी है। यह रिपोर्ट बताती है कि शिकार की वजह से नहीं बल्कि जंगलों के कम होने और इंसानों के साथ संघर्ष के चलते हाथियों की संख्या में कमी आ रही है।

(योगेंद्र योगी)

रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 22,446 हाथी हैं। जबकि 2017 में देश में हाथियों की संख्या 29,964 के करीब थी।हाथियों की गणना करने के लिए पहली बार डीएनए आधारित प्रणाली को अपनाया है, जबकि 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च होने के बाद से ही तस्वीरों और हाथियों की लीद के आधार पर ही इनकी गिनती होती थी। डब्ल्यू आई आई के वैज्ञानिक और रिपोर्ट के मुख्य लेखक कमर कुरैशी के मुताबिक जंगल कट रहे हैं, हाथियों के आवास सिकुड़ रहे हैं और कॉरिडोर का कनेक्शन खत्म हो रहा है। इस वजह से इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। खासतौर से मध्य भारत और असम में।

इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात यह सामने आई कि शिकार के लिए हाथियों को नहीं मारा जा रहा है। लेकिन घर आवासों का सिकुड़ना बड़ी चिंता की बात है। भारत में वेस्टर्न घाट में सबसे ज्यादा हाथी हैं। यहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में 14,587 हाथी हुआ करते थे। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय इलाकों में हाथियों की संख्या 10,139 से घटकर 6559 हो गई है। मध्य भारत और ईस्टर्न घाट में 3128 से घटकर 1891 हाथी ही रह गए हैं। हाथियों की मौजूदा सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में 6013, असम 4159, तमिलनाडु 3136, केरल 2785, उत्तराखंड 1792 ओर ओडिशा में 912 हाथी मौजूद हैं। झारखंड में जंगली हाथियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह मात्र 217 रह गई है, जोकि 2017 के 678 के आंकड़े

से काफी कम है। देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। तमिलनाडु और कर्नाटक में क्रमशः 256 और 160 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत, बाघों के हमलों में 2020 से 2024 के बीच कुल 378 लोगों की मौत हुई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 218 मौतें, उत्तर प्रदेश में 61 और मध्य प्रदेश में 32 मौतें दर्ज की गईं। हर साल करीब 60 हाथियों की भी मौत प्रतिशोध में हो जाती है।

देश की रेल परिवहन व्यवस्था हाथियों के लिए खतरनाक बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में देश भर में रेलगाड़ियों की चपेट में आने से कम से कम 79 हाथियों की जान चली गई। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में खड़गपुर-टाटानगर रेलखंड पर तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक हथिनी और उसके बच्चे समेत तीन हाथियों की जान चली गई। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई जिससे यह बड़ा हादसा हो गया था। खड़गपुर रेल मंडल में आने वाला यह रूट जंगलों से घिरा है। यहां हाथियों के साथ-साथ अन्य जंगली जानवर भी है। हाथियों सहित अन्य जंगली जानवरों की ट्रेन से कटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ी और जंगली इलाकों में ही होती है। अवैध शिकार के मामलों में कमी आई है, किन्तु यह अभी भी एक खतरा बना हुआ है। हाथियों की मौत के कुछ मामलों में जहर एक कारण हो सकता है। बिजली के तारों की चपेट में आने से भी हाथियों की मृत्यु होती है। हाथी का महत्व सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक दृष्टिकोण से है। यह महत्वपूर्ण प्रजातियों में से एक है जो कई अन्य प्रजातियों को सहारा देती है। हाथी अपनी सूंड से पानी की खुदाई करते हैं, जो अन्य जानवरों को भी पानी उपलब्ध कराता है। आर्थिक रूप से, हाथी पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और वास्तु में समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं। हाथियों के मल से विभिन्न प्रकार के पौधों के बीज फैलते हैं, जो सवाना जैसे पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। वे घने जंगलों में रास्ते भी बनाते हैं जो अन्य जानवरों को आने-जाने में मदद करते हैं। विश्व हाथी दिवस पर वाइल्डलाइफ एसओएस ने भारत में सड़कों पर भीख मांगते हाथियों की दुखद स्थिति को उजागर किया। इन विशालकाय प्राणियों को क्रूरता से सड़कों पर घसीटा जाता है। वाइल्डलाइफ एसओएस का बेगिंग एलीफेंट अभियान इन हाथियों को बचाने और इस प्रथा को 2030 तक खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है। दुनिया भर में हर साल 16 अप्रैल को हाथी बचाओ दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हाथियों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इन शानदार जानवरों की रक्षा के प्रयासों को आगे बढ़ाना है। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया प्रोजेक्ट एलीफेंट एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य हाथियों के प्राकृतिक आवासों में उनके लंबे समय तक अस्तित्व को सुनिश्चित करना है। इसके बावजूद जंगलों के कटने और हाथियों के प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण की रोकथाम के बगैर यह विशाल और महत्वपूर्ण जानवर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करता रहेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हजारीबाग पुलिस की बड़ी सफलता: चौपारण में सोलर पैनल बैटरी चोरी गिरोह का पदार्फाश

दो अपराधी गिरफ्तार, 120 बैटरियाँ, तीन वाहन और मोबाइल बरामद

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चौपारण थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सोलर पैनल बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से SPARK कम्पनी की 120 बैटरियाँ, एक पिकअप वेन, एक LPT ट्रक, एक ALTO कार तथा एक Oppo स्मार्टफोन बरामद किया गया है।

घटना 28 अक्टूबर 2025 की है। वादी सुमित कुमार सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर, M/S SWITCHER रांची को सूचना मिली कि चौपारण थाना क्षेत्र के ग्राम गरमोरवा स्थित मिनी सोलर प्लांट की बैटरियाँ चोरी की जा रही हैं। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिकअप वेन समेत एक आरोपी को धर दबोचा।

घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही श्री अजित कुमार विमल के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि चोरी की इस घटना में बोकारो के तेलों क्षेत्र से आए उसके साथी शामिल थे, जिन्होंने ALTO कार को सियारकोणी स्थित

उट होटल के पीछे छिपा रखा था, तथा चोरी की गई बैटरियों को ट्रक में लोड कर ले जाने की योजना थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित छापामारी कर ALTO कार और ट्रक दोनों को बरामद कर लिया।

गिरफ्तार अपराधियों की पहचान

1. तौसिफ उमर (उम्र 23 वर्ष), पिता मो. शमीम, सा. तेलों, थाना चन्द्रपुरा, जिला बोकारो

2. वाहिद हुसैन (उम्र 34 वर्ष), पिता सिदिक हुसैन, सा. बडकीपोना, थाना रजरप्पा, जिला रामगढ़

इस संबंध में चौपारण थाना कांड संख्या 296/2025, दिनांक 28/10/2025, धारा 317(2)/317(4)/303(2)/3(5) BNS के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बरामद सामान

पिकअप वेन (JH02BH1197)
LPT ट्रक (JH01GD0273)
ALTO कार (JH09AF3145)
SPARK कम्पनी की 120 बैटरियाँ
Oppo स्मार्टफोन

छापामारी दल

श्री अजित कुमार विमल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही

श्री चंद्रशेखर कुमार, पुलिस निरीक्षक, बरही अंचल

सरोज सिंह चौधरी, थाना प्रभारी, चौपारण थाना

दिव्य प्रकाश सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक (अनुसंधानकर्ता), चौपारण थाना

रवि रंजन, पुलिस अवर निरीक्षक, चौपारण थाना

थाना रिजर्व गार्ड

पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने जिले में अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में इसे एक बड़ी सफलता बताया है और ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखने की बात कही है।

बरकट्ठा में पुलिस पर हमला करने वाले पांच उपद्रवी गिरफ्तार

■ ढाबा मालिक से मारपीट और सरकारी रायफल क्षतिग्रस्त करने का मामला, तीन पुलिसकर्मी घायल

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र में पुलिस बल पर हमला करने और सरकारी रायफल क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। घटना ग्राम गुंजरा मोड़ स्थित सचिन ढाबा के पास घटी, जहां उपद्रवियों ने ढाबा मालिक के साथ मारपीट और तोड़फोड़ की।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बरकट्ठा के नेतृत्व में गश्ती दल मौके पर पहुंचा। पुलिस द्वारा स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन उपद्रवियों ने पुलिस बल पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में पुलिस अवर निरीक्षक चंदा उरांव सहित तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए।

हमले के दौरान उपद्रवियों ने आरक्षी भुवनेश्वर महतो की इंसास रायफल छीनने का प्रयास भी किया। छीनने के क्रम में रायफल का मैगजीन टूटकर गिर गया और गोलियाँ जमीन पर बिखर गईं। भीड़ के अनियंत्रित होने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए पाँच व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम

1. अजीत कुमार यादव, पिता सीताराम यादव

2. शिव कुमार यादव, पिता इन्द्रदेव यादव

3. पवन कुमार यादव, पिता रामछतरू यादव

4. मुकेश कुमार शर्मा, पिता अर्जुन ठाकुर— सभी ग्राम बरियता, थाना बरही, जिला हजारीबाग

5. मुन्ना कुमार यादव, पिता महादेव यादव— ग्राम चतरो, थाना बरही, जिला हजारीबाग

बरामद सामग्री

बोलेरो गाड़ी संख्या JH02AV-3055

स्विफ्ट कार संख्या JH02BN-4664

इलेक्ट्रिक स्कूटी संख्या JH02BV-8356

घटना के संबंध में बरकट्ठा थाना कांड संख्या 149/2025, दिनांक 29.10.2025 दर्ज किया गया है। इसमें उपद्रव मचाने, नाजायज मजमा लगाकर मारपीट करने, पुलिस कार्य में बाधा उत्पन्न करने, सरकारी रायफल क्षतिग्रस्त करने एवं विधि-व्यवस्था भंग करने से संबंधित धाराएं अंकित की गई हैं।

पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल अन्य 5 नामजद और अज्ञात अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

छापामारी दल

पु०नि० इमदाद अंसारी, बरकट्ठा अंचल

पु०अ०नि० पंकज सिन्दुरिया, थाना प्रभारी बरकट्ठा

पु०अ०नि० देवदत्त कुमार सिंह, बरकट्ठा थाना

पु०अ०नि० चन्दा उरांव, बरकट्ठा थाना

बरकट्ठा थाना के सशस्त्र बल

पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने घटना में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने की बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे 'मोंथा' चक्रवात को लेकर समस्त जिलेवासियों से विशेष सतर्कता व एहतियात बरतने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त ने खराब मौसम व चक्रवाती तूफान को देखते हुए आम नागरिकों व बच्चों को नदी, तालाब, डोभा से दूर रहने का आग्रह किया उपायुक्त रामनिवास यादव के द्वारा जानकारी दी गई कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा 'मोंथा' चक्रवात एक ट्रॉपिकल तूफान के रूप में तेजी से सक्रिय हो रहा है और मौसम विभाग द्वारा यह अनुमान व्यक्त किया गया है कि आने वाले दिनों में यह एक गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है।

इसके प्रभाव से झारखंड के दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में तेज हवाएँ, भारी वर्षा तथा वज्रपात की संभावना जताई गई है। आगे उपायुक्त ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान की वजह से जिले में भारी बारिश की संभावना हो सकती है। साथ ही वर्तमान में अत्यधिक वर्षा के कारण जान माल के नुकसान की स्थिति भी बनी रहती हैं। ऐसे में सभी से आग्रह होगा कि खराब मौसम की वजह से अपने घरों से बेवजह न बाहर निकले विशेष परिस्थिति में ही घरों से निकले। उन्होंने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि अत्यधिक वर्षा के कारण अक्सर झील, तालाब, जलाशय, डोभा, नदी-नाले सब भर जाते हैं और आम जनजीवन प्रभावित होता है। अत्यधिक वर्षा से सड़क जाम, कच्चे मकान का टूटना, वज्रपात से जान-माल को नुकसान, फसलों को नुकसान की आशंका बनी रहती है। विशेषकर बच्चों को इससे काफी खतरा रहता है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लोगों से नदी नाले, जलाशय आदि से बच्चों को दूर रखने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कही जलजमाव हो रहा है, जल निकासी का उचित प्रबंध करें। जल जमाव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सभी संबंधित अधिकारी हर स्तर पर तैयारी पूरी रखी रखें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या क्षति को न्यूनतम किया जा सके इस परिप्रेक्ष्य में जिले के सभी संबंधित अधिकारियों/पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं एनडीआरएफ एसडीआरएफ टीमों को संभावित प्रभावित क्षेत्रों में तैयार स्थिति में रखा जाए निचले व जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहाँ के लोगों को सुरक्षित स्थलों पर स्थानांतरित करने की योजना बनाएं संचार व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त एवं सक्रिय रखें। सभी बीडीओ एवं थाना प्रभारियों को चौबीसों घंटे निगरानी और रेस्पॉन्स के लिए निर्देशित करें।

नवविवाहिता ने लगाई फांसी, पति-पत्नी के बीच झगड़ा बना मौत का कारण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह (चौधरी मुहल्ला) में मंगलवार रात एक दिल दहलहला देने वाली घटना हुई। एक नवविवाहिता सुलेखा कुमारी ने फांहसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सुलेखा की शादी महज एक माह पूर्व ही पटना लखीसराय के रहने वाले प्रल्हाद तिवारी से कोर्ट मैरिज के जरिए हुई थी। दोनों का प्रेम विवाह था घटना के वक्त सुलेखा अपनी मां मुन्नी देवी के साथ सो रही थी। इसी दौरान उसके पति का फोन आया और दोनों में बात करने के दौरान विवाद होने लगा। बातों-बातों में सुलेखा कमरे से बाहर निकली और अपनी मां से बोली ह्रदो मिनट में आती हूं ह्र पर वो लौटकर कभी नहीं आई। उसने दूसरे कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद उसके पति ने घर में रह रहे किरायेदार को फोन कर कहा कि जल्दी देखिए, सुलेखा फांसी लगा रही है।

सभी गांव/टोलों में खुले राशन की दुकान, जन वितरण में व्याप्त गड़बड़ी दूर हो : राजेश यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सदर प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत अंतर्गत डुमरियाटांड़ तथा तिलैया गांव के ग्रामीणों ने एकजुट होकर उनके पंचायत में व्याप्त जन प्रणाली से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की मांग की है। इस बाबत लोगों ने बताया कि, उन्हें चार-पांच किलोमीटर दूर से राशन लाना पड़ता है। सिर्फ वे ही नहीं, बल्कि इस पंचायत के करीब-करीब सभी गांवों के लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं।

साथ ही, राशन वितरण में भी गड़बड़ी की जाती है वहीं, मौके पर मौजूद पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं फारवर्ड ब्लाक के जिला संयोजक राजेश यादव ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद उनकी मांगों को बिल्कुल जायज ठहराते हुए कहा कि, देश की आजादी के 78 साल और झारखंड निर्माण के भी करीब 25 साल बीतने को हैं,

लेकिन आज तक यदि सभी गांव/टोलों में गरीबों के लिए जन वितरण की दुकान तक नहीं खोली गई, तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि, विकास के नाम पर किस तरह लोगों को धोखा दिया गया है कहा कि, जिनके पास इन सुविधाओं को बहाल करने की जिम्मेदारी है, वे ही वोट आने पर गरीबों को तरह-तरह के प्रलोभनों में फंसा कर उनका वोट ले लेते हैं, और बाद में गरीबों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। इसलिए अब समय आ गया है कि, लोग इस झांसेबाजी के चंगुल से बाहर निकल कर अपने जरूरी मुद्दों पर संघर्ष शुरू करें उन्होंने कहा कि, सरकारें यदि राशन, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि बुनियादी सुविधाओं को बहाल नहीं कर सकती, तो वह सीधे-सीधे जनता को धोखा दे रही है। लोगों को अपने हक-अधिकारों की लड़ाई तेज करनी होगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के समाजवादी आदर्शों को अपनाते हुए व्यवस्था बदलाव की लड़ाई लड़े बिना यह संभव नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार से अविलंब सभी पंचायतों में पर कम-से-कम वार्ड स्तर पर एक-एक राशन दुकान खोलने की प्रक्रिया शुरू कर गरीबों के राशन की लूट बंद करने और उन्हें सहूलियत देने की मांग की। कहा कि, इन सवालों पर संगठन बनाकर संघर्ष किया जाएगा इस दौरान मुख्य रूप से फारवर्ड ब्लाक के नेता मनोज यादव, मुकेश यादव सहित संजय मंडल, ह्रदय मंडल, धीरज वर्मा, बबलू मंडल, दामोदर मंडल, देवेंद्र मंडल, फूलचंद मंडल, शशि मंडल, मनोज मंडल, अभिषेक मंडल, सिंटू गोस्वामी, राहुल मंडल, विजय मंडल, पवन गोस्वामी, बीरबल मंडल, सोनू गोस्वामी, तालेश्वर मंडल, कारू मंडल, बिशु यादव, घनश्याम वर्मा आदि थे।

विधायक प्रदीप प्रसाद भूमि घोटाले में बने अभियुक्त 70 से अधिक लोगों पर एसीबी की बड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग में भूमि घोटाले के मामले ने बड़ा तूल पकड़ लिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (अउइ) ने इस कांड में 70 से अधिक लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है, जिनमें हजारीबाग सदर के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद का नाम भी शामिल है।

मामला हजारीबाग सदर अंचल के अंतर्गत आने वाली उस भूमि से जुड़ा है, जो रिपोर्टों के अनुसार वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा और रजिस्ट्री के जरिए निजी हाथों में दी गई थी। एसीबी ने इस सिलसिले में कांड संख्या 11/2025 दर्ज कर जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि 2010 में हुए एक भूमि रजिस्ट्रेशन में कई प्रभावशाली लोग गवाह बने थे, जिसमें विधायक प्रदीप प्रसाद का भी नाम शामिल है।

जानकारी के अनुसार, संबंधित जमीन जीटी रोड स्थित नेक्सजेन शो-रूम क्षेत्र में आती है, जिसकी रजिस्ट्री 10 फरवरी 2010 को की गई थी। जांच में यह सामने आया कि उक्त भूमि पर वन विभाग की अधिसूचना लागू थी, बावजूद इसके निजी व्यक्तियों के नाम पर इसकी रजिस्ट्री कराई गई। इस दौरान तत्कालीन पदाधिकारियों, भू-स्वामियों और गवाहों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।

गिरफ्तारी और जांच की स्थितिः

एसीबी की टीम ने अब तक इस प्रकरण में कई प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें विनय सिंह, विजय सिंह, तथा तत्कालीन सदर अंचल अधिकारी शैलेश कुमार के नाम प्रमुख हैं। कुछ अन्य सरकारी कर्मचारियों और रजिस्ट्री में शामिल व्यक्तियों पर भी कार्रवाई की तैयारी है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे केवल ह्वरजिस्ट्री में गवाहह्व के रूप में शामिल थे और किसी भी अवैध क्रियाकलाप से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच में सत्य स्पष्ट हो जाएगा।

उधर, विपक्षी दलों ने इस मामले पर राज्य सरकार से तत्काल सख्त कार्रवाई और पारदर्शी जांच की मांग की है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि भूमि घोटाले में नौकरशाहों से लेकर नेताओं तक की मिलीभगत से सरकारी जमीनों को निजी हाथों में बेचा गया।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, यह मामला हजारीबाग जिले का अब तक का सबसे बड़ा भूमि घोटाला माना जा रहा है। जांच टीम ने तीन वाहन, कई दस्तावेज और रजिस्ट्री से जुड़े रिकॉर्ड को जब्त किया है। साथ ही, बाकी नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद और खूंटी में खुलेंगे नए मेडिकल कॉलेज, झारखंड के स्वास्थ्य ढांचे को मिलेगी नई दिशा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद और खूंटी में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की स्वीकृति केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई है राज्य में लंबे समय से चिकित्सकों की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है इस ऐतिहासिक निर्णय पर केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा एवं केंद्र सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल झारखंड के लिए बल्कि विशेष रूप से गिरिडीह जिले, जो कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, के लिए एक बड़ी सौगात है नई दिल्ली में वित्त मंत्रालय की हुई बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। ये मेडिकल कॉलेज पीपीपी (पीपीपी) मॉडल पर

संचालित होंगे इस विषय पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा के साथ पूर्व में हुई चर्चा के दौरान झारखंड के जनप्रतिनिधियों, जिनमें केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी भी शामिल रहीं, ने राज्य के विभिन्न जिलों में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया था।यह निर्णय न केवल झारखंड के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करेगा, बल्कि युवाओं के लिए मेडिकल शिक्षा एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के ह्वसर्वजन स्वास्थ्य, सबका विकासह्व के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झारखण्ड मजदूर मोर्चा ने स्वच्छता को लेकर पीएम से किया आग्रह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत के तमाम छोटे बड़े शहरों के नजदीक छोटी बड़ी नदियाँ की स्वच्छता के सम्बन्ध में कि देश की घनी आबादी छोटे बड़े शहरों में अवस्थित है। आप अवगत है कि लगभग सभी शहर छोटी बड़ी नदियों के किनारे बसी हुई है।

वर्तमान में सभी नदियाँ या समुद्र के किनारे शहरी आबादी से निकलने वाली नाली इन्ही समुद्र अथवा नदी में गिरती है परिणाम स्वरुप छोटी नदियाँ विशेष कर गन्दगी के अम्बार से अपना स्वरुप गन्दगी में परिवर्तित कर लेती है बरसात के दिनों को छोड़कर शेष दिनों में नदियाँ काफी दयनीय हालत में जाती है जबकि ये तमाम शहर अपनी आबादी के अनुरूप ग्राम पंचायत, नगर परिषद, नगर निगम के अंदर अवस्थित है। ऐसे शहर में निवास करने वाली जनता नियमानुसार टैक्स निकाय को देती है वर्तमान में महापर्व छठ पूजा के दौरान अधिकांश शहरी आबादी इन्ही नदियों के किनारे स्वच्छ होकर अर्ग देने पहुँचते है। पर्व करने वाली महिला जब धमार्नुसार नदियों में उतरती है तो समूचे देश में नाली की गन्दगी भरी जल का सामना करना पड़ता है जो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक स्थिति होती है।आप जैसे लोकप्रिय स्वच्छता प्रेमी प्रधान मंत्री के लिए मेरा छोटा सा सुझाव हैः प्रायः छोटी नदियों के किनारे 2 से 3 किलोमीटर की दुरी तक शहर अवस्थित है एवं बड़ी नदियों के किनारे 5-10 किलोमीटर तक घनी आबादी अवस्थित८ है। यदि दोनों किनारे जनसंख्या अनुसार ह्यूम पाइप डालकर नाली को जगह- जगह जोड़ दिया जाय एवं अंतिम छोर पर गंदे जल को जमा कर डैम बाँध कर जल शोधन प्रणाली उपयोग किया जाय जिससे शहर के किनारे कृषि कार्य फल, फूल, सब्जी का उत्पादन भी हो सकता है।उपरोक्त सुझाव से महापर्व जैसे छठ पर्व ही नहीं बल्कि पेयजल एवं स्नान की सुविधा के साथ कृषि में भी फायदा होगा, देश का आर्थिक बल में भी सहयोग मिलेगा प्रधान मंत्री इस मामले में एक बार केंद्र स्तर से योजनावद्ध तरीके से सभी प्रदेश सरकार को निर्देश देकर साथ ही यदि आवश्यक हो तो केंद्र से आंशिक आर्थिक सहयोग कर इन बड़ी समस्या का आसानी से किया जा सकता है आशा है छोटा सा सुझाव को अन्य सुझाव के अनुसार देश हित में स्वच्छता हित में अनुपालन करने में सक्षम होंगे। इस कृपा के लिए समूचे भारत वासी आपके आभारी रहेंगे। यह आपसे ही भारत में संभव है।

आस्था का उमड़ा सैलाब : झील रोड पर जुटी भारी भीड़, छठी मइया की पूजा में डूबा हजारीबाग घाटों से लेकर घरों की छत तक दिखी भक्ति की चमक

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की भव्यता इस बार हजारीबाग में चरम पर रही। शहर के हर कोने में आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

विशेष रूप से झील रोड, जिसे हजारीबाग का दिल कहा जाता है, वहाँ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। झील तालाब परिसर और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पूरा इलाका रोशनी, फूलों और भक्ति गीतों से जगमगा उठा।

यूनिवर्सिटी सिटी स्थित तालाब पर भी छठ व्रतियों और भक्तों की बड़ी संख्या देखी गई। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में सोलह श्रृंगार कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। केवल घाट ही नहीं, बल्कि इस बार लोगों ने अपने घर की छतों, आंगनों और मोहल्लों में छोटे-छोटे घाट तैयार कर छठ मइया की पूजा की। हर घर में दीपक जलाकर लोगों ने भक्ति

और पवित्रता का वातावरण बनाया। नगर निगम और सामाजिक संगठनों की ओर से घाटों पर साफ-सफाई, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था के उत्कृष्ट प्रबंध किए गए। जगह-जगह स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सहायता की, जिससे पर्व शांति और अनुशासन के साथ सम्पन्न हुआ। हजारीबाग का पूरा वातावरण भक्ति और आनंद में डूबा रहा— हर ओर गूंज रही थी एक ही आवाज जय छठी मैया।

आफताब हॉस्पिटल बिसनपुर के निकट गलेक्सी कार श्रृंगार शॉप का हुआ उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जेएमएम नेता फरदीन इम्तेयाज अहमद ने फीता काट कर किया शुभआरंभ शहर में इस तरह के फैंसी कार सिंगार सॉप की थी आवश्यकता गिरिडीह पचम्बा मुख्य मार्ग स्थित आफताब हॉस्पिटल के निकट बुधवार को गैलेक्सी कार सिंगार सॉप का शुभउद्घटन झामुमो के कद्दावर नेता फरदीन इम्तेयाज अहमद द्वारा फीता काट कर किया गया मौके पर गांडेय प्रखंड के डोकीडीह पंचायत के पूर्व मूखिया शाकिर हुसैन,बिसनपुर के वार्ड पार्षद सिराज आलम,समाजसेवी महमूद आलम, फहीम आलम, मो. ईकबाल, बशीर हुसैन, पप्पू, शमशेर आलम,जहीर हुसैन सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे मौके पर मुख्य अतिथि फरदीन इम्तेयाज

अहमद ने कहा कि इस रोड में आज गलेक्सि कार सिंगार सॉप का उद्घाटन हुवा कहा कि अभी के समय मे इस तरह की दुकानों की उपयोगिता बढ़ गई है,उन्होंने क्षेत्र वासियों से आह्वान करते हुवे कहा कि सभी लोग इसका लाभ उठायें। मौके पर संचालक मो.आरिफ ने कहा कि मेरे यहाँ सभी तरह के छोटी गाड़ियों का सिंगार के सभी तरह के समान उचित मूल्य में उपलब्ध है कहा कि मेरे यहाँ फैंसी एवं उच्च क्वालिटी का सामान उपलब्ध है।

समुद्री क्षेत्र में देश की बड़ी छलांग, मुंबई में बैटरी आधारित मालवाहक जहाज का निर्माण

मुंबई, एजेंसी। मेरीटाइम सेक्टर में बड़ी छलांग लगाते हुए देश में बैटरी आधारित मालवाहक जहाज का निर्माण किया जा रहा है। यह 2026 तक समुद्र में उतार दिया जाएगा। देश को स्थायी और हरित ऊर्जा साधनों में सक्षम बनाने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत अब एक और बड़ा कदम उठाया गया है। दरअसल देश का पहला बैटरी आधारित मालवाहक जहाज जल्द ही तैयार होने जा रहा है और यह 2026 तक समुद्र में उतार दिया जाएगा। लगभग दो हजार टन क्षमता वाला यह जहाज मुंबई में बनाया जा रहा है। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से डीजल-इलेक्ट्रिक प्रकार का जहाज तैयार किया जाएगा। डीजल के आधार पर बिजली तैयार कर उसे बैटरी में संचित किया जाएगा। यह बैटरी जहाज को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। इस तरह की तकनीक भारत में पहली बार अपनाई जा रही है। अब तक भारत में केवल छोटे जहाजों में ही यह तकनीक प्रयोग में लाई जाती थी। यह नया मालवाहक जहाज पूरी तरह देश में निर्मित होगा। बैटरी आधारित मालवाहक जहाज तैयार करने वाली कंपनी एसएसआर मरीन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर (ऑफ ऑपरेशन) संजीव के अग्रवाल ने बताया कि, देश का पहला बैटरी आधारित मालवाहक जहाज जल्द ही तैयार हो जाएगा और यह 2026 तक समुद्र में उतार भी दिया जाएगा। लगभग दो हजार टन क्षमता वाला यह जहाज मुंबई में निर्मित किया जा रहा है। इसे मालवाहक जहाज के अलावा रक्षा क्षेत्र में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे लगभग 20 प्रतिशत ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। यह विकसित भारत का उत्पाद है, जो विश्व को यह बताता है कि हम किस तरह से अपनी तकनीकों को आगे बढ़ रहे हैं। आनेवाले समय में इस तरह के कई उत्पाद हमें देखने को मिलेंगे, क्योंकि सरकार अब इस तरह के उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है।

तकनीकी टैरिफ वार्ता के लिए जल्द दिल्ली आएगी ईयू टीम, राजदूत ने बताया आगे का कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने बताया कि ईयू और भारत निरंतर बातचीत की स्थिति में हैं और वर्ष के अंत तक किसी समझौते पर पहुंचने का लक्ष्य है। व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक ने बताया कि एक टीम तकनीकी टैरिफ वार्ता को पूरा करने के लिए नई दिल्ली आएगी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। यह बात भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने कही। उन्होंने ब्रुसेल्स में आयोजित भारत-ईयू एफटीए वार्ता में हुई प्रगति की सराहना की। राजदूत ने कहा कि ईयू और भारत निरंतर बातचीत की स्थिति में हैं और वर्ष के अंत तक किसी समझौते पर पहुंचने का लक्ष्य है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की टिप्पणी साझा की। सेफकोविक ने चर्चा के लिए मंत्री पीयूष गोयल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है, राष्ट्रपति वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री मोदी के दिए गए जनादेश को पूरा करना । जो भारत और यूरोपीय संघ के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को और सुविधाजनक बनाएंगे और हम मंत्री के साथ इस बात पर सहमत हुए कि हम निकट संपर्क में रहेंगे। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता पर ईयू के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ गहन लेकिन बहुत ही उत्पादक बैठक के बाद ब्रुसेल्स की अपनी यात्रा संपन्न की।

जारी है भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार, 2026 में पीछे होंगे चीन-यूएस

2026 में 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करने का अनुमान लगाया था

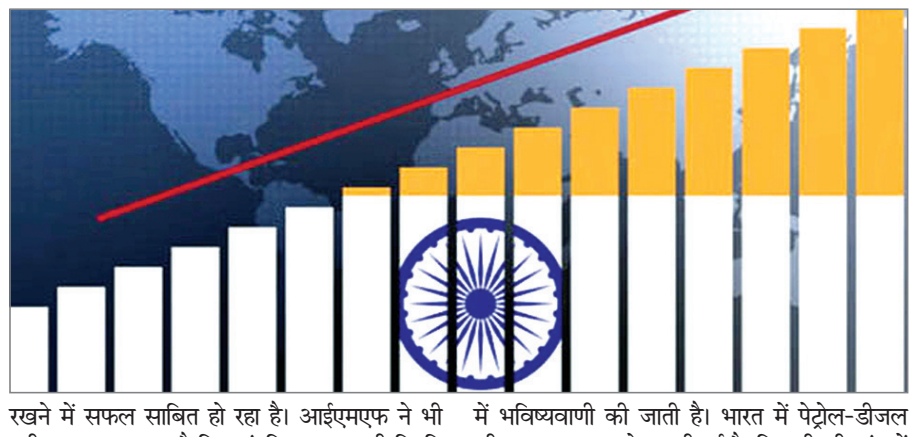

नई दिल्ली, एजेंसी।
इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने इसी साल के अप्रैल महीने में कहा था कि भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने में सबसे अहम कारक बन सकता है। आईएमएफ ने भारत के 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करने का अनुमान लगाया था। जुलाई में आईएमएफ ने अपने ही अनुमानों में सुधार करते हुए भारत के 2025 और 2026 दोनों वर्षों में 6.4 प्रतिशत की दर से विकास करने की संभावना जताई। लेकिन आईएमएफ यहीं नहीं रुका। उसने एक बार फिर अपने अनुमानों में संशोधन करते हुए कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.6 प्रतिशत की दर से विकास कर सकती है। विकास की गति के मामले में यह अमेरिका और चीन जैसे देशों को पीछे छोड़ सकता है। इस दौरान चीन 4.8 प्रतिशत और अमेरिका 1.9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। आईएमएफ के अलावा विश्व बैंक सहित कई अन्य एजेंसियों ने भी इसी तरह का अनुमान जताया था।

भारत की अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने का यह अनुमान ऐसे दौर में लगाया जा रहा है कि जब अमेरिकी टैरिफ के कारण व्यापार में कमी आने की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन ताजा आंकड़ों ने बता दिया है कि भारत की अर्थव्यवस्था का आधार कहीं अधिक मजबूत है। आंतरिक व्यापार पर आधारित होने के कारण भारत अपने विकास की गति को बनाए रखने में सफल साबित हो रहा है। आईएमएफ ने भी यही अनुमान लगाया है कि आंतरिक बाजार की स्थिति बेहतर रहने के कारण भारत इस दौरान तेज गति से विकास करेगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने अमर उजाला से कहा कि वे 2023 से यह बात कहते आ रहे हैं कि वैश्विक मंदी के खतरों के बाद भी भारत शानदार गति से विकास की गति बनाए रखने में सफल रहेगा और यह दुनिया के विकास का इंजन बनेगा। उन्होंने कहा कि उनका यह अनुमान ठोस आंकड़ों पर आधारित था और आज वे बातें पूरी तरह सही साबित हो रही हैं। किसी अर्थव्यवस्था के कुछ संकेतक होते हैं जिनके आधार पर उसकी सेहत के बारे में भविष्यवाणी की जाती है। भारत में पेट्रोल-डीजल की खपत लगातार तेज बनी हुई है, बिजली की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, सीमेंट और स्टील का उत्पादन लगातार बेहतर हो रहा है और इसकी खपत लगातार बढ़ रही है। इन वस्तुओं का उपयोग बड़ी कंपनियों से लेकर निर्माण सेक्टर में होता है जो अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने में सबसे अधिक भूमिका निभाते हैं। इन वस्तुओं की मांग बढ़ने का सीधा अर्थ है कि बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। किसी भी विकसित देश की अर्थव्यवस्था की तरह भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में भी सर्विस सेक्टर का योगदान बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। भारत के सर्विस सेक्टर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

जीएसटी दरों और टैक्स दरों में कमी का असर दिखा

डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि अब तक लोग ज्यादा टैक्स लेने को विकास के लिए अधिक पैसा जुटाने का माध्यम मान रहे थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने दिखा दिया है कि टैक्स दरों में कमी कर भी अर्थव्यवस्था को शानदार तरीके से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले तो 12 लाख रूपये तक की आय को लगभग कर मुक्त कर दिया। इसके बाद जीएसटी दरों में भारी कमी कर लोगों को राहत दी। लेकिन इसके बाद भी भारत के कुल संग्रह में कोई कमी नहीं आई है। यह शानदार आर्थिक नीति का परिणाम है। उलटे यह हुआ है कि टैक्स दरों में कमी करने के कारण लोगों की जेब में खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचा है। जीएसटी दरों में कमी के कारण वस्तुएं सस्ती हुई हैं और लोग उन्हें खरीदने के लिए आकर्षित हुए हैं। इसका परिणाम हुआ है कि अकेले दिवाली पर लगभग साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये की वस्तुओं की बिक्री हुई है। इस दौरान सर्विस सेक्टर में भी बढ़ोतरी हुई। मारुति, होंडा, टाटा सहित ज्यादातर वाहन निर्माता कंपनियों ने रिकॉर्ड बिक्री की है और यह बिक्री उनके अनुमान से बेहतर रही है। इस दौरान महंगाई दर कम बनी हुई है। इससे भी लोगों के हाथों में अधिक पैसा बच रहा है और वे खर्च करने के लिए प्रेरित हुए हैं। महंगाई दर कम रहने के कारण रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो दरों में कटौती की है। इसका सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं को मिला है।

भारतीय अरबपति ने दिखाया दम, खरीद लिया रूस से तेल, अमेरिका की नाक के नीचे कर दी बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टील टाइकून और भारतीय अरबपति कारोबारी लक्ष्मी मित्तल के एक एनर्जी जॉइंट वेंचर ने उन जहाजों से ट्रांसपोर्ट किया गया रूसी तेल खरीद लिया है, अमेरिका की बैन लिस्ट में शामिल हैं। यह जानकारी सैटेलाइट इमेज, शिपिंग डेटा और कस्टम्स रिकॉर्ड के आधार पर सामने आई है। पंजाब के बठिंडा में गुरु गोबिंद सिंह रिफाइनरी, जो लंबे समय से च में रहने वाले मित्तल की को-ओनरशिप वाली एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी है, को इस साल कम से कम चार क्रूड शिपमेंट मिले, जिनकी कीमत लगभग 280 मिलियन (करीब 2470 करोड़ रुपये) थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लक्ष्मी मित्तल के जॉइंट वेंचर को मिली शिपमेंट ज्यादातर रूस से आई और प्रतिबंध वाली लिस्ट में शामिल जहाजों से लाई गईं। गुरु गोबिंद सिंह रिफाइनरी भारत की 10वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी है, जो हर साल 11.3 मिलियन टन तेल प्रोसेस कर सकती है। यह तेल जुलाई और सितंबर के बीच अमेरिका द्वारा ब्लैकलिस्ट किए गए जहाजों पर आर्कटिक बंदरगाह मरमंस्क से ओमान की खाड़ी तक ले जाया गया था।

भारत में यूपीआई पेमेंट 2025 की पहली छमाही में 35 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस देश के डिजिटल पेमेंट लैंडस्केप में अपना दबदबा बनाए हुए है. बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 2025 की पहली छमाही में लेनदेन की संख्या साल-दर-साल 35 प्रतिशत बढ़कर 106.36 अरब तक पहुंच गई.

वर्ल्डलाइन की इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट (2025 की पहली छमाही) के अनुसार इन लेनदेन की कुल वैल्यू 143.34 लाख करोड़ रुपये रही, जो दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान भारत में रोजमर्रा की जिंदगी का कितना अहम हिस्सा बन गए हैं.

उल्लेखनीय रूप से पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन 37 प्रतिशत बढ़कर 67.01 बिलियन हो गया, जिसे वर्ल्डलाइन किराना इफेक्ट कहता है, जहां छोटे और सूक्ष्म व्यवसाय भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गए हैं. भारत के क्यूआर-बेस्ड पेमेंट नेटवर्क में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई, जो जून 2025 तक दोगुने से भी ज़्यादा बढ़कर 678 मिलियन हो गया - जनवरी

2024 से 111 प्रतिशत की वृद्धि. पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों की संख्या 29 प्रतिशत बढ़कर 11.2 मिलियन हो गई, जबकि भारत क्यूआर 6.72 मिलियन तक पहुंच गया. इसके साथ ही भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी नेटवर्क संचालित करता है, जो छोटे व्यवसायों द्वारा अपनाए जाने और सरकार द्वारा संचालित समावेशन कार्यक्रमों द्वारा संचालित है. इस बीच रिपोर्ट दर्शाती है कि क्रेडिट कार्ड प्रीमियम खर्च करने के साधन के रूप में विकसित हो रहे हैं. जनवरी 2024 और जून 2025 के बीच सक्रिय क्रेडिट कार्डों की संख्या में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मासिक खर्च 2.2 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया. हालांकि, औसत लेन-देन आकार में 6 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन यह दर्शाता है कि रोजमर्रा की खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग बढ़ रहा है. इसके विपरीत छोटे भुगतानों के यूपीआई में ट्रांसफर होने के कारण पीओएस पर डेबिट कार्ड का उपयोग लगभग 8 प्रतिशत कम हो गया. दैनिक लेनदेन के लिए मोबाइल भुगतान सबसे पसंदीदा माध्यम बना रहा, जो साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़कर 209.7 ट्रिलियन रुपये मूल्य के 98.9 बिलियन लेनदेन तक पहुंच गया.

बैंकों के विलय का नया प्लान, एसबीआई के बाद दूसरा सबसे बड़ा बैंक बनाने की तैयारी

● बैंकों के विलय का उद्देश्य ● वित्त मंत्रालय में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के विलय पर चर्चा चल रही है

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्र सरकार बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बड़े बैंकों के विलय का नया खाका तैयार कर रही है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्रालय में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के विलय पर चर्चा चल रही है. दोनों बैंकों का मुख्यालय मुंबई है. इसका उद्देश्य अगले कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों के तहत ऐसे बैंकों का विस्तार करना और उनके परस्पर क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना है.

लाइवमिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यह विलय हो जाता है, तो एक सरकारी बैंक बनेगा जो संपत्ति के लिहाज से देश के शीर्ष बैंक, भारतीय स्टेट बैंक के बाद दूसरे स्थान पर होगा. वर्तमान में देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा है, जिसकी कुल संपत्ति 30 जून 2025 तक 18.62 ट्रिलियन रुपये

थी. यह संपत्ति आधार इसे सभी बैंकों (निजी बैंकों सहित) में एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाद चौथे स्थान पर रखता है. विलय के बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया की संपत्ति 25.67 ट्रिलियन रुपये होगी, जो आईसीआईसीआई बैंक (26.42 ट्रिलियन रुपये) के बराबर होगी.

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, वित्त मंत्रालय इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक के विलय के विकल्प पर भी विचार कर रहा है. दोनों बैंकों का मुख्यालय चेन्नई में है. जिनकी तमिलनाडु और पड़ोसी राज्यों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है.

इन बैंकों के निजीकरण पर विचार इसके अलावा, बाद के चरणों में पंजाब एंड सिंध बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के निजीकरण पर विचार किया जा सकता है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में परिसंपत्तियों के आधार पर निचले स्थान पर है. रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी नियंत्रण वाले अन्य बैंकों के विलय पर भी विचार किया जा सकता है. हालांकि विलय की समय-सीमा अभी तय नहीं हुई है, लेकिन यह प्रक्रिया वित्त वर्ष 2027 में शुरू होने की उम्मीद है.

बैंकों के विलय की एक व्यापक योजना तैयार करने के पीछे सरकार का उद्देश्य कम लेकिन अधिक शक्तिशाली संस्थान स्थापित करना है, जिसमें छोटे बैंकों को बड़े बैंकों के साथ मिलाया जाएगा. इसका लक्ष्य बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत और बेहतर बनाते हुए ऋण विस्तार और वित्तीय सुधारों के अगले चरण में सहायता प्रदान करना है. इससे पहले रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सरकार कथित तौर पर इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, और बैंक ऑफ महाराष्ट्र को पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, और भारतीय स्टेट बैंक जैसे बड़े बैंकों के साथ विलय करने पर विचार कर रही है.

8वां वेतन आयोग : खत्म हुआ इंतजार

टर्म ऑफ रिफ्रेंस को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के लिए टर्म ऑफ रिफ्रेंस को मंजूरी दे दी, जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और भत्तों में नए सिरे से संशोधन का रास्ता साफ हो गया. वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होने की उम्मीद है, जिससे लाखों कर्मचारियों के वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है.

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार इस कदम से देश भर में लगभग 50 लाख कार्यरत केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा. आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई करेंगी, जिसमें एक पार्ट टाइम सदस्य और एक सदस्य-सचिव होंगे.

गठन की डेट से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आयोग के पास 18 महीने का समय होगा और यह सरकार को एक अंतरिम रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेगा. रिपोर्टों के अनुसार 8वें वेतन आयोग का गठन अप्रैल 2025 तक होने की उम्मीद है और इसकी सिफारिशें 2026 और 2027 के बीच लागू होने की संभावना है. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद कार्यान्वयन की अंतिम तिथि तय की जाएगी. मंत्रिमंडल ने इससे पहले जनवरी 2025 में आयोग की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी. 8वें वेतन आयोग ने अभी

तक आधिकारिक वेतन स्लैब जारी नहीं किए हैं, लेकिन 2.86 के संभावित फिटमेंट फैक्टर पर आधारित अनुमानों के अनुसार वेतन में 19,000 रुपये प्रति माह तक की वृद्धि हो सकती है. वर्तमान में 1 लाख रुपये प्रति माह कमाने वाले मध्यम स्तर के सरकारी कर्मचारी के लिए, वेतन वृद्धि बजटीय आवंटन के आधार पर भिन्न हो सकती है. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अगर सरकार सैलरी के लिए 1.75 लाख करोड़ का बजट आवंटन करती है, तो सैलरी 1.14 लाख/माह तक बढ़ सकता है, जो 14 प्रतिशत की वृद्धि है. बढ़कर 1.16 लाख रुपये प्रति माह हो सकता है, जो 16त्न की वृद्धि है, जबकि 2.25 लाख करोड़ रुपये के आवंटन के साथ वेतन बढ़कर 1.18 लाख रुपये महीने हो सकता है, जो 18त्न से अधिक की वृद्धि है. फिटमेंट फैक्टर, जो यह निर्धारित करता है कि नए वेतन ढांचे के तहत वेतन और पेंशन में कितनी वृद्धि होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी की सपाट ओपनिंग

मुंबई, एजेंसी।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले बुधवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट खुले, जबकि ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद में एशियाई बाजारों में तेजी रही. वहीं उच्च बाजार मूल्यांकन पर मजबूत कॉर्पोरेट आय वृद्धि का अभाव भारतीय इक्विटी के लिए एक अवरोधक कारक बना हुआ है.

निफ्टी 50 सूचकांक 45.80 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,982 पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स ने 26.28 अंक या 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84,654.44 पर सत्र की शुरुआत की. शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे बढ़कर 88.18 पर पहुंच गया.

बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा के अनुसार, जून 2024 के बाद से भारतीय बाजारों का निफ्टी में सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है, जो अक्टूबर में 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है. एफपीआई शॉर्ट्स 94

प्रतिशत से घटकर 80 प्रतिशत हो गए हैं.

बाजार की चाल के अनुसार, भारतीय बाजारों को नवंबर में सितंबर 2024 में अपने सर्वकालिक उच्च स्तर को पार कर जाना चाहिए. हालांकि, वैश्विक बाजारों का सही मूल्यांकन मध्यम अवधि के लिए एक जोखिम है.

उन्होंने आगे कहा कि तरलता, आय, मौद्रिक समर्थन और एआई-संचालित लाभ वैश्विक बाजारों को सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा रहे हैं. बग्गा ने कहा, यह पार्टी शायद कम से कम एक और साल तक जारी रहेगी. पिछले 13 महीनों के खराब प्रदर्शन को देखते हुए, भारतीय बाजार पकड़ने और बेहतर प्रदर्शन के क्षेत्र में हैं. उच्च बाजार मूल्यांकन पर मजबूत कॉर्पोरेट आय वृद्धि की कमी भारतीय बाजारों के लिए एक अवरोधक कारक रही है. अगले छह महीनों में इस परिदृश्य में सुधार होना चाहिए क्योंकि बाजारों में तेजी की उम्मीद है. अमेरिका में, अमेरिका-चीन तनाव में कमी, फेड द्वारा आगे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और मजबूत आय अनुमानों के बीच बाजारों ने रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी रखी. निवेशक आज रात फेड के नीतिगत फैसले और अमेरिकी श्रम बाजार, मुद्रास्फीति और आर्थिक परिदृश्य पर टिप्पणियों पर कड़ी नजर रखेंगे. इस बीच, अमेरिकी सरकार के बंद होने का गतिरोध चार हफ्तों बाद भी बिना किसी समाधान के जारी है.

सैमको सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव्स रिसर्च एनालिस्ट धुपेश धमेजा ने कहा, निफ्टी इंडेक्स ने अक्टूबर सीरीज़ का समापन एक्सपायरी-टू-एक्सपायरी आधार पर लगभग 5 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ किया.

इससे इसका प्रमुख तेजी का रुख बना रहा। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में एक सीमित दायरे में सीमित रहने के बावजूद, इंडेक्स उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है. उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी का उच्च उच्चतम और उच्च निम्नतम स्तर एक मजबूत तेजी की प्रवृत्ति की पुष्टि करता है.

कॉर्पोरेट मोर्चे पर, ओर्कला इंडिया का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुलने वाला है। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है और इसका मूल्य 1,667.54 करोड़ रुपये है, जिसका मूल्य दायरा 695 रुपये से 730 रुपये प्रति शेयर है.

30 साल बाद फिर

सिनेमाघरों में दस्तक देगी आमिर खान की 'रंगीला'

आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर सुपरहिट फिल्म 'रंगीला' एक बार फिर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अपनी रिलीज के ठीक 30 साल बाद 'रंगीला' सिनेमाघरों में वापसी कर रही है। इस बार दर्शक इस फिल्म को नए 4च ।ष्ठ रीस्टोर्ड वर्जन में देखे सकेंगे। रामगोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित 'रंगीला' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। रंगीला साल 1995 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। एआर रहमान के संगीत से सजी इस फिल्म में शहरी महत्वाकांक्षाओं और सपनों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी उस वक्त काफी पसंद की गई थी और 'रंगीला' बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी। अब मेकर्स एक बार फिर 'रंगीला' से उसी सफलता की उम्मीद कर रहे हैं।

यह है रंगीला की कहानी

'रंगीला' एक लव ट्रायंगल है। जिसमें उर्मिला मातोंडकर का किरदार मिली हीरोइन बनना चाहता है, जबकि आमिर खान का किरदार मुन्ना एक अनाथ है जो मिली का दोस्त है। मुन्ना ब्लैक में फिल्मों के टिकट बेचता है। फिर मिली पहले जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर काम करती है। बाद में जैकी श्रॉफ के किरदार राज कमल की मदद से जो कि एक बड़ा अभिनेता है, वो मिली को 'रंगीला' नाम की फिल्म में हीरोइन के लिए ऑडिशन दिलवाता है। इसके बाद जैसे-जैसे मिली हीरोइन बनने लगती है वैसे-वैसे राज कमल और मुन्ना दोनों ही मिली से प्यार करने लगते हैं। इसके बाद शुरू होती है त्रिकोणीय प्रेम कहानी।

'रंगीला' को मिले थे कई अवॉर्ड

रिलीज के वक्त 'रंगीला' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म के गाने भी उस वक्त काफी लोकप्रिय हुए थे। फिल्म के लिए एआर रहमान को सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, राम गोपाल वर्मा को बेस्ट स्टोरी और जैकी श्रॉफ को सपोर्टिंग एक्टर के लिए फिल्मफेयर का अवॉर्ड भी मिला था।

एक्ट्रेस तान्या राजकुमार राव संग मिलकर खोलेंगी शिक्षा व्यवस्था की पोल

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

टीचर बनना चाहती थी ये हसीना

लेकिन बन बैठी आइटम गर्ल

आज हम आपको बॉलीवुड की बहुत ही टैलेंटेड और खूबसूरत अदाकारा से मिलवा रहे हैं. बॉलीवुड के पॉपुलर आइटम सॉन्स से तहलका मचाने वाली इस हसीना की दीवानगी आज भी उतनी ही है जितनी सालों पहले हुआ करती थी. जी ये हसीन अदाकारा कोई और नहीं, बल्कि शाहरुख खान के साथ 'छैंया-छैंया' गाने से लोगों का दिल जीतने वाली मलाइका अरोड़ा हैं, जिनकी अदाओं पर आज भी लोग जान छिड़कते हैं. आज मलाइका किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. अपने बेहतरीन डांस से वो सबको अपना दीवाना बना लेती हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है. मुंबई में जन्मीं मलाइका अरोड़ा की मां जॉयस पॉलीकार्प मलयाली फैमिली से आती हैं और पिता पंजाबी हिंदू परिवार से थे. एक्ट्रेस को अपने शुरूआती दिनों में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था. एक बार एक्ट्रेस ने खुद बताया था कि वह कभी इतने छोटे घर में रहती थीं कि उसकी तुलना माचिस की डिब्बी से कर सकते हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि बचपन में बहुत कुछ झेलना पड़ा. हालांकि, आज एक्ट्रेस के पास हर तरह की सुविधाएं हैं. करियर की बात करें तो मलाइका कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, वो हमेशा से एक टीचर बनना चाहती थीं. लेकिन डांस ने उनका जीवन बदल दिया और वो इंडस्ट्री की सबसे मशहूर आइटम गर्ल बन गईं.

एक्शन अवतार में दिखेंगे हर्षवर्धन राणे?

पोस्ट साझा कर खुद की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के लिए खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब खबर है कि अभिनेता डायरेक्टर मिलाप जवेरी के साथ काम करने जा रहे हैं। यह नया प्रोजेक्ट एक हाई-एनर्जी मास एंटरटेनर बताया जा रहा है, जो दोनों की जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आएगी.

4000 करोड़ी फिल्म रामायण के लिए फ्री में काम कर रहे विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की जबरदस्त एक्टिंग के फैंस दीवाने रहते हैं. हालांकि, उनका फिल्म करियर कुछ खास नहीं रहा है. विवेक ओबेरॉय फिल्मों में कम ही नजर आते हैं और रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे हैं. फिलहाल, उनकी पाइपलाइन में अभी कुछ फिल्में हैं, जिसमें डायरेक्टर नितेश तिवारी की 4000 करोड़ी मूवी रामायण है. इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय विभीषण का किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म रामायण में उनकी फीस को लेकर जानकारी सामने आई है. आइए जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्होंने कितनी फीस ली है. विवेक ओबेरॉय ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म रामायण के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा से कहा था कि वह फिल्म के लिए एक भी पैसा नहीं लेना चाहते हैं. वह अपनी पूरी फीस कैंसर से पीड़िता बच्चों की मदद के लिए दान करना चाहते हैं. विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैंने उनसे कहा कि मैं आपका सपोर्ट करना चाहता हूं कि क्योंकि ये काम मुझे पसंद है. मुझे लगता है कि ये इंडियन सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर ले जाएगा. हॉलीवुड महाकाव्यों के लिए भारत की तरफ रामायण जवाब होगा. ये उस कंपनी से जुड़ी है, जिसने 7-8 ऑस्कर जीते हैं और भी शानदार काम किए हैं. वास्तव में रामायण से बड़ा और बेहतर कुछ और नहीं हो सकता है. इसे ग्लोबल फील्ड में ले जाना काफी एक्साइटिंग है. विवेक ओबेरॉय ने आगे कहा फिल्म में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा है और सभी के साथ काम करने बहुत मजा आया.

फिल्म रामायण की स्टारकास्ट

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, विवेक ओबेरॉय, रवि दुबे, सनी देओल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, काजल अग्रवाल, इंदिरा कृष्णन, कुणाल कपूर, शीबा चड्ढा जैसे तमाम सितारे नजर आएंगे. फिल्म भगवान राम का किरदार रणबीर कपूर, माता सीता किरदार साई पल्लवी और रावण का किरदार यश निभाएंगे.

बाहुबली में काम करते हुए तमन्ना भाटिया ने सीखी कल्पना

हाल ही में तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली के बारे में कई बातें बताई हैं। उनके मुताबिक फिल्म में काम करने के बाद उनमें कई बदलाव आए हैं। तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं, लेकिन उनके डांस नंबर आज भी दर्शकों को दीवाना बनाते हैं। उन्होंने दो दशक पहले हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अभिनय में कदम रखा था, लेकिन उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने प्रभास के साथ बाहुबली- द बिगिनिंग में काम किया। इसके बाद, उन्होंने बाहुबली 2- द कन्क्लूजन से पर्दे पर वापसी की और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

तमन्ना भाटिया में आया बदलाव

फिल्मफेयर के साथ बातचीत में, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे बाहुबली फ्रैंचाइजी ने उन्हें बदल दिया। उन्होंने कहा बाहुबली एक ऐसी फिल्म थी जिससे मैंने सबसे ज्यादा सीखा। हम एक हरे रंग की स्क्रीन के सामने शूटिंग कर रहे थे, इसलिए हमें बहुत सी चीजों की कल्पना करनी पड़ी। मैंने वीएफएक्स के बारे में सीखा। किसी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है यह भी सीखा। इसने मुझे प्रयोग करने का और भी आत्मविश्वास दिया। उसके बाद से, मैंने लोगों की राय को गंभीरता से लेना बंद कर दिया। मैं अपने अंतर्मन पर ज्यादा भरोसा करने लगी।

वेरोनिका वनीज ने परिवार के साथ मनाई छठ पूजा

अभिनेत्री वेरोनिका वनीज ने इस साल छठ पूजा बेहद श्रद्धा और प्रेम के साथ अपने परिवार के बीच मनाई। यह पर्व सूर्य देव और छठी मइया की आराधना को समर्पित है, और वेरोनिका के लिए इसका गहरा व्यक्तिगत महत्व है। वह हर साल पूरे मन से इस परंपरा को अपनाती हैं और अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व महसूस करती हैं। इस पोस्ट ने उनके प्रशंसकों के दिलों को छू लिया और उनके सच्चे और आत्मीय उत्सव की झलक दी। इस अवसर पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए वेरोनिका ने कहा, छठ पूजा सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं, यह एक भावना है जो पीढ़ियों को जोड़ती है। जब मैं अपनी मां को प्रसाद और मिठाइयाँ बनाते हुए देखती हूँ, तो यह मुझे उस प्रेम, धैर्य और आस्था की याद दिलाता है, जो इस पर्व की असली पहचान है। यह मेरे लिए अपनी जड़ों से जुड़े रहने और जीवन के प्रति आभार प्रकट करने का तरीका है। उत्तर प्रदेश के बलिया की रहने वाली वेरोनिका वनीज ने इस बार अपने ही अंदाज़ में छठ पूजा मनाई। अपने गृह नगर न जा पाने के कारण, उन्होंने अपनी मां की पूजा करते हुए एक सुंदर तस्वीर साझा की और लिखा, काश मैं भी वहाँ होती, माँ के साथ घाट पर पूजा करती. अपनी इन भावनाओं और सच्चे शब्दों के माध्यम से वेरोनिका ने छठ पूजा का असली सार – आस्था, परंपरा और एकजुटता – को खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा ने खोले जटाधारा की आध्यात्मिकता के साथ काली दुनिया के राज़

ज़ी स्टूडियो और प्रेरणा अरोड़ा की फिल्म 'जटाधारा' का ट्रेलर रिलीज़ होते ही यह फिल्म देशभर में जबरदस्त चर्चा का विषय बन गई है। विशेष रूप से फिल्म की भावनात्मकता के साथ भव्य विज़ुअल्स ने जहां दर्शकों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं सुधीर बाबू के शक्तिशाली आध्यात्मिक किरदार और सोनाक्षी सिन्हा के रहस्यमय और खतरनाक अवतार ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध और स्तब्ध कर दिया है। ऐसे में 7 नवंबर 2025 को भारत के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही सुपरनैचुरल फिल्म जटाधारा एक अविस्मरणीय सिनेमा का अनुभव देने का वादा करती है।इस सिलसिले में फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा कहती हैं, ट्रेलर को जिस तरह दर्शकों का प्रतिसाद मिला है, यह मेरे लिए काफी भावुक और प्रेरणादायक है। सच कहूँ तो निर्माता के रूप में यह मेरे 'विश्वास' को हमेशा बल देता रहा है। विशेष रूप से जब मैंने 'रुस्तम', 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' और 'पैडमैन' जैसी फिल्में बनाई थीं, तब भी उन सभी फिल्मों के विषयों ने मुख्यधारा सिनेमा में पहली बार आने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर चर्चा पैदा की थी। यही दृढ़ विश्वास मुझे अपनी अगली फिल्म 'जटाधारा' के साथ भी था और अब जब लोग उससे इतनी गहराई से जुड़ रहे हैं, तो मेरे लिए यह बेहद संतोषजनक है।हालांकि जब उनसे 'स्त्री 2', 'मुंज्या' और 'कांतारा' जैसी हालिया सुपरनैचुरल फिल्मों के संदर्भ में पूछा गया, तो प्रेरणा ने कहा, 'जटाधारा' इन सबसे अलग है क्योंकि यह न तो कॉमेडी है और न फैंटेसी। यह आध्यात्मिकता के साथ सिर्फ काले जादू या डर के बारे में नहीं है, बल्कि विश्वास से जुड़े उन मासूम साधारण लोगों की कहानी है, जो असाधारण शक्तियों में उलझ जाते हैं। यहाँ डर सिर्फ दिखाई नहीं देता, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। हालांकि यहां हम काले जादू के ज़रिये उसका मनोरंजन नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसके परिणामों की बात कर रहे हैं।समाज में फैले काले जादू जैसे वर्जित विषय पर बात करते हुए प्रेरणा ने यह भी बताया, यह काल्पनिक नहीं, बल्कि सच्चाई है। आज हम भले ही सोशल मीडिया और पॉडकास्ट के युग में जी रहे हों, फिर भी काले जादू से जुड़ी घटनाओं की कहानियां छोटे-छोटे गाँवों और प्रांतों के साथ बड़े-बड़े शहरों और प्रभावशाली जगहों से भी सामने आ रही हैं। हालांकि 'जटाधारा' इसे सनसनीखेज़ बनाने की बजाय सच्चाई के साथ दिखाती है। यहाँ काला जादू किसी साइड ट्रैक की तरह नहीं, बल्कि कहानी की आत्मा है, जो किरदारों की तकदीर तय करती है।गौरतलब है कि फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर सेंसर प्रक्रिया के दौरान काफी चुनौतियाँ आईं लेकिन फिल्म टीम ने अपने विज़न से कोई समझौता नहीं किया। इस पर प्रेरणा कहती ती हैं, ऐसे विषय पर हमें पहले से ही पता था कि यह हम सबके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। यही वजह है कि अपनी पिछली हॉरर फिल्म 'परी' के बाद मैं बहुत स्पष्ट थी कि हम फिल्म की ईमानदारी को न तो कम करेंगे, न बदलेंगे।

थामा में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना

मेरे लिए वैंपायर बनना बिल्कुल अलग अनुभव

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म थामा की सफलता का लुत्फ उठा रही है। इस फिल्म में उन्होंने वैंपायर का किरदार निभाया। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने फिल्म में काम के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनके लिए यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि थामा का अनुभव उनके लिए रचनात्मक रूप से बहुत रोमांचक था। वैंपायर का किरदार उनके लिए पूरी तरह से नया है, क्योंकि अब तक उन्होंने अपने करियर में ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था। मुझे नहीं पता था कि वैंपायर या बेताल जैसे प्राणी का किरदार कैसे निभाया जाता है। यह भूमिका मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और जटिल थी। उन्होंने इस अनुभव को दिलचस्प करार देते हुए कहा, इस तरह के किरदारों के साथ काम मेरे लिए हमेशा नई चीजें सीखने जैसा होता है। सामान्य किरदार निभाना भी एक तरह का आनंद देता है, लेकिन जब कोई बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलता है, तो यह अनुभव एक अलग ही तरह का उत्साह देता है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इस किरदार में खुद को बदलने की पूरी प्रक्रिया बेहद आकर्षक लगी। जब कोई कलाकार किसी सामान्य किरदार में काम करता है, तो उसका आनंद अलग होता है, लेकिन किसी अलग प्राणी का किरदार निभाना उसे एक नए तरह का उत्साह और खुशी देता है। रश्मिका ने अपने प्रोड्यूसर अमर कौशिक और निर्देशक आदित्य सरपोतदार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, इस नए और चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में उनका मार्गदर्शन और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण रहा। रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए बिल्कुल जीरो से शुरुआत की। उनका कहना था कि उन्हें इस तरह के किसी किरदार का कोई अनुभव या उदाहरण नहीं था, इसलिए उन्होंने पूरी तरह से निर्देशक और प्रोड्यूसर के मार्गदर्शन पर भरोसा किया।

टोंक के दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

टोंक, एजेंसी। टोंक के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान ने अपने अथक प्रयासों और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। शहजान ने राजस्थान टीम की दिव्यांग टीम में अपनी जगह पक्की की और तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में 6 विकेट लिए। कोच इम्तियाज अहमद की भूमिका शहजान को तेज गेंदबाजी के गुर सिखाने वाले कोच

इम्तियाज अहमद ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तेज गेंदबाज के रूप में तैयार किया। शहजान के चयन से टोंक में खुशी की लहर है और उनके कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और समर्पण को दिया है।

राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन

शहजान का चयन राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई, महाराष्ट्र में होने वाले टूर्नामेंट के लिए किया गया है, जो 5 से 7 नवंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में शहजान राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों को चुनौती देंगे।

परिवार और कोच की खुशी- शहजान के परिवार और कोच इम्तियाज अहमद ने उनके चयन पर खुशी जताई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शहजान की इस सफलता से टोंक के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होंगे।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद बागी हुए मोहम्मद रिजवान

- पीसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से किया मना

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद बगावत कर दी है। उन्होंने नेशनल प्लेयर्स को दिए गए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से मना कर दिया है, क्योंकि उन्हें कैटेगरी बी में रखा गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि रिजवान उन 30 खिलाड़ियों में से अकेले हैं जिन्हें नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और डॉक्यूमेंट पर साइन नहीं किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कॉन्ट्रैक्ट देते समय कैटेगरी ए को हटा दिया है। इसमें पहले सिर्फ बाबर आजम, रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी थे। यह कैटेगरी प्लेयर्स को यह साफ मैसेज देने के लिए हटाई गई थी कि बोर्ड पिछले एक साल में उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सामने रखी शर्तें- पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीन सीनियर खिलाड़ियों समेत 10 खिलाड़ियों को कैटेगरी बी में एक साथ रखा है, लेकिन रिजवान ने हाल ही में बोर्ड को साफ कर दिया है कि वह डॉक्यूमेंट पर तभी साइन करेंगे जब बोर्ड उनकी कुछ शिकायतों पर ध्यान देगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले मोहम्मद शमी ने चटकाए 8 विकेट

धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद भी आखिर क्यों हैं टीम से बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल दिखा रहे हैं. शमी ने 28 ओवर में 8 विकेट चटकाए. शमी ने रणजी ट्रॉफी में खेले गए पिछले मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ भी 7 विकेट हासिल किए थे. शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए धाकड़ गेंदबाजी कर रहे हैं. इसके साथ शमी अपनी दमदार परफॉर्मेंस से टीम इंडिया के सेलेक्टर्स को ये बताना चाहते हैं कि पूरी तरह से फिट हैं और भारतीय टीम में वापसी के लिए भी तैयार हैं. इस समय टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है. लेकिन शमी इस स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं.

मोहम्मद शमी की धाकड़ गेंदबाजी- बंगाल और गुजरात के बीच ग्रुप स्टेज में चल रहे मुकाबले में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लिए. शमी ने गुजरात की पहली पारी में 18.3 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए. वहीं गुजरात के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी शमी के सामने नहीं टिक पाए. शमी ने गुजरात की दूसरी पारी में पांच बल्लेबाजों को वापस पवेलियन भेजा और पांच विकेट हॉल पूरा किया. शमी की इस धमाकेदार गेंदबाजी की वजह से बंगाल ने ये मुकाबला 141 रनों से जीत लिया.

हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है

गर्भावस्था में 145 किलो वजन उठाकर दिल्ली पुलिस की सोनिका बनीं मिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी। ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025-26 में दिल्ली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए।

देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं सोनिका

गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

लूसी मार्टिन्स से मिली प्रेरणा

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी-ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी। आंध्र प्रदेश में जब सोनिका ने 145 किलो का डेडलिफ्ट पूरा किया और पदक जीता, तब उनकी गर्भावस्था का खुलासा होते ही दर्शक दंग रह गए। सोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय हिम्मत और निरंतरता को देते हुए कहा कि अगर जज्बा हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती, गर्भावस्था भी नहीं।

विश्व बॉक्सिंग कप — **विश्वकप में जीतीं तो जैस्मिन-मीनाक्षी बनेंगी नंबर एक**

निकहत हासिल करेंगी पुराना दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

पेरिस ओलंपिक के बाद से पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51) के लिए मुक्केबाजी के रिंग में वापसी आसान नहीं रही है। विश्व चैंपियनशिप में वह कोई कमाल नहीं दिखा सकीं, लेकिन अपने घर में होने जा रहा विश्वकप फाइनल्स सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि 2023 की विश्व चैंपियन स्वीटी के लिए भी वापसी का बड़ा मंच बनने जा रहा है। 14 नवंबर से ग्रेटर नोएडा शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट को निकहत और स्वीटी ने स्वर्णिम लक्ष्य बनाया है। स्वीटी तो दो वर्ष पूर्व विश्व चैंपियन बनने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शिरकत करने जा रही हैं। वह भी अपने पुराने भार वर्ग 75 किलो में। इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के नाते भारत पुरुष और महिलाओं के सभी 10-10 भार वर्गों में अपने मुक्केबाज उतारने जा रहा है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

महिला विश्व कप

भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है एलिसा हीली, पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान काफ इंजरी के कारण पिछले दो लीग स्टेज मैच से बाहर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिसा हीली भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है। गुरुवार को मुंबई में हीली ने अच्छी रिकवरी करते हुए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने विकेट-कीपिंग ड्रिल में हिस्सा लिया और फिर एक फुल नेट सेशन किया, वेबसाइट के अनुसार नेट बॉलर्स के खिलाफ बड़े शॉट मारते देखा गया। इंदौर में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद हेड कोच शेली निट्स्के ने उम्मीद जताई थी कि हीली सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत के बाद निट्स्के ने कहा था, वह आज रात पूरी तरह फिट नहीं थीं, लेकिन उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हम सेमीफाइनल के लिए बहुत उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन बाकी हैं। हम फिर से उम्मीद कर रहे हैं, जैसे-जैसे हम उसके करीब पहुंचेंगे, उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हीली डिफेंडिंग चैंपियन के लिए शानदार फॉर्म में रही हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ चार पारियों में 98 की औसत और 131.25 के स्ट्राइक-रेट से 294 रन बनाए हैं।

क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउनः

गुकेश नें किया नाकामुरा से हिसाब बराबर बनाई एकल बढ़त

सेंट लुईस यूएसए, एजेंसी। यूएसए शतरंज की राजधानी सेंट लुईस में क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन में दुनिया के चार दिग्गज खिलाड़ी वर्तमान विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश , पाँच बार के पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन , दुनिया के वर्तमान नंबर 2 और नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा और फबियानों करूआना के बीच मुकाबला शुरू हो गया है और अपने सभी आलोचको को करारा जबाब देते हुए गुकेश नें पहले दिन के खेल के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है । विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश नें पहले दिन खेले गयी छह रैपिड बाजियों में 3 जीत 2 ड्रॉ और एक हार के साथ सर्वाधिक 4 अंक बनाते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है । गुकेश नें इस दौरान कार्लसन से 0.5 -1.5 , नाकामुरा से 1.5-0.5 और करूआना से 2-0 का परिणाम हासिल किया । कार्लसन के खिलाफ गुकेश पहली बाजी ही जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंत में टाइम प्रेसर में खेल हार गए और उनकी दूसरी बाजी बेनतीजा रही पर उसके बाद गुकेश नें शानदार वापसी की ।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर

बीसीसीआई ने क्रिकेटर की इंजरी पर दी अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में कैच लपकने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। इंजरी गंभीर थी और उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर की इंजरी पर अपडेट दिया है और उनकी स्थिति को स्थिर बताया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर के पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव भी हुआ था।

चोट की तुरंत पहचान कर ली गई। इलाज के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद हो गया। उनकी हालत अब स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को दोबारा किए गए स्कैन में उनकी इंजरी में काफी सुधार दिखा है। बोर्ड की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से, उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।

बोर्ड ने बताया कि पहले श्रेयस की इंजरी को पसलियों की समस्या माना जा रहा था, लेकिन इंजरी अनुमान से ज्यादा गंभीर थी। स्कैन में तिल्ली में चोट का पता चला है, जिसके कारण अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अय्यर अब आईसीयू से बाहर हैं। श्रेयस अय्यर पूर्व में भी इंजरी की वजह से लंबे समय तक क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उम्मीद है, इस इंजरी से वे जल्द ही रिकवर करेंगे और क्रिकेट के मैदान पर वापस आएंगे। अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे।

कोहली कब लेंगे वनडे और आईपीएल से रिटायरमेंट?

एबी डिविलियर्स ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली के क्रिकेट भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप कोहली के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टूर्नामेंट साबित हो सकता है। हालांकि, डिविलियर्स का यह भी कहना है कि कोहली आईपीएल में कई साल तक खेलते रह सकते हैं। कोहली हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले, जहां शुरुआती दो मैचों में वह लगातार डक पर आउट हुए, लेकिन तीसरे वनडे में उन्होंने 74 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को 9 विकेट से जीत दिलाई।

डिविलियर्स का कोहली पर बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मेरे हिसाब से 2027 वर्ल्ड कप विराट कोहली का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। लेकिन आईपीएल अलग बात है – वहां वह अगले तीन, चार या पांच साल तक खेल सकते हैं। आईपीएल में तैयारी के लिए सिर्फ दो-तीन महीने चाहिए होते हैं, जबकि वर्ल्ड कप की तैयारी चार साल की होती है, जो शरीर और मानसिक संतुलन दोनों पर असर डालती है।

उन्होंने यह भी कहा, कोहली ने खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है। अब वक्त है कि हम उन्हें सेलिब्रेट करें। चाहे वह पांच साल और खेलें या कल ही संन्यास लें – उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए। गैर है कि विराट कोहली अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में नजर आएंगे, जो 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी।

राष्ट्रपति का घर बना 'राष्ट्र घर', 2024 में ही 20 लाख लोगों ने किया भ्रमण

नई दिल्ली, एजेंसी।
अब राष्ट्रपति भवन सिर्फ देश के सर्वोच्च पद का निवास नहीं, बल्कि 'राष्ट्र का घर' बन गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पहल के बाद अब पहले से कहीं ज्यादा लोग राष्ट्रपति भवन का दौरा कर रहे हैं। कोविड से पहले जहां हर साल करीब 7 लाख लोग राष्ट्रपति भवन देखने आते थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 20.5 लाख तक पहुंच गई। यानी राष्ट्रपति भवन अब सचमुच 'जनता का भवन' बन गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यकाल में पहली बार देश के तीनों राष्ट्रपति आवास हैदराबाद, देहरादून और शिमला आम जनता के लिए खोले गए हैं। राष्ट्रपति भवन की ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली को सरल किया गया है।

हैदराबाद में पूरे साल खुला रहता है राष्ट्रपति निलयम : हैदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम, जो पहले जनवरी में सिर्फ 15 दिन जनता के लिए खुलता था, अब पूरे साल खुला रहता है। 97 एकड़ में फैले इस परिसर को कभी राष्ट्रपति का सर्दियों का निवास कहा जाता था। यह केवल उस दौरान बंद रहता है जब राष्ट्रपति स्वयं वहां मौजूद होती हैं।

राष्ट्रपति निकेतन पहली बार आम जनता के लिए खुला : देहरादून में स्थित राष्ट्रपति निकेतन को इस साल जून 2024 में पहली बार जनता के लिए खोला गया। यहां 132 एकड़ में फैला राष्ट्रपति उद्यान भी है, जिसे अगले साल जुलाई 2025 से एक सार्वजनिक पार्क के रूप में आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी चल रही है। ब्रिटिश शासन के दौरान यह परिसर 1838 में बनाया गया था। तब यहां दिल्ली के वायसराय के घोड़े और ऊंट गर्मियों से बचाने के लिए भेजे जाते थे। लेकिन 186 सालों तक आम जनता को यहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी। यह परिसर तीन हिस्सों में बंटा है, राष्ट्रपति निकेतन, राष्ट्रपति उद्यान और राष्ट्रपति तपोवन।

शिमला में 1850 में बना था राष्ट्रपति निवास : शिमला में स्थित राष्ट्रपति निवास अप्रैल 2023 से जनता के लिए खुला है। यह कभी राष्ट्रपति का गर्मियों का निवास हुआ करता था। यह भवन 1850 में बनाया गया था और अब 175 साल पुराना हो चुका है।

दिल्ली में भी राष्ट्रपति भवन में बढ़ा आकर्षण: दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आम लोगों के लिए अब सप्ताह में छह दिन प्रवेश की अनुमति है। लोग यहां राष्ट्रपतियों के संग्रहालय, अमृत उद्यान और चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी देखने आते हैं। अमृत उद्यान अब साल में दो बार, 90-90 दिनों के लिए खोला जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन का डिजिटल टूर भी उपलब्ध है, जिसे 2024 में 49 लाख लोगों ने देखा।

संक्षिप्त समाचार

दुनियाभर में बढ़ती गर्मी बनेगी एक बड़ी बीमारी की वजह, वैज्ञानिकों ने कहा, भारत में पड़ेगा इसका गंभीर प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बन रहा है.. प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल लैंसेट ने अपनी काउंटडाउन रिपोर्ट (लैंसेट काउंटडाउन 2025) जारी की है. 128 विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. 1990 के दशक से हीटस्ट्रोक से होने वाली मौतों में 63 फीसदी की वृद्धि हुई है. 2012-21 के बीच हीटस्ट्रोक जैसे कारणों से हर साल औसतन 5.46 लाख लोगों की मौत हुई. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट किया है कि जलवायु परिवर्तन एक स्वास्थ्य संकट है. बारिश, सूखा और महामारियां बढ़ रही हैं. 2024 में, औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल के स्तर से 1.5एष्ट ज्यादा था. औसतन, प्रत्येक व्यक्ति ने 16 दिन खतरनाक गर्मी का अनुभव किया. शिशुओं और बुजुर्गों को 20 दिनों से ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ा. अत्यधिक गर्मी के कारण 640 अरब कार्य घंटे बर्बाद हुए. इससे 1.09 ट्रिलियन डॉलर (करीब 91 लाख करोड़ रुपये) की उत्पादकता का नुकसान हुआ. 2024 में, 61 प्रतिशत भूमि भीषण सूखे से प्रभावित हुई. यह 1950 के दशक के औसत से 299 प्रतिशत ज्यादा है. जंगल की आग से 1.54 लाख लोग मारे गए. डेंगू जैसी बीमारियां फैल रही हैं. सरकारों ने 2023 में फॉसिल फ्यूल पर 956 अरब डॉलर (80 लाख करोड़ रुपये) की सब्सिडी दी. यह 15 देशों के स्वास्थ्य बजट से भी ज्यादा है. द लैंसेट काउंटडाउन की कार्यकारी निदेशक डॉ. मरीना रोमानेलो ने कहा कि हमें फॉसिल फ्यूल का इस्तेमाल कम करना होगा और नरिन्यूएबल एनर्जी सोर्स का इस्तेमाल करना होगा. इससे हर साल 1 करोड़ लोगों की जान बच सकती है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहायक महानिदेशक डॉ. जेरेमी फरार ने कहा कि जलवायु संकट एक स्वास्थ्य संकट है. हर स्तर की वृद्धि जीवन और आजीविका पर भारी पड़ती है. सरकारी लापरवाही के कारण लाखों लोग मर रहे हैं. स्वच्छ हवा, स्वस्थ भोजन और मजबूत व्यवस्थाएं अरबों लोगों की जान बचा सकती हैं. यह रिपोर्ट सीओपी 30 (ब्राजील, नवंबर) से पहले सरकारों के लिए एक चेतावनी है.

नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसानों ने किया महापंचायत का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा में किसानों ने सेक्टर 6 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर महापंचायत का आयोजन किया. किसानों ने प्राधिकरण पर उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, तब तक धरना प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प लिया. किसानों के प्रदर्शन की घोषणा के बाद सेक्टर- 6 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय की ओर जाने वाली सड़कों के लिए ट्रैफिक एडवाजरी जारी कर वाहनों को रोका गया और वैकल्पिक मार्ग पर डाइवर्ट कर दिया गया. प्राधिकरण कार्यालय के प्रवेश द्वार को भी सील कर दिया गया है, ताकि कोई भी प्रदर्शनकारी अंदर न जा सके. हालांकि दोपहर होते ही भारतीय किसान यूनियन मंच के नेतृत्व में किसान जत्थों में नारे लगाते पहुंच गए और धरना शुरू कर महापंचायत आयोजन किया. महापंचायत के दौरान किसान नेताओं ने प्राधिकरण के अधिकारियों और राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की.

कृत्रिम बारिश का अब भी इंतज़ार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के प्रयास रहे विफल, प्रदूषण से राहत अभी दूर

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जानलेवा प्रदूषण से निजात दिलाने के उद्देश्य से किए गए कृत्रिम बारिश के प्रयास अब तक वांछित परिणाम देने में विफल रहे हैं. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर के सहयोग से किए गए कई परीक्षणों के बावजूद, दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश नहीं हुई, जिससे शहर की हवा में घुले ज़हर से तुरंत राहत मिलने की उम्मीद फिलहाल कम हो गई है. बुधवार सुबह 5 बजे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आईटीओ के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक 307 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में है.

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए क्लाउड सीडिंग की तकनीक का सहारा लेने का फैसला किया था. इस प्रक्रिया में, सिल्वर आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड या कैल्शियम क्लोराइड जैसे रसायनों को विमान के माध्यम से बादलों में छिड़का जाता है, ताकि जलवाष्प संघनित होकर वर्षा के रूप में गिर सके.

पहला ट्रायल 23 अक्टूबर को और 28 अक्टूबर को दूसरे ट्रायल में दो बार क्लाउड सीडिंग की गई. आज 29 अक्टूबर को भी आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ सेना विमान का उपयोग करके बुराड़ी, करोल बाग और खेकड़ा जैसे दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में कई बार क्लाउड सीडिंग के ट्रायल कर सकते हैं. पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इन प्रयासों की पुष्टि की और कहा कि उद्देश्य विभिन्न आर्द्रता स्तरों पर क्लाउड सीडिंग की संभावनाओं का आकलन करना है.

हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए. मौसम विज्ञानियों और विशेषज्ञों ने इसकी मुख्य वजह बादलों में पर्याप्त नमी की कमी को बताया है. क्लाउड सीडिंग तभी प्रभावी होती है जब बादलों में पहले से ही वर्षा की कुछ संभावना हो.

मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत का कहना है कि इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए बादलों में कम से कम 40 से 50 फीसद नमी और निचले स्तर पर बादलों की उपस्थिति आवश्यक होती है. स्काईमेट वेदर के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने भी कहा कि दिल्ली में इस समय लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर बादल बने हुए हैं, जिस कारण क्लाउड सीडिंग मुश्किल हो गई है.

लागत और भविष्य की योजना

दिल्ली कैबिनेट ने मई में कुल 3.21 करोड़ रुपये की लागत से पाँच क्लाउड सीडिंग परीक्षणों के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार लाना था. प्रत्येक परीक्षण पर लगभग 64 लाख रुपये का खर्च आ रहा है. भले ही शुरुआती प्रयास बारिश कराने में विफल रहे हों, पर्यावरण मंत्री ने इसे सफल प्रयास बताया, क्योंकि इसका उद्देश्य विभिन्न आर्द्रता स्तरों पर वर्षा की संभावनाओं का आकलन करना था. उन्होंने यह भी कहा कि फरवरी 2026 तक और परीक्षणों की योजना बनाई जा रही है.

अभी तक के ऑपरेशन का विवरण

आईआईटी कानपुर की विशेषज्ञ टीम ने मंगलवार को दो उड़ानें कानपुर और मेरठ एयरफील्ड से संचालित कीं. दोनों उड़ानों ने खेकरा, बुराड़ी, नॉर्थ करोल बाग, मयूर विहार, सड़कपुर, भोजपुर और आसपास के क्षेत्रों को कवर किया. हर उड़ान में करीब 0.5 किलो वजन वाले आठ फ्लेयर छोड़े गए, जिनमें विशेष मिश्रण था जो बादलों में नमी बढ़ाने में सहायक होता है. ऑपरेशन लगभग डेढ़ घंटे तक चला. उस दौरान आर्द्रता 15क्ष्20 फीसदी के बीच रही.

सौरभ भारद्वाज ने कहा- संभव नहीं कृत्रिम बारिश, सर्कस कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम वर्षा की कोशिश पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार को चौतरफा घेर लिया है. क्कने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को पार्टी कार्यालय में कहा कि यह पूरा अभियान वैज्ञानिक दृष्टि से असंभव होने के बावजूद केवल प्रचार और दिखावे के लिए किया गया, जिससे जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी हुई. सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, लेकिन उसका समाधान वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए न कि ड्रामा और पब्लिसिटी के माध्यम से. उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने दिवाली के बाद कृत्रिम वर्षा कराने का दावा किया था पर एक बूंद बारिश नहीं हुई. भारद्वाज ने कहा कि पहले कहा गया कि दोपहर 12 बजे बारिश होगी, फिर शाम 4 बजे तक का समय बढ़ा दिया गया, लेकिन अंत में कुछ नहीं हुआ. यह जनता को बेवकूफ बनाने का तरीका है. उन्होंने केंद्र सरकार के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि दिसंबर 2024 में संसद में दिये गए एक आधिकारिक जवाब में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने साफ कहा था कि दिल्ली की सर्दियों में क्लाउड सीडिंग संभव नहीं है. इन संस्थाओं ने बताया कि इस दौरान बनने वाले बादल पश्चिमी विक्षोभों के कारण होते हैं, जो प्राकृतिक वर्षा कर देते हैं. ऊंचाई पर बने बादलों तक विमान नहीं पहुंच सकते।

कौन हैं रंजना प्रकाश देसाई, जो बनीं 8वें वेतन आयोग की चेयरपर्सन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देते हुए 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर ही केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान और भत्तों में इजाफा होगा। यही नहीं राज्य सरकारों के कर्मचारी भी इस वेतन आयोग के आधार पर भविष्य में वेतन बढ़ोतरी की राह देख रहे हैं। आयोग का चेयरपर्सन जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई को बनाया गया है। वह सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जस्टिस हैं और परिसीमन आयोग का भी वह नेतृत्व कर चुकी हैं। गुजरात सरकार ने भी उनकी सेवाएं ली थीं। उन्हें समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सिफारिशें देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया था।

वह सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर 2014 में सेवानिवृत्त हुई थीं, लेकिन उसके बाद भी किसी ना किसी भूमिका में सक्रिय रही हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्हें बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष का पद मिला था। इसके अलावा परिसीमन आयोग का भी नेतृत्व किया और उनके ही मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में सीटों का पुनर्गठन हुआ है। उनकी अध्यक्षता में 7 नई सीटों का गठन हुआ और जम्मू-कश्मीर में कुल सीटों की संख्या बढ़कर 90 हो गई। यही नहीं लोकपाल चयन समिति का भी वह नेतृत्व कर चुकी हैं।

रंजना प्रकाश देसाई के अलावा वेतन आयोग में दो सदस्य भी बनाए गए हैं। आईआईएम बेंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष इसके सदस्य के तौर पर काम करेंगे। इसके अलावा पेट्रोलियम मंत्रालय के सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव के नाते जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका प्रशासन का लंबा अनुभव है। न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई का जन्म 30 अक्टूबर 1949 को हुआ था। उन्होंने 1970 में एल्फिंस्टन कॉलेज से कला स्नातक और 1973 में गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बॉम्बे से लॉ ग्रैजुएट की डिग्री हासिल की थी। जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई 30 जुलाई 1973 को कानूनी पेशे में शामिल हुईं, जब न्यायमूर्ति प्रताप बार में थे तब उन्होंने उनके कनिष्ठ के रूप में काम किया।

बांग्लादेश में जहर उगल रहा है हाफिज सईद का करीबी; ढाका में पाकिस्तानी कट्टरपंथियों का नया बेस बना

ढाका, एजेंसी।
मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान के इस्लामी संगठन मरकजी जमीयत अहले हदीस के महासचिव इब्तिसाम इलाही जहीर ने 25 अक्टूबर 2025 को बांग्लादेश के राजशाही स्थित शाह मकदूम एयरपोर्ट पर लैंड किया। सुरक्षा एजेंसियां उनके अचानक दौरे से चौंक गईं। उनके स्वागत के लिए स्थानीय इस्लामी संगठन अल जामिया अस सलीफा के पदाधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें नऊदापाड़ा स्थित अपने कैंपस में ठहराया।

जहीर इसके बाद चपैनवाबगंज जिले के नचोले, रंगपुर, लालमुनिरहाट और निलफामारी जैसे भारत सीमा से सटे जिलों में गए, जहां जहीर ने स्थानीय मस्जिदों में कई धार्मिक सभाएं कीं। यह इलाके भारतीय सीमा के करीब 20-25 किमी की दूरी पर है। इन सभाओं में जहीर ने यह कहते हुए विवाद खड़ा किया- 'यहूदी और ईसाई मुसलमानों के दोस्त नहीं हो सकते।' रिपोर्ट्स के अनुसार, उसने इस्लाम छोड़ने वालों को मारने की बात दोहराई। यह बयान 2012 में दिए उसके पुराने विवादित भाषण की तर्ज पर था।

यूनुस सरकार ने खुली छूट दी, 2025 में ही दूसरा दौरा पाकिस्तानी कट्टरपंथियों के लिए बांग्लादेश अब 'कार्रवाई का नया अड्डा' बनता दिख रहा है। अगस्त 2024 में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने के बाद यह हाफिज सईद के सहयोगी इब्तिसाम इलाही ज़हीर की दूसरी यात्रा है; पहली फरवरी 2025 में हुई थी। इस बार दौरा पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्ज़ा के साथ मेल खाता है, जो छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ ढाका पहुंचे। दोनों यात्राओं का ध्यान भारत-बांग्लादेश सीमा, खासकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर केंद्रित है। यूनुस सरकार पर पाक समर्थक नीति और विदेशी कट्टरपंथियों को छूट देने के आरोप लग रहे हैं, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित है।

जमैका से टकराया सदी का सबसे खतरनाक तूफान, ला सकता है भारी तबाही; 300 द्मद्धश्च.द्ध की गति से हवाएं चल रहीं

किंगस्टन, एजेंसी। कैरेबियाई देश जमैका से कैटेगरी-5 का तूफान मेलिसा टकराया है। मेलिसा को इस सदी का सबसे खतरनाक तूफान बताया जा रहा है। तूफान के चलते जमैका में 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। सरकार ने छह लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। तूफान के असर से जमैका में तीन, पड़ोसी देश हैती में तीन और डोमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह तूफान इतना ताकतवर है कि पूरे देश को तबाह कर सकता है। कैटेगरी-5 का तूफान सबसे खतरनाक श्रेणी का माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने मेलिसा तूफान को सदी का सबसे ताकतवर तूफान बताया है। पहले ये तूफान हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन से टकराया और अब जमैका तक पहुंचने में ये और खतरनाक हो गया है। जिस वक्त तूफान जमैका से टकराया, उस वक्त 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं हैं और भारी बारिश हो रही है। हवा की ये गति इतनी तेज है कि यह बड़ी-बड़ी इमारतों को ध्वस्त कर सकता है। इससे बिजली और कम्युनिकेशन सिस्टम भी तबाह हो सकता है। मेलिसा तूफान के चलते जमैका में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। जमैका सरकार ने प्रभावित इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित कर दिया है। जमैका में बीते कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। ऐसे में जमीन में नमी होने के चलते भूस्खलन का खतरा लोगों को डरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने भी राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम द्वारा लोगों को खाने के पैकेट दिए जा रहे हैं। यूएन का कहना है कि कैरेबियाई देशों में बीते साल जुलाई में शक्तिशाली बेरिल तूफान आया था।

भारतीय मूल के बड़े उद्योगपति दर्शन सिंह की कनाडा में हत्या

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में भारतीय मूल के एक बड़े उद्योगपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की कनाडा के एबट्सफोर्ड इलाके में उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वे कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। दर्शन सिंह साहसी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दर्शन सिंह अपनी कार में सवार होते दिख रहे हैं, तभी एक हमलावर उनके पास आता है और दर्शन सिंह पर गोलियां चला देता है। हमलावर अकेला था और मौके से एक टोयोटा कोरोला कार में सवार होकर फरार हो गया। गोलीबारी की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दर्शन सिंह गंभीर हालत में घायल थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कनाडा पुलिस ने बताया कि अभी जांच शुरुआती चरण में है और जल्द ही इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

अमेरिकी संविधान में नहीं है कोई राह

ट्रंप के तीसरे कार्यकाल पर हाउस स्पीकर जॉनसन की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर संकेत दिए हैं कि वह व्हाइट हाउस में तीसरे कार्यकाल के लिए लौटना चाहते हैं। हालांकि, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने साफ कहा कि अमेरिकी संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता और ट्रंप के करीबी माने जाने वाले जॉनसन ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर ट्रंप से बात की है और ट्रंप संविधान की सीमाओं को समझते हैं।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के तहत कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं बन सकता। जॉनसन ने कहा कि संविधान में बदलाव एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें राज्यों और कांग्रेस दोनों की मंजूरी जरूरी होती है।

ट्रंप बोले- 'मैं जरूर करना चाहूंगा': एयरफोर्स वन में जापान की यात्रा के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा मैं तीसरे कार्यकाल के लिए जरूर चुनाव लड़ना चाहूंगा। लेकिन हमारे पास आने वाले चुनावों के लिए बेहतरीन नेता हैं जैसे मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जे.डी वेंस। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप 2028 लिखी टोपी व्हाइट हाउस आने वाले मेहमानों को बतौर स्मृति दी जा रही हैं, जिससे राजनीतिक अटकलें और तेज हो गई हैं।

हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या वह उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़कर फिर राष्ट्रपति बनने की रणनीति पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कानून इसकी अनुमति देता है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह लोगों को पसंद नहीं आएगा और सही भी नहीं होगा।

हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि ट्रंप का तीसरे कार्यकाल का जिक्र राजनीतिक मजाक के तौर पर किया गया है। जॉनसन ने कहा वह डेमोक्रेट्स को ट्रोल करने में मजा लेते हैं। यह गंभीर प्रस्ताव नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, ट्रंप द्वारा बार-बार तीसरे कार्यकाल का जिक्र करना अमेरिकी राजनीति की परंपराओं को चुनौती देने जैसा है। हालांकि, मौजूदा स्थिति में यह संवैधानिक रूप से असंभव है कि कोई राष्ट्रपति दो से अधिक बार पद संभाले। इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अभी मलयेशिया से रवाना हो रहा हूं। यह एक शानदार और जीवंत देश है। यहां हमने बड़े व्यापारिक और दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सबसे अहम बात.. थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोई युद्ध नहीं! लाखों लोगों की जानें बचीं। यह काम पूरा करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान था। अब जापान की ओर!

डीआरएम ने किया 30 करोड़ से बन रहे गया पुल अंडरपास प्रोजेक्ट का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद शहर की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम से लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। इस दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए बुधवार को धनबाद रेल मंडल के डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने बहुप्रतीक्षित गया पुल चौड़ीकरण परियोजना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ रेल मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लगभग 30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गयापुल का चौड़ीकरण किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट न केवल पुल को चौड़ा करने का काम करेगा, बल्कि इसमें एक नया अंडरपास भी बनाया जाएगा। यह अंडरपास बैंक मोड़ से रांगाटांड तक के सबसे व्यस्त ट्रैफिक रूट को जाम से मुक्त कराने में सहायक साबित होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित अंडरपास की चौड़ाई 12.5 मीटर और लंबाई 40 मीटर होगी। इसके बन जाने से भारी वाहनों और स्थानीय यातायात का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा। इससे प्रतिदिन लगने वाले भीषण जाम से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम मिश्रा ने अधिकारियों से प्रोजेक्ट की प्रगति और संभावित समय-सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गया पुल चौड़ीकरण परियोजना धनबाद शहर के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि परियोजना जल्द से जल्द पूरी हो सके। इस योजना के पूरा होने पर धनबाद के लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। विशेषकर पीक ऑवर्स में आवागमन सुगम होगा।

बस-ट्रेलर की टक्कर में ट्रेलर चालक घायल गोविंदपुर-गिरिडीह मार्ग घंटों रहा जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। टुंडी थाना क्षेत्र के कमलपुर जंगल के पास बुधवार को बस और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कई यात्री घायल हो गए, जबकि ट्रेलर चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर का परखच्चा उड़ गया और वाहन का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रेलर चालक केबिन में फंस गया था। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। बस में सवार कई यात्रियों को हल्की और गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहीं, इस दुर्घटना के कारण गोविंदपुर-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया और घंटों यातायात बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और जांच में जुट गई है। मौके पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) विशाल कुमार पांडेय ने बताया कि गोविंदपुर-गिरिडीह मार्ग पर बस और ट्रेलर की जोरदार टक्कर में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। साथ ही सड़क से दोनों वाहनों को हटाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सके।

कसमार गैंगरेप : महिला समेत तीनों आरोपित गिरफ्तार, गए जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसमार (बोकारो)। कसमार थाना क्षेत्र में हवस के दरिंदे ने एक बार फिर मानवता को शर्मसार कर दिया है। एक नाबालिग बच्ची के साथ तीन युवकों ने मिलकर सामुहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत दारिद पंचायत के खुंटाहारा निवासी 28 वर्षीय सफीक अंसारी,19 वर्षीय रंजीत तुरी एवं 18 वर्षीय राहुल कुमार तुरी को गिरफतार करते हुए जेल भेज दिया। वहीं इस घटना की मास्टरमाइंड महिला बरईकला पंचायत की कुसुम देवी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल दिया। घटना सोमवार देर रात की है।

छठ महापर्व के मौके पर कसमार थाना क्षेत्र में यह दुष्कर्म की घटना घटी है। नाबालिग बच्ची की मां लक्ष्मी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर को सोमवार की शाम छठ महापर्व के पहले अर्ध्य में उसकी 14 वर्षीय पुत्री रानी कुमारी (काल्पनिक नाम) अचानक घर से गायब हो गई। पता चला कि उसकी पुत्री बरईकला में स्थित बरईपोखर छठ घाट गांव की महिला कुसुम कुमारी के साथ गई है। घाट पहुंचने पर पता चला की उक्त महिला उसकी पुत्री को तीन युवकों के साथ बाईक में घुमाने के बहाने कहीं ले गई है। देर शाम जब उसकी पुत्री घर लौटी तो पता चला कि उसके साथ तीनों ने सामुहिक दुष्कर्म किया है। दुष्कर्म पीड़िता की मां लक्ष्मी देवी ने बताया कि उसकी नाबालिग बच्ची को तीनों युवकों ने अपनी बाईक में बैठाकर शाम सात बजे ओरमो-दांतु सड़क से अंदर कुलागूजु के सुनसान जगह में ले जाकर बारी-बारी से सामुहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसे गाडी में बैठाकर गांव छोड़ दिया। जब उसकी पुत्री घर पहुंची तो रोते हुए सारी घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने बताया कि आरोपी महिला ने उसे प्रसाद में नशीली दवा डालकर दिया था। जिसे खाने के बाद उसे बेचैनी होने लगी तो सभी आरोपियों ने बाईक में बैठाकर ले जाकर उसके साथ सामुहिक बलात्कार की घटना की। गिरफ्तार सभी आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। सभी आरोपी पेटरवार थाना क्षेत्र के दारिद पंचायत के खुटाहारा के रहनेवाले हैं। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर दुष्कर्म की घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत बरईकला पंचायत के एक गांव में एक नाबालिग बच्ची के साथ तीन युवकों ने सामुहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जिसपर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चंदनकियारी के विकास का एक हिस्सा बनेगा यह नेत्रालय : विधायक

सुदूर क्षेत्र के ग्रामीण भी करा सकें आंखों का उपचारः उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चंदनकियारी-पुरूलिया मुख्य मार्ग पर बुधवार को ममता मूर्ति नेत्रालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक उमाकांत रजक, उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए।

नेत्रालय का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह नेत्रालय चंदनकियारी क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा।

चंदनकियारी के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः विधायक

विधायक उमाकांत रजक ने अपने संबोधन में कहा कि ममता- मूर्ति नेत्रालय की स्थापना चंदनकियारी के विकास का एक अहम हिस्सा है। इस पहल से नहीं केवल स्थानीय लोगों को बल्कि आस-पास के ग्रामीण इलाकों के नागरिकों को भी आधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है, और ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

आंखों से देखना जीवन का आधारः उपायुक्त

इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने वक्तव्य में कहा कि आंखों से देखना हमारे जीवन का आधार है, और इसलिए नेत्र उपचार सुविधाओं का सुलभ होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में नेत्र जांच और उपचार का लाभ लें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन इस प्रकार की स्वास्थ्य पहलों को प्रोत्साहित करता रहेगा ताकि ग्रामीण अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो सके। उन्होंने उपस्थित बीडीओ-सीओ को नेत्रालय स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आंखों का जांच शिविर क्षेत्र में आयोजित करने एवं संस्था द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद का उपचार कराने को कहा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुंदर पहलः पुलिस अधीक्षक

मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि ममता-मूर्ति नेत्रालय गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए बेहतर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयास स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सुंदर पहल है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। उन्होंने संस्था से आग्रह किया कि वे आगे भी सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में अग्रणी भूमिका निभाते रहें।

स्थानीय लोगों में दिखा उत्साह

नेत्रालय के उद्घाटन को लेकर स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोगों ने इस पहल को आंखों की रोशनी के साथ उम्मीद की नई किरण बताया। नेत्रालय में अत्याधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्टाफ की व्यवस्था की गई है, जिससे ग्रामीण अंचलों के लोग अब दूर शहरों में जाकर नेत्र उपचार कराने से बच सकेंगे। मौके पर चंदनकियारी बीडीओ अजय वर्मा, सीओ रवि आनंद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, बीस सूत्री समिति के उपाध्यक्ष श्री देवाशीष मंडल, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष हीरालाल मांझी समेत नेत्रालय के चिकित्सक - कर्मी आदि उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के तहत लघु निबंध लेखन प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन व सतर्कता विभाग द्वारा मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम के तहत आज अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रभात फेरी निकाला और लघु निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रभात फेरी के अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा, उप समादेष्टा मोहम्मद मेहरून इस्लाम लश्कर, वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक घोष, प्रबंधक पवन कुमार, प्रबंधक पार्थ गुइन, सहायक प्रबंधक राजीव महतो, अमूल्य सिंह सरदार, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव , सुमन कुमार , रामजी रजक आदि ने भाग लिया। प्रभात फेरी मे शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों ने यहां के बाजार और डीवीसी कॉलोनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए कई तरह का नारा लगाया गया। सम्मेलन कक्ष में आयोजित लघु निबंध लेखन प्रतियोगिता में रवि रंजन सिंह, अनिमेष गिरी , सुजीत कुमार , सत्यनारायण सिंह , महेंद्र साव , सत्येंद्र कुमार, विनोद कुमार , पवन कुमार , रामजी रजक, अक्षय कुमार, कार्तिक महतो आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक और सतर्कता पदाधिकारी अभिषेक घोष भी शामिल हुए।

नागरिक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा शपथ समारोह का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सीएसआईआर - सिंफर, बरवा रोड, परिसर धनबाद के सभागार में 'नागरिक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा' शपथ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के कर्मियों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। प्रशासन नियंत्रक आदित्य मैनाक द्वारा कर्मियों को शपथ दिलाया गया जिसमे भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता के बारे में बताया गया एवं प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठ के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए। इस शपथ समारोह में कार्मिकों द्वारा जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करना।

चाईबासा में लाठीचार्ज एवं चास में आईआरबी जवान की हत्या के विरोध में भाजपाइयों ने फूंका पुतला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। राज्य सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर भाजपाइयों ने उबाल है। आक्रोशित भाजपाइयों ने बोकारो भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय के नेतृत्व में महावीर चौक, चास में हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। उन्होंने कहा, झारखंड में वर्तमान सरकार के राज में अगर कोई सुरक्षित है तो सिर्फ अपराधी।आम आदमी को कानून व्यवस्था पर विश्वास नहीं रह गया है।

चाईबासा में निहत्थे ग्रामीणों पर बर्बरतापूर्वक की गई लाठीचार्ज के विरोध में झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि 27 अक्टूबर 2025 को

चाईबासा के तांबो चौक के पास शहर में नो एंट्री की मांग करने वालों पर हेमंत सरकार के इशारों पर प्रशासन ने निहत्थों पर देर रात बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज एवं आंसू गैस के गोले दागे गए। हेमंत सरकार जनता की आवाज से घबरा कर दमन के रास्ते पर चल पड़ी है। तानाशाही रवैया अपनाने वाली यह सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले नागरिकों को अपराधियों की तरह ट्रीट कर रही है, जो लोकतंत्र पर सीधा हमला है। भाजपा ने चेतावनी दी कि यदि हेमंत सरकार ने इस दमनकारी रवैये को बंद नहीं किया तो पार्टी सड़क से सदन तक और उग्र आंदोलन करेगी। राज्य की जनता दमन नहीं, सम्मान चाहती है और भाजपा जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दूसरी तरफ बोकारो के चास में छठ के संध्या अर्घ्य की रात्रि को अपराधियों द्वारा चास आई आर बी जवान अजय यादव की गोली मार कर हत्या कर दी गई। आरोपी पूर्व में भी ऐसे अपराधों में जेल जा चुका है। पूरे राज में भय का माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम में, संजय त्यागी, शंकर रजक,अमर स्वर्णकार, विक्की राय, बिक्रम महतो, परिंदा सिंह,झन्टु दे,माथुर मंडल, कर्मचंद गोप,गोपाल शाह,उदय सिंह, ब्यास रॉय, प्रदीप सिंह, प्रभात, गोपी, त्रिलोचन झा, अरविंद राय,हराधन झरियत, उदय सिंह,आशीष कुमार, राजेश घोसाल, शर्मा,राजू गोस्वामी, प्रभात महतो आदि मौजूद रहे।

डालमिया सीमेंट बोकारो ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। नमामि गंगे योजनांतर्गत स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, बोकारो इकाई में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन - जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सशक्त बनाना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत कंपनी परिसर में स्वच्छता शपथ के साथ हुई, जिसमें कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इसके पश्चात स्वच्छता अभियान के तहत पूरे औद्योगिक क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कों, परिसर और आस-पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई तथा प्लास्टिक कचरे के संग्रहण और निस्तारण का कार्य* किया गया।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने *कार्यस्थल एवं आस-पास के क्षेत्रों को हमेशा स्वच्छ रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता रैली, शपथ ग्रहण, जागरूकता संबोधन और सामूहिक सफाई अभियान जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गई।

जिला प्रशासन की ओर से प्रीतम राज जिला परियोजना पदाधिकारी, नमामि गंगे एवं अभिषेक (यूनिसेफ, बोकारो ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और उपस्थित जनों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया।

प्लांट की ओर से सुनील कुमार के. भुसारी (यूनिट हेड), अमित सिंह (एच.आर. मैनेजर), सुधीर कुमार सिंह (सुरक्षा प्रमुख), राकेश कुमार सिंह (इन्फ्रास्ट्रॉर हेड), धनंजय कुमार एवं मथुरा प्रसाद (डी.बी.एफ. टीम) उपस्थित रहे।

अभियान के समापन पर प्रतिभागियों ने संदेश दिया कि स्वच्छता ही सेवा है और सेवा ही सच्चा देश प्रेम है।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। समाहरणालय सभागार में राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं सरकार आपके द्वार को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिले से वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में मुख्य आयोजन की रूपरेखा तय की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले में अनेक जनहितकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेशानुसार 11 नवम्बर से 29 नवम्बर तक ह्लसरकार आपके द्वारह्व तथा राज्य स्थापना सप्ताह से संबंधित कार्यक्रमों की श्रृंखला पूरे जिले में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रमों की शुरूआत एलईडी वैन के फ्लैग-ऑफ से होगी, जिसके माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट डांस एवं फ्लैश मॉब के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साइकिल रैली निकाली जाएगी, जो जिले के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचेगी।

इसके साथ ही वॉल पेंटिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।साथ ही रांची के मोरहाबादी में एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले की सभी विशिष्ट उपलब्धियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। विभिन्न विभाग अपने कार्य और प्रगति को प्रदर्शित करेंगे एवं स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग अपने प्रमुख कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 29 तारीख को सभी भर्ती संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि विभिन्न विकासपरक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। ब्लड डोनेशन बस और पॉलीटेक्निक बस का शुभारंभ किया जाएगा। साथ

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com